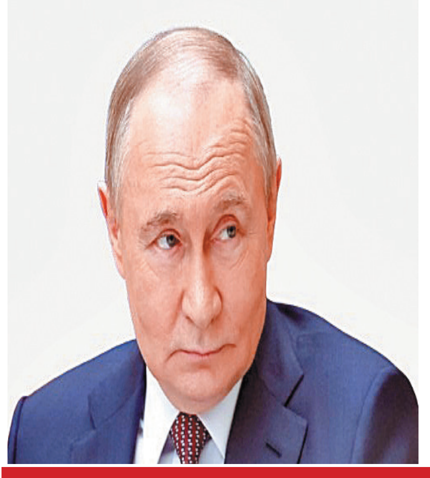

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 यूक्रेन के दावे पर डोनाल्ड ट्रंप का कड़ा ऐतराज!

नीरज चोपड़ा ने रिसेप्शन पार्टी में डांस किया 11

वर्ष : 16 | अंक : 237 | नई दिल्ली, बुधवार, 31 दिसंबर, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C

न्यूनतम तापमान 20.0°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,26,590

चांदी 1,65,000

सेंसेक्स 84,556

निफ्टी 25,888

जनजातीय समाज सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक शिक्षा और तकनीक को अपनाए : मुर्मू

प्रात : किरण, एजेंसी

गुमला/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को झारखंड के गुमला जिले के रायडीह प्रखंड में अंतरराज्यीय जन-सांस्कृतिक समागम कार्तिक जतरा में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समाज की अस्मिता और विरासत को संरक्षित रखने की जरूरत पर जोर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिक शिक्षा, विज्ञान और तकनीक के माध्यम से आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि शिक्षा विकास की सबसे बड़ी पूंजी है और इसके विस्तार-प्रसार से ही समाज तथा राज्य का समग्र विकास संभव है। झारखंड के गुमला निवासी महान जनजातीय नायक पंखराज साहेब कार्तिक उरांव की स्मृति को नमन करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे सभी के लिए प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के बावजूद अपनी सोच को अपनी माटी और अपने लोगों के लिए समर्पित रखा और शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम माना। आज उसी भावना के साथ कार्तिक जतरा के माध्यम से लोग उन्हें याद कर रहे हैं, जो अपने आप में एक सार्थक पहल है। राष्ट्रपति ने कहा कि गुमला जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना पंखराज उनका सपना था, जिसे शीघ्र साकार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा को जोड़ने वाला यह क्षेत्र नदियों, पहाड़ों, पठारों और जंगलों से समृद्ध है और देश की प्राचीनतम परंपराओं का साक्षी रहा है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्मभूमि और कर्मभूमि झारखंड में आकर उन्हें तीर्थ यात्रा जैसा अनुभव होता है। बिरसा मुंडा आज पूरे देश में सामाजिक न्याय और जनजातीय गौरव के महान प्रतीक के रूप में सम्मानित हैं। गुमला जिले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि महान समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी जतरा टाना भगत का जन्म भी इसी धरती पर हुआ था। उन्होंने महात्मा गांधी के आदर्शों के अनुरूप ब्रिटिश शासन के खिलाफ अहिंसक आंदोलन का नेतृत्व किया। इसके अलावा, उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में अद्वितीय वीरता का परिचय देने वाले परमवीर चक्र विजेता शहीद एल्बर्ट एक्का को भी श्रद्धापूर्वक याद किया, जिनकी जन्मस्थली गुमला जिला है। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने जनजातीय समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की संगीत, नाटक, नृत्य और कला परंपराएं अत्यंत समृद्ध हैं। यही कारण है कि देशभर से 100 से अधिक आदिवासी कलाकारों को पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है। कार्यक्रम के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आई आदिवासी पारंपरिक नृत्य मंडलियों ने अपनी लोक कला और संस्कृति का आकर्षक और रंगारंग प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला।

कोलकाता में अमित शाह का बड़ा हमला, बोले बंगाल बदलाव के लिए तैयार, 2026 में भाजपा की सरकार तय

प्रात : किरण, एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल भय, भ्रष्टाचार और घुसपैठ से त्रस्त हो चुका है और अब राज्य विकास, सुरक्षा और गरीब कल्याण को प्राथमिकता देने वाली सरकार चाहता है। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। अमित शाह ने कोलकाता के साल्ट लेक में आयोजित पत्रकार वार्ता की शुरूआत 30 दिसंबर के ऐतिहासिक महत्व से करते हुए कहा कि इसी दिन 1943 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में आजाद हिंद फौज का ध्वज फहराया था। उन्होंने कहा कि यह दिन हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक है। आठ दशक के बाद बंगाल एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा है और अब से अप्रैल तक का समय राज्य की राजनीति के लिए बेहद अहम है। गृह मंत्री ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में बंगाल के लोग डर के माहौल में जीने को मजबूर हैं। भाजपा कार्यकर्ता जनता को भरोसा दिला रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बंगाल में भाजपा सरकार बनते ही भ्रष्टाचार और घुसपैठ पर पूरी तरह रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि घुसपैठ रोकने के लिए ऐसी मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था बनाई जाएगी कि अवैध रूप से एक पक्षी भी सीमा पार न कर सके। भाजपा केवल घुसपैठ रोकेगी ही नहीं, बल्कि सभी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें बाहर भी करेगी। अमित शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व में बंगाल का विकास पूरी तरह ठप हो गया है। देश के अन्य हिस्से तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन बंगाल में कट मनी और भ्रष्टाचार ने विकास की रफ्तार रोक दी है। उन्होंने दावा किया कि 15 अप्रैल 2026 के बाद भाजपा सरकार बनने पर बंगाल का खोया हुआ गौरव लौटेगा और महान विचारकों की परिकल्पना के अनुरूप राज्य का पुनर्निर्माण किया जाएगा। भाजपा की राजनीतिक यात्रा का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि पार्टी की जड़ें जनसंघ में हैं, जिसकी स्थापना डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी। उन्होंने आंकड़ों के जरिए भाजपा की बढ़ती ताकत को रेखांकित किया। 2014 में भाजपा को 17 प्रतिशत मत मिले और दो लोकसभा सीटें मिलीं। 2016 में 10 प्रतिशत वोट और तीन विधायक बने। 2019 में भाजपा को 41 प्रतिशत मत मिले। 2021 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीतीं, जिससे कांग्रेस राज्य में शून्य हो गई और वाम दलों का जनाधार समाप्त हो गया। 2024 में भाजपा को 39 प्रतिशत वोट और 12 लोकसभा सीटें मिलीं। अमित शाह ने कहा कि यही रुझान 2026 में भाजपा को सत्ता तक पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार कार्यभार संभालने के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार में भाजपा की सरकारें बनीं। 2024 में ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भाजपा और एनडीए की सरकार बनी। इसी कड़ी में 2026 में पश्चिम बंगाल भी भाजपा के साथ जुड़ेगा।

घुसपैठ बढ़ाने के लिए जमीन नहीं दे रही ममता सरकार

घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए अमित शाह ने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार जानबूझकर घुसपैठ को बढ़ावा देने के लिए राज्य की जमीन उपलब्ध करा रही है, जो पूरे देश की सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार अनुच्छेद 370 जैसी हर राष्ट्रीय पहल का विरोध करती रही है। अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से सवाल किया कि सीमा पर फेंसिंग के लिए राज्य सरकार जमीन क्यों नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से बंगाल बेहद संवेदनशील राज्य है, जहां गांव गांव में घुसपैठिए पहुंच चुके हैं, लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि असम और त्रिपुरा में घुसपैठ पर रोक लगी है। गुजरात, राजस्थान और पंजाब में यह समस्या इसलिए नहीं है क्योंकि वहां की सरकारें घुसपैठ को समर्थन नहीं देतीं। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ अब केवल बंगाल की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संस्कृति की रक्षा की लड़ाई बन चुकी है और यह जिम्मेदारी केवल भाजपा ही निभा सकती है। भ्रष्टाचार के मामलों पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि तृणमूल शासन में एक के बाद एक घोटाले सामने आए हैं। यदि सभी मामलों की सूची बनाई जाए तो पूरा दिन लग जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री यह बता सकती हैं कि उनके मंत्री के आवास से 27 करोड़ रुपये क्यों बरामद हुए। उन्होंने कहा कि पार्थ चटर्जी, ज्योतिप्रिय मल्लिक, चंद्रनाथ सिन्हा, कुणाल घोष और परेश अधिकारी जैसे कई तृणमूल नेता और मंत्री जेल जा चुके हैं, लेकिन सरकार जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं निभा रही।

महिला सुरक्षा पर उठाए सवाल

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अमित शाह ने कहा कि राज्य में हालात इतने खराब हैं कि महिलाओं को शाम सात बजे तक घर लौटने की सलाह दी जाती है। आरजी कर, संदेशखाली, दुगार्पुर और कसबा लॉ कॉलेज जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल की माताएं और बहनें अपने मत से सरकार बदलने के दिन गिन रही हैं। तृणमूल पर सांप्रदायिक तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए अमित शाह ने कहा कि केवल वोट बैंक के लिए हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया गया। उन्होंने कहा कि तृणमूल ने ऋषि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की वंदे मातरम् पर संसद में चर्चा का भी विरोध किया, जिसे बंगाल कभी स्वीकार नहीं करेगा। आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि एक समय बंगाल देश की जीडीपी में तीसरे स्थान पर था, लेकिन आज 22वें स्थान पर पहुंच गया है। पहले बंगाल के लोग राष्ट्रीय औसत से अधिक आय अर्जित करते थे, जो अब घटकर 73 रह गई है। जिसे कभी सोनार बांग्ला कहा जाता था, वह पहचान आज मिटती जा रही है। 7,000 से अधिक कंपनियां राज्य छोड़कर जा चुकी हैं।

प्रधानमंत्री ने प्रख्यात अर्थशास्त्रियों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठक की

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां नीति आयोग में बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में प्रख्यात अर्थशास्त्रियों, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और विषयगत जानकारों ने भाग लिया। इस अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी और नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम भी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में अर्थशास्त्रियों, क्षेत्रीय विशेषज्ञों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से जुड़े प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। बैठक के दौरान बजट 2026-27 से पहले देश की विकास संभावनाओं, राजकोषीय प्रबंधन तथा दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि के लिए आवश्यक संरचनात्मक सुधारों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, वैश्विक चुनौतियों और घरेलू मांग को मजबूती देने के उपायों पर भी चर्चा होने की संभावना जताई गई। सूत्रों के अनुसार इस तरह के परामर्शों का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों के सुझावों को शामिल कर समावेशी और संतुलित बजट तैयार करना है।

नीतीश ने एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का निरीक्षण किया, कहा-छात्रों को विज्ञान में रुचि बढ़ेगी

प्रात : किरण, एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को पटना के राजेंद्र नगर में 21 एकड़ के भूखंड पर नवनिर्मित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूरे परिसर एवं विभिन्न गैलरियों, वैज्ञानिक प्रदर्शनों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित बच्चों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी विशिष्ट आइडियाज के साथ बनाया गया है। यह साइंस सिटी विज्ञान और नवाचार का एक ऐसा आधुनिक केन्द्र है जो सभी आयु वर्ग के लोगों को आकर्षित कर रहा है। देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को जानने-समझने के लिए यह आकर्षक और अनूठा केन्द्र है। सीएम ने कहा कि युवा वर्ग के बीच विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस साइंस सिटी का निर्माण किया गया है। यहां आने वाले छात्र-छात्राओं को विज्ञान की मूलभूत बातें, गतिविधियों और विज्ञान के सिद्धांतों को सरलता से समझने में सुविधा होगी तथा विज्ञान में उनकी रुचि बढ़ेगी। निरीक्षण के क्रम में भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस साइंस सिटी में विज्ञान आधारित पांच गैलरी, 269 रोचक विज्ञान प्रदर्शन, ऑडिटोरियम, 4डी थियेटर तथा छात्रों एवं शिक्षकों के लिए डोरमेट्री की सुविधा प्रमुख आकर्षण केन्द्र हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, भवन निर्माण विभाग के सचिव सह मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पटना प्रमण्डल के आयुक्त अनिमेश पराशर, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का निर्माण बिहार सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा लोगों के बीच विज्ञान को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए किया गया है। यह पटना के राजेंद्र नगर में स्थित है। इसका उद्देश्य विज्ञान को बढ़ावा देना और लोकप्रिय बनाना, साथ ही बिहार में वैज्ञानिक विकास के इतिहास को प्रदर्शित और संरक्षित करना है।

संक्षिप्त खबरें

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बस खाई में गिरी, सात यात्रियों की मौत

अल्मोड़ा (उत्तराखंड)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में आज सुबह बस के खाई में गिर जाने से सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई हैं। बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। यह हादसा जिले के भिकियासैंण-विनायक मार्ग पर हुआ। यह यात्री बस सिलापानी-सिमलधार के पास भिकियासैंण से रामनगर जा रही थी। कई यात्री घायल बताए जा रहे हैं। बस में करीब 17-18 यात्री थे। खाई गहरी होने की वजह से राहत और बचाव कार्य में कठिनाई का सामना करना पड़ा। घायलों को उपचार के लिए भिकियासैंण के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायलों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे को हृदयविदारक बताते हुए अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की सतत निगरानी की जा रही है। धामी ने ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि घायल सभी यात्रियों को त्वरित एवं समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रशासनिक अधिकारियों से निरंतर संपर्क में हैं। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र पंचायत सदस्य दीपक करगेती भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य तेजी से चलाया जा रहा है।

कोहरे के कारण 87 ट्रेनें प्रभावित, राजधानी से लेकर अमृतभारत तक चल रहीं लेट

नई दिल्लील। कोहरे के कारण दिल्लीई आने वाली 87 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। इसमें कई ट्रेनें रास्ते् में ही अटकी है तो कई ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। ट्रेनें सात घंटे से ज्यादा समय देरी से चल रही हैं। कई जगह विजिबिलिटी बहुत कम है और कई जगह जीरो तक पहुंच गई है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए ट्रेनें धीमी चल रही हैं जिससे देरी हो रही है। इसमें राजधानी से लेकर दूरंतो और अमृतभारत टेनें शामिल हैं। रेलवे यात्रियों की सुविधा को ध्यौन में रखते हुए देरी से चल रही ट्रेनों की सूची जारी की है। उत्तटर रेलवे के मुख्या जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि भारतीय रेलवे की प्राथमिकता यात्रियों की सुरक्षा होती है, इसी को ध्यांन में रखते हुए ट्रेनों को धीमी स्पीकड से चलाया जा रहा है। देर से चल रही ट्रेनों में 12397 प्रयागराज-नई दिल्ली सफर एक्सप्रेस, 12565 बिहार सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस, 14117 प्रयागराज-भिवानी मेमू, 15743 किशनगंज-भटिंडा मेमू, 12555 गोरखपुर-भटिंडा सफर एक्सप्रेस, 12303 हावड़ा-नई दिल्ली दूरंतो एक्सप्रेस, 22437 प्रयागराज-आनंद विहार सफर एक्सप्रेस, 12309 राजेंद्र नगर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12273

पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट ने पहले फ्लाइट टेस्ट में लक्ष्य पर साधा सटीक निशाना

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का पहला फ्लाइट टेस्ट करके इतिहास रच दिया है। ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किये गए परीक्षण में पिनाका रॉकेट ने एकदम सटीक तरीके से 120 किमी. की रेंज हासिल करते हुए लक्ष्य पर निशाना साधा। चीन को सटीक जवाब देने के लिए भारत भी अपनी 'रॉकेट फोर्स' बना रहा है। इसका उद्देश्य भारत की मध्यम दूरी की मारक क्षमता को मजबूत करना है, जो पहले से ही पड़ोसी देशों पाकिस्तान और चीन के पास है। लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट (एलआरजीआर 120) का पहला उड़ान परीक्षण चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज में किया गया। इस रॉकेट का परीक्षण उसकी 120 किलोमीटर की अधिकतम सीमा के लिए किया गया, जिसमें इसने योजना के अनुसार उड़ान के दौरान सभी युद्धाभ्यासों का प्रदर्शन किया। एलआरजीआर ने 'टेक्स्टबुक प्रिसिजन' के साथ अपने लक्ष्य पर प्रहार किया। परीक्षण के दौरान तैनात किए गए सभी रेंज उपकरणों ने रॉकेट के पूरे ट्रैजेक्टरी पर नजर रखी।

अयोध्या का राम मंदिर हमारे संघर्ष का प्रतिमान : सीएम मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को कहा कि 500 साल के संघर्ष के बाद अयोध्या में राम मंदिर बना है। यह हमारे संघर्ष का दुनिया के सामने एक प्रतिमान है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा बनाई गई राम मंदिर की प्रतिकृति का लोकार्पण करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, अयोध्या में राम मंदिर हमारे 500 साल के संघर्ष और बलिदान के साथ तमाम प्रकार के संघर्ष की गौरवशाली विरासत रही। हमारे समाज ने एक साथ एक समय में अपनी आंखों से वह दृश्य देखा जिसे भुलाया नहीं जा सकता। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनाकर हमारी सनातन संस्कृति का ध्वज एवरेस्ट की ऊंची चोटी से भी ऊंचा भाव लेकर आया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद भव्य दिव्य मंदिर बना। इसके जरिए हमने दुनिया के सामने हमारे अमर संघर्ष का प्रतिमान बनाया है। भोपाल में प्रतिकृति बनाई गई है।

बिहार एसआईआर बिना किसी डी-डुप्लीकेशन प्रक्रिया के आयोजित किया गया......................

एसआईआर की प्रक्रिया पूरे देश में पैदा कर रही है संदेह : कांग्रेस

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया साफ सुथरी तथा पारदर्शी नहीं है और इस काम में जल्दबाजी में नियमों का उल्लंघन हो रहा है इसलिए आयोग को हर दिन नियम बदलने के बजाए लोगों को हो रही समस्या का जमीनी स्तर पर स्थायी समाधान निकालना चाहिए। पार्टी ने कहा कि इस प्रक्रिया के कारण करोड़ों लोगों को पीड़ा में डालकर उनके हक छीने जा रहे हैं। जिन लोगों के नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं हैं उनको आयोग की तरफ से नोटिस आएंगे और बेवजह उनको तंग किया जाएगा। इसमें उन लोगों को ज्यादा तकलीफ होगी जो मतदाता सूची में शामिल होने के हकदार हैं लेकिन अपना पक्ष नहीं रख पा रहे हैं। बीएलओ रिश्तों के हिसाब से सूची में नाम शामिल करने की प्रक्रिया को परिभाषित कर रहे हैं। हर दिन नियम बदले जा रहे हैं और चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया में जल्दबाजी कर पूरे देश को संदेह में डाल दिया है। एसआईआर की प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं है और पूरी प्रक्रिया संदेह से घिरी हुई है। कांग्रेस सांसद शशिकांत सेंथिल ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एसआईआर बहुत व्यापक और लंबी प्रक्रिया है लेकिन चुनाव आयोग ने इसमें बहुत जल्दबाजी कर इसे बेहद जटिल और पीड़ादायक बना दिया है। इसमें दिशा निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है और सारी प्रक्रिया को एक डेढ महीने में पूरा करने की सीमा बांध दी है। किसी भी मतदाता को सूची में शामिल होने के लिए तीन बातें जरूरी होनी चाहिए जिसमें पहली है कि वह देश का नागरिक हो, उसने 18 साल की उम्र पार कर दी हो और वह उस पते पर रहता हो जहां का पता दिया गया है, ये तीन बातें इसके लिए होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निवासी होने की बात स्पष्ट नहीं है। इसको लेकर कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। क्योंकि कई बार लोग बाहर काम करने जाते हैं, ऐसे में इस पर सूचना के जरिए निर्णय लेना होता है। इन मामलों में बीएलओ को जानकारी लेनी होती है कि अमुक व्यक्ति रजिस्टर्ड पते पर रहता है या नहीं। मतदाता सूची में पहले शामिल होने की जो प्रक्रिया थी उसमें अब पूरी तरह से बदलाव किया गया है जिसके कारण लोगों को भारी दिक्कत हो रही है। जिन लोगों का नाम 2003 की सूची में है उनको कुछ प्रमाण देने की जरूरत नहीं है लेकिन नाम नहीं है तो बहुत दिक्कत हो रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अभी जो एसआईआर हुआ है, उसका तरीका किसी को समझ ही नहीं आ रहा है। इस तरीके में एक गणना प्रपत्र है जिसके अलग-अलग नियम हैं। इस फॉर्म को लोगों को भरना है और इसे जमा करना है। इस काम को एक महीने में पूरा करना होगा एसआईआर से जुड़ी जो समस्याएं आ रही हैं, वो वाकई चौंकाने वाली हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ियां का मुद्दा देश के सामने रखा लेकिन एसआईआर के दौरान भी वोटर लिस्ट से जुड़ी गड़बड़ियां लगातार सामने आ रही हैं। यदि कोई व्यक्ति एक से अधिक बूथ या जिले में पंजीकृत पाया जाता है, तो सॉफ्टवेयर से मिलाकर बीएलओ सामान्य निवास का जमीनी सत्यापन करता है।

मोदी ने खालिदा जिया को श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन पर शोक व्यक्त किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए उच्च स्तरीय समीक्षा की

प्रात : किरण, एजेंसी

रायपुर/नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यों को स्वास्थ्य क्षेत्र में मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जाएगा तथा जनभागीदारी आधारित मॉडल से स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ किया जाएगा। बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने आठ मेडिकल कॉलेजों के लिए पृथक अस्पताल स्थापित करने की मांग केंद्र के समक्ष रखी। इस पर नड्डा ने छत्तीसगढ़ की प्रगति की सराहना करते हुए अतिरिक्त सहयोग का आश्वासन दिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा यहां नई दिल्ली में दौरान छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सचिव स्वास्थ्य अमित कटारिया, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन रणबीर शर्मा व अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में प्रभावी सुधार की समीक्षा भी की। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने दवा विनियमन को कड़ा करने, निदान सुविधाओं का विस्तार करने, टेलीमेडिसिन व रोगी-केंद्रित देखभाल को बढ़ावा देने तथा जनभागीदारी को व्यापक रूप से सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देशभर में स्वास्थ्य परामर्श अभियान की शुरूआत की गई है, जिसके माध्यम से औषधि प्रबंधन, निदान सेवाओं और जनस्वास्थ्य पहलों को नई दिशा मिलेगी और इनका प्रभाव सीधे नागरिकों तक पहुंचेगा। केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि राज्यों के सभी रक्तकोष निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें तथा उनकी नियमित निगरानी व निरीक्षण को कठोर बनाया जाए।

संक्षिप्त समाचार

कोहरे का सितम ! लखनऊ, मुंबई और दिल्ली की फ्लाइट डायवर्ट

देहरादून, एजेंसी। सोमवार को देहरादून एयरपोर्ट के आसपास छाए घने कोहरे के चलते हवाई सेवाओं पर इसका असर पड़ा। एयरपोर्ट पर सुबह कम दृश्यता के कारण छह हवाई सेवाएं विलंब से पहुंची। इसमें से अहमदाबाद से आने वाले उड़ान तो अपने निर्धारित समय से साढ़े पांच घंटे देर से एयरपोर्ट पर उतरी। शाम को भी एयरपोट पर कम दृश्तया के कारण लखनऊ, मुंबई और दिल्ली की उड़ान को डायवर्ट किया गया। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जौलीग्रांट स्थित देहरादून एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार सुबह 7.55 बजे आने वाली इंडिगो की अहमदाबाद की उड़ान दोपहर 1.25 पर एयरपोर्ट पहुंची। जबकि इंडिगो की सुबह 9.45 पर आने वाली जयपुर की उड़ान दोपहर 12.44 बजे और सुबह 11.10 बजे आने वाली इंडिगो की हैदराबाद की उड़ान दोपहर 1 बजे एयरपोर्ट पर पहुंची। इसके अलावा इंडिगो की दोपहर 12.10 बजे आने वाली कोलकाता की उड़ान दोपहर 12.39 बजे एयरपोर्ट पहुंची। इंडिगो की पुणे से शाम 5.05 बजे आने वाली उड़ान शाम 5.41 बजे पहुंची। वहीं शाम को देहरादून एयरपोर्ट पर दोबारा से कोहरा छा गया। इस दौरान इंडिगो एयरलाइंस की शाम 4.55 बजे आने वाली लखनऊ की उड़ान कम दृश्यता के कारण कई चक्कर लगाने के बाद भी एयरपोर्ट पर नहीं उतर सकी। जिसके बाद उसे लखनऊ के लिए डायवर्ट कर दिया गया। वही मुंबई की शाम 6.20 बजे आने वाली इंडिगो की उड़ान व शाम 7.10 बजे आने वाली दिल्ली की इंडिगो की उड़ान को भी दिल्ली के लिए डायवर्ट करना पड़ा।

न्यू ईयर पर नशे में गाड़ी चलाने वालों की खैर नहीं, भरना पड़ेगा भारी-भरकम जुर्माना

देहरादून, एजेंसी। थर्टी फर्स्ट पर शराब पीकर तेज रफ्तार वाहन चलाने वाले सावधान हो जाएं। पकड़े जाने पर कहीं नए साल का जश्न फीका न पड़ जाए। इसके लिए परिवहन एवं पुलिस विभाग की टीम ने प्रमुख मार्गों पर चेकिंग प्वाइंट चिह्नित कर दिए हैं। तेज रफ्तार के लिए स्पीड गन, एल्कोहल की जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई है। 31 दिसंबर की सुबह से ही चेकिंग टीम सड़क पर उतर जाएगी। आरटीओ प्रवर्तन डॉ. अनीता चमोला ने बताया कि थर्टी फर्स्ट के दिन जिले के मसूरी मार्ग, रिस्पना, हरिद्वार बाईपास, सहारनपुर रोड, चकराता, सहस्रधारा, रायपुर, मालदेवता, थानो, लच्छीवाला, ऋषिकेश, रायवाला, नेपालीफार्म, भानियावाला मार्गों पर चेकिंग के लिए विशेष टीम उतारी जाएगी। नशे की हालत में तेज रफ्तार वाहन चलाते पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही थर्टी फर्स्ट की रात नियम कानून को तोड़ने वालों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। पुलिस के साथ परिवहन विभाग संयुक्त अभियान चलाएगा। आरटीओ चमोला ने बताया कि शराब के नशे में पाए जाने पर छह माह की सजा एवं 10 हजार जुर्माने का प्रविधान है। इसके साथ ही लाइसेंस निरस्त की कार्रवाई की जाएगी।

अंकिता भंडारी केस पर बीजेपी नेताओं को विरोध ! सांसद अजय भट्ट को दिखाए गए काले झंडे

काशीपुर, एजेंसी। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर लोगों में आक्रोश व्याप्त है. कई जगहों पर बीजेपी नेताओं को विरोध का सामना करना पड़ रहा है. आज नैनीताल उधम सिंह नगर सांसद अजय भट्ट भी इससे अछूते नहीं रहे. जसपुर से गुजरते हुए उनके काफिले को भी कांग्रेसियों और स्थानीय लोगों ने काले झंडे दिखाए. कांग्रेसियों और स्थानीय लोगों की ओर से अचानक कई झंडे दिखाए जाने से आगे चल रही पुलिस की गाड़ी में एक हड़कंप मच गया. आनन-फानन में पुलिसकर्मियों ने नीचे उतरकर सांसद अजय भट्ट की गाड़ी को आगे बढ़वाया, लेकिन तब तक अंकित भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर काले झंडे दिखाने वाले अपना काम कर चुके थे. सांसद अजय भट्ट के काफिले को दिखाए गए काले झंडे : दरअसल, नैनीताल उधम सिंह नगर लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद अजय भट्ट आज जसपुर विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे थे, लेकिन सांसद अजय भट्ट को कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जसपुर के सुभाष चौक पर काले झंडे दिखा दिए और जमकर नारेबाजी की. इस दौरान सांसद की सुरक्षा के साथ ही पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगते नजर आए. पुलिस ने काले झंडे दिखाने वालों को हिरासत में लिया : कांग्रेसी प्रदर्शनकारियों ने काफिले को रोक कर विरोध जताते हुए तेज स्वर में जमकर नारेबाजी की. अंकिता भंडारी के हत्यारों को फांसी देने की मांग कर रहे कांग्रेसियों ने सुभाष चौक पर सांसद अजय भट्ट के काफिले को रोक कर काले झंडे दिखाते हुए विरोध जताया. हालांकि, बाद में जसपुर कोतवाली पुलिस ने तीनों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को अपने हिरासत में लिया.

साल 2025: साल के अंत तक चरम पर पहुंचे मानव वन्यजीव संघर्ष के रिकॉर्ड्स

देहरादून, एजेंसी। साल 2025 खत्म होते-होते मानव वन्यजीव संघर्ष अपने चरम पर जाता हुआ दिखाई दिया. इस बार भालू साल के अंत में काफी ज्यादा सक्रिय दिखाई दिए, नतीजा ये रहा है संघर्ष के आंकड़े बढ़ते हुए नजर आए. खासतौर पर पहाड़ी जनपद में भालू के आतंक से लोग दहशत में हैं. लोग वन विभाग से भालूओं के आतंक से निजात दिलाने की मांग कर रहे हैं.

मानव-वन्यजीव संघर्ष गंभीर चिंता का विषयः साल 2025 खत्म होते-होते उत्तराखंड में मानव-वन्यजीव संघर्ष एक बार फिर गंभीर चिंता का विषय बनकर उभरा है. इस बार साल के आखिरी महीनों में वन्यजीवों की सक्रियता में अचानक बढ़ोतरी देखने को मिली, जिसमें गुलदार के साथ-साथ भालू भी संघर्ष के केंद्र में रहे. खासतौर पर प्रदेश के पर्वतीय जनपद इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित दिखाई दिए, जहां जंगल और आबादी के बीच टकराव लगातार बढ़ता चला गया.

पर्वतीय इलाकों को खूखार होते वन्यजीवः उत्तराखंड में मानव-वन्यजीव संघर्ष कोई नई समस्या नहीं है, लेकिन इस वर्ष इसका स्वरूप और अधिक गंभीर रहा. पहाड़ी जिलों में ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ सड़कों और बस्तियों में भी वन्यजीवों की मौजूदगी बढ़ी, जिससे लोगों में दहशत का माहौल बना. कई स्थानों पर लगातार हो रही घटनाओं के बाद ग्रामीणों का आक्रोश भी सामने आया और लोगों ने सड़कों पर उतरकर वन विभाग और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए. कुछ क्षेत्रों में हालात इतने बिगड़ गए कि ग्रामीणों ने वन्यजीवों को मारने की मांग तक उठा दी.

क्या कह रहे जिम्मेदार अधिकारीः प्रमुख मुख्य वन संरक्षक हॉफ आरके मिश्रा का कहना है कि साल 2025 भालुओं के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील रहा. उन्होंने बताया कि भोजन की कमी के चलते भालू आबादी की ओर आए, हालांकि वन विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में चौकसी बढ़ाकर और त्वरित कार्रवाई के जरिए घटनाओं को नियंत्रित करने का प्रयास किया.

भालू की धमक ने सबको किया हैरानः बढ़ते दबाव के चलते वन विभाग को कई संवेदनशील इलाकों में वन्यजीवों को ट्रेंकुलाइज करने और कुछ मामलों में मारने तक के आदेश देने पड़े. हालांकि विभाग का कहना है कि यह कदम केवल अत्यधिक आपात परिस्थितियों में ही उठाया गया. प्रदेश में गुलदार लंबे समय से मानव-वन्यजीव संघर्ष की सबसे बड़ी चुनौती रहा है और साल 2025 में भी गुलदार के हमलों से कई जिले प्रभावित हुए. लेकिन साल के अंत तक एक नई और गंभीर समस्या के रूप में भालुओं की बढ़ती सक्रियता सामने आई. दिसंबर के महीने में कई इलाकों में भालू आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंचते दिखाई दिए, जिससे संघर्ष की घटनाओं में तेज इजाफा हुआ. वन विभाग के प्रयासों से बढ़ी वन्यजीवों की संख्याः राजाजी टाइगर रिजर्व के ऑनरेरी वार्डन राजीव तलवार का कहना है कि वन्यजीवों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी भी संघर्ष की बड़ी वजह है. संरक्षण के बेहतर प्रयासों से वन्यजीवों की संख्या बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही इंसानों और जंगलों के बीच टकराव भी बढ़ रहा है, जो अब एक गंभीर प्रबंधन चुनौती बन चुका है.

आबादी की ओर इसलिए रुख कर रहे वन्यजीवः वन विभाग के अनुसार भालुओं के निचले इलाकों की ओर आने की प्रमुख वजह उच्च हिमालयी क्षेत्रों में भोजन की कमी मानी जा रही है. प्राकृतिक खाद्य स्रोत कम होने के कारण भालू खाने की तलाश में मानव बस्तियों की ओर बढ़ रहे हैं, जहां इंसानों से आमना-सामना होने पर हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं. मानव वन्यजीव संघर्ष के चौकाने वाले आंकड़ेः आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी 2525 से 25 दिसंबर तक मानव-वन्यजीव संघर्ष में मरने वालों की संख्या 63 तक पहुंच चुकी थी, जबकि 470 लोग इन हमलों में घायल हुए. यानी पूरे साल में कुल 533 घटनाएं दर्ज की गईं. यह आंकड़े बताते हैं कि राज्य में औसतन हर दिन एक से अधिक मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटना सामने आई. कई जिलों में वन्यजीवों का आतंकः पर्वतीय जनपद इस बार सबसे ज्यादा आतंक के गवाह बने, चमोली से लेकर उत्तरकाशी और पौड़ी से लेकर पिथौरागढ़, बागेश्वर और नैनीताल तक भी मानव वन्य जीव संघर्ष की घटनाएं सुनने को मिलती रही. हालांकि सबसे ज्यादा उत्तरकाशी, चमोली और पौड़ी जनपद में शिकारी वन्यजीवों के दिखाने से आतंक की स्थिति बनी रही और जिला प्रशासन के साथ वन विभाग की सक्रियता भी सबसे ज्यादा इन्हीं जिलों में दिखाई दी. कुछ क्षेत्रों में तो स्कूलों की टाइमिंग भी बदलनी पड़ी और लगातार शिकारी वन्यजीवों के दिखने से कर्फ्यू जैसे भी हालत बन गए.सीएम धामी ने जारी किया बयानः बड़ी बात यह थी कि खुद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी कई बार इसके लिए बयान जारी करने पड़े और अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी करते हुए सख्त कार्रवाई के लिए कहा गया.

वर्षा व बर्फबारी के साथ हो सकता है नये साल का स्वागत

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में बीते कई दिनों से मौसम शुष्क बना हुआ है और मैदानी क्षेत्रों में कोहरे का प्रकोप जारी है। जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है और मैदानी क्षेत्र शीतलहर की चपेट में हैं।

पर्वतीय क्षेत्रों में दिनभर चटख धूप राहत दे रही है। आज से मौसम के करवट बदलने का अनुमान है। नये साल से पहले पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा-बर्फबारी संभव है। मैदानी क्षेत्रों में कोहरा छाया रह सकता है।

दून में सोमवार को सुबह धुंध और कोहरे का असर रहा और धूप के दर्शन भी देर से हुए। हालांकि, दिन में तेज धूप खिली, लेकिन शाम को आंशिक बादल मंडराने लगे और सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। रात को भी दून समेत आसपास के क्षेत्रों में शीत का सितम रहा।

ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार के ज्यादातर क्षेत्रों में सुबह-शाम घना कोहरा छाने से तापमान भी सामान्य से चार से छह डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ है। जबकि, पर्वतीय क्षेत्रों में दिनभर चटख धूप खिलने से अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है।

पहाड़ों में तापमान मैदानी शहरों से अधिक बना हुआ है। मैदानी क्षेत्रों में घना कोहरा छाने से रेल और हवाई सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

देहरादून एयरपोर्ट आने वाली करीब 10 फ्लाइट सोमवार को भी निर्धारित समय से देरी से पहुंचीं। वहीं, ट्रेनों का समय भी प्रभावित हुआ।

मौसम विभाग के अनुसार, आज से पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम का मिजाज बदल सकता है। उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग व पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं बहुत हल्की वर्षा-बर्फबारी होने की संभावना है। ब

फबारी 3200 मीटर व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रो में हो सकती है।

राज्य के शेष जनपदों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। ज्यादातर मैदानी क्षेत्रों में मध्यम से घना कोहरा छाया रहने का अनुमान है।

चार महीने बाद मौन गांव में सुचारु हुई पेयजल आपूर्ति

ऋषिकेश, एजेंसी। करीब चार महीने बाद मौन गांव में पेयजल आपूर्ति सुचारु हो गई है। पेयजल किल्लत की समस्या को दूर करने को लेकर दिसंबर में ग्रामीणों ने पौड़ी डीएम को ज्ञापन भेजकर पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग की थी।ग्रामीणों की शिकायत का संज्ञान लेते हुए डीएम के निर्देश पर जल संस्थान कोटद्वार हरकत में आया। रविवार को जल संस्थान की ओर से एक टीम गांव में भेजी गई। करीब दो दिनों के बाद पेयजल लाइन मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति सुचारु कर दी गई है।सोमवार को सभी प्रभावित घरों में पानी पहुंच गया है। हालांकि ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार को पानी कुछ ही देर आया। दो बाल्टी ही भर पाए, लेकिन जल संस्थान के अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि दो दिन टेस्टिंग होने के बाद पेयजल आपूर्ति सुचारु रूप से होगी।मौन गांव में आधे दर्जन परिवारों को आपूर्ति करने वाली पेयजल लाइन करीब दो दशक पुरानी होने के चलते जर्जर हो चुकी थी। इस पाइप में कचरा भी फंसा हुआ था। सहायक अभियंता जल संस्थान कोटद्वार अमिता ने बताया कि वाल्व लगने के बाद गांव के सभी परिवारों को नियमानुसार समय से पेयजल आपूर्ति की जाएगी।

दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध, विरोध करने पर बीबी को दिया तलाक

हल्द्वानी, एजेंसी। गौलापार में पति के दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध व ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से एक महिला का परिवार टूट गया। इसके साथ ही महिला के दो मासूम बच्चों की पढ़ाई भी पूरी तरह से छूट गई। महिला ने पुलिस से ससुराल पक्ष पर कार्रवाई करने के साथ ही न्याय दिलाने की मांग की है। बनभूलपुरा नई बस्ती निवासी एक महिला ने पति और ससुरालियों पर मारपीट, गाली-गलौज, मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न के साथ ही तीन तलाक देकर घर से निकालने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, उसकी शादी 28 जनवरी 2014 को मुस्लिम रीति-रिवाज से गौलापार के बागजाला निवासी एक व्यक्ति के साथ हुई। कुछ साल तक सब कुछ ठीक चला, लेकिन बाद में महिला ने पति के मोबाइल पर एक अन्य महिला की फोटो देखी। इसके बाद जब महिला ने अच्छी तरह पति का फोन चेक किया तो उसे शक होने लगा। महिला ने आरोप लगाया कि पति के अवैध संबंधों की उसे जानकारी मिली। जब पीड़ित महिला ने इसका विरोध किया तो पति उसके साथ मारपीट करने लगा। फिर कुछ दिनों बाद पति दूसरी महिला को घर लाने लगा। इसका विरोध करने पर पत्नी को जान से मारने व घर से निकालने की धमकी देने लगा। पीड़िता का कहना है कि छह मार्च 2025 को पति और ससुराल पक्ष ने उसके व बच्चों के साथ मारपीट कर तीन तलाक देते हुए घर से निकाल दिया। महिला ने कहा कि शादी के समय पिता ने दहेज में बाइक, घरेलू सामान व जेवर दिए थे। जिन्हें वापस देने पर पति ने साफ इन्कार कर दिया।

पीएम आवास ना बनाने वालों से होगी रिकवरी हरिद्वार में 8120 को मिली थी स्वीकृति

रुड़की, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चिह्नित पात्रों ने सरकारी योजना का लाभ तो ले लिया, लेकिन न तो आवास बनाया, यदि बनाया तो उसको पूरा नहीं किया। ऐसे में अब शहरी विकास निदेशालय ऐसे लोगों से सरकारी धन की रिकवरी करेगा। इसके लिए सभी नगर निकायों के अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी गई है। शासन ने चेतावनी दी है कि समय से रिपोर्ट नहीं देने वाले निकायों के अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

हरिद्वार जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत विभिन्न प्रक्रिया को पूरा करने के बाद 8120 आवास को स्वीकृत किया गया था। इसके बाद इन आवासों के निर्माण के लिए समय-समय पर किश्त जारी की गई। इसके चलते जिले में 3772 आवास पूर्ण हो गए और उनमें लोगों ने रहना शुरू कर दिया है। इस संबंध में रिपोर्ट भी उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। इसी बीच शासन ने सभी आवासों के संबंध में जानकारी मांगी है। जिस पर हरिद्वार जिले के सभी नगर निकायों की जांच पड़ताल की गई तो पता चला कि 4348 आवास अभी तक भी पूरे नहीं हो सके हैं। इन आवासों के लिए जारी की गई धनराशि का भी अभी तक पूर्ण उपयोग प्रमाणपत्र नहीं दिया गया है। इतना ही नहीं किसी के यहां पर खिड़की दरवाजे नहीं लगे हैं तो कहीं पर शौचालय आदि का निर्माण नहीं किया गया है। इस पर भी सभी से रिपोर्ट मांगी गई है। जिस पर कुछ लोगों ने जल्द काम पूरा करने की बात कही है। तो काफी लोग ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक कोई काम नहीं किया है। ऐसे में निदेशालय ऐसे लोगों को सूची से बाहर कर उनसे सरकारी धन की रिकवरी करने की तैयारी में है। इस संबंध में शहरी विकास विभाग के निदेशक विनोद गिरी गोस्वामी ने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद इस संबंध में कार्रवाई की जाएगी। सभी निकायों के अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि वह रिपोर्ट जल्द दें, ऐसा नहीं करने वालों का वेतन भी रोका जाएगा।

कड़ाके की ठंड में जमीन पर बैठकर नहीं पढ़ेंगे बच्चे, नैनीताल के 39 विद्यालयों को फर्नीचर देने का आदेश जारी

नैनीताल, एजेंसी। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों को ठंड से बचाव के लिए मुख्य शिक्षाधिकारी गोविंद जयसवाल ने जिले के 39 विद्यालयों में 1250 फर्नीचर देने का आदेश जारी किया है।

सीईओ ने राजकीय इंटर कॉलेज धानाचूली में 35, इंटर कॉलेज पुटगांव में 35, इंटर कॉलेज पहाड़पानी में 35, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मल्लीसेठी में 20, इंटर कॉलेज रातीघाट में 20, इंटर कॉलेज खैरना में 35, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोला में 20, इंटर कॉलेज बजौनियाहल्दू में 20, बगड़ इंटर कॉलेज में 20, बैलपड़ाव इंटर कॉलेज में 20 फर्नीचर देने का आदेश दिया है।

इसके अलावा प्रतापपुर इंटर कॉलेज में 20, कालाढूंगी इंटर कॉलेज में 150, बालिका इंटर कॉलेज चोरगलिया में 20, दौलतपुर इंटर कॉलेज में 35, इंटर कॉलेज मोतीनगर में 35, हल्दूचौड़ इंटर कॉलेज में 35, नारायण नगर कुसुमखेड़ा इंटर कॉलेज में 150, इंटर कॉलेज रौशिल में 20, इंटर कॉलेज ज्योलीकोट में 20, इंटर कॉलेज धारी में 20, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिल्किया में 20 फर्नीचर देने का आदेश दिया है।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवपुरबैलजुडी में 20, इंटर कॉलेज रामनगर में 20, जस्सागांजा इंटर कॉलेज में 35, गुलरभट्टी इंटर कॉलेज में 50, इंटर कॉलेज रामगढ़ 20, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रीठा 20, सतबुंगा 35, बेडचूला 20, भनपोखरा 20, इंटर कॉलेज पदमपुर मीडार 20, इंटर कॉलेज जोस्यूड़ा 20, इंटर कॉलेज अधौड़ा 20, गरगड़ी 20, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ककोडंगाजा 20, इंटर कॉलेज चकडोबा में 35 और खनस्यूं इंटर कॉलेज में 50 फर्नीचर देने का आदेश दिया है। सीईओ ने बताया कि ठंड में बच्चों को जमीन पर न बैठना पड़े। इसके लिए फर्नीचर देने की व्यवस्था की है।

कमरे में सो रही महिला की रहस्यमयी मौत, दूसरी की हालत बिगड़ी

देहरादून, एजेंसी। कालसी के बमराड़ गांव में रविवार शाम कमरे में सो रही दो महिलाओं की हालत बिगड़ गई। इस बीच एक महिला की मौत हो गई। जबकि दूसरी महिला को गंभीर स्थिति में देहरादून रेफर कर दिया गया।

नायब तहसीलदार ने बताया कि मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कमरे में रखे रसोई गैस रिसाव के कारण दम घुटने से महिला की मौत हुई। नायब तहसीलदार ने घटना के संबंध में स्पेशल रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी।

बताया जाता है कि स्थानीय निवासी सदानंद की दो पत्नियां तुलसा देवी व कमला देवी रात में कमरे में बेहोशी की हालत में मिलीं। मकान के दूसरे कमरे में सो रहा पुत्र अनिल जोशी जब रात में शौच के लिए बाहर आया तो कमरे से टीवी की आवाज सुनी।

उसने दरवाजे से जब अंदर की तरफ झांका तो परिवार की दोनों महिलाओं की हालत देख उसे कुछ शक हुआ।

पास जाकर देखा तो दोनों बेहोश पड़ी थीं। आसपास के लोगों की मदद से उन्हें उपचार के लिए सीएचसी साहिया पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने 80 वर्षीय तुलसा देवी को मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरी महिला कमली देवी को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर देहरादून रेफर कर दिया गया।

रामनगर में किडनैपिंग और लूटकांड का खुलासा, पुलिस तीन आरोपियों को किया अरेस्ट

रामनगर, एजेंसी। नैनीताल जिले की रामनगर कोवताली पुलिस ने अपहरण, मारपीट और लूट के गंभीर मामले का खुलासा किया. इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है. पुलिस ने आरोपियों के एक बाइक और तमंचा भी बरामद किया है.

पुलिस के अनुसार 26 दिसंबर 2025 को शुभम कश्यप पुत्र दलीप राम निवासी भवानीगंज छोटी नहर ने रामनगर कोतवाली में तहरीर दी थी. शुभम कश्यप ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया था कि समीर खान नाम के व्यक्ति ने उसे बहला-फुसलाकर जबरन अपनी बुलेट मोटर साइकिल पर बैठाया और अपहरण कर ले गया.

आरोप है कि समीर खान ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर शुभम कश्यप के साथ मारपीट और गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी. पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने देशी तमंचा उसकी कनपटी पर रखकर उसकी जेब में रखा पर्स छीन लिया, जिसमें नगद रुपये और जरूरी कागजात थे.

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना रामनगर में एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें अपहरण, लूट, धमकी और अवैध हथियार से संबंधित धाराएं शामिल की गईं. वारदात की जांच के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी और क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम गठित की गई.

पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर रामनगर क्षेत्र में निगम के पास बंद पड़ी आरा मशीन के खंडहर से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान समीर खान (21 वर्ष), ईशान खान उर्फ पव्वा (20 वर्ष) और रिहान अल्वी (20 वर्ष) निवासी रामनगर जनपद नैनीताल के रूप में हुई है.

आरोपियों की निशानदेही पर समीर खान के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल 315 बोर का तमंचा और बुलेट मोटर साइकिल बरामद की गई. वहीं ईशान खान उर्फ पव्वा के पास से पुलिस को लूटा हुआ काले रंग का पर्स, जिसमें 290 रुपये नकद और अन्य कागजात थे, बरामद हुआ. इसके अलावा रिहान अल्वी के कब्जे से पीड़ित का आधार कार्ड भी बरामद किया गया. पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया.

दिल्ली में सरकारी स्कूलों के शिक्षक बच्चों को पढ़ाएंगे या सड़कों पर कुत्ते गिनेंगे? : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को आवारा कुत्तों को गिनने और निगरानी रखने का आदेश जारी कर भाजपा सरकार आम आदमी पार्टी के निशाने पर आ गई है। यह आदेश आने के बाद से ही आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश इकाई के नेता भाजपा सरकार पर हमलावर हैं और अब पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी इस फैसले पर कड़ी नाराजगी जताई है। मंगलवार को अरविंद केजरीवाल ने भाजपा सरकार से पूछा कि दिल्ली में सरकारी स्कूलों के शिक्षक बच्चों को पढ़ाएंगे या फिर सड़कों पर आवारा कुत्ते गिनेंगे? भाजपा सरकार के इस आदेश ने शिक्षा के प्रति उसकी सोच और प्राथमिकताओं को बेनकाब कर दिया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि दिल्ली में सरकारी स्कूलों के शिक्षक बच्चों को पढ़ाएँगे या फिर सड़कों पर कुत्ते गिनेंगे? भाजपा की दिल्ली सरकार का ये आदेश उनकी सोच और प्राथमिकताओं को बेनकाब करता है। भाजपा के लिए शिक्षा कोई मुद्दा ही नहीं है। यह लोग शिक्षकों को अपमानित कर रहे हैं, स्कूलों को बर्बाद कर रहे हैं। जब दिल्ली में हमारी सरकार थी तो हमने शिक्षकों को सम्मान दिया, उन पर गैरजरूरी बोझ हटाया और बच्चों की पढ़ाई को ही सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया। शिक्षकों को ट्रेनिंग के लिए विदेश भेजा, स्कूलों को बेहतर बनाया। आज भाजपा सरकार सब बर्बाद करने पर तुली है। उधर, आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर भाजपा की दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आदेश की कॉपी को साझा कर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार रोज अनर्गल ऑर्डर निकालती है। अब टीचर्स पर आवारा कुत्तों की जिम्मेदारी डाल दी गई है। टीचर बच्चों को पढ़ाएंगे या आवारा कुत्ते देखेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी आदेश में साफ लिखा है कि शिक्षकों की ड्यूटी स्ट्रीट डॉग्स की निगरानी करने की भी होगी। शिक्षक सुनिश्चित करेंगे कि कुत्तों की नसबंदी हो और वे स्कूल कैंपस के अंदर न आएं। लेकिन जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तो व्यवस्था बिल्कुल अलग थी। अगर स्कूल की बिल्डिंग खराब होती थी, बेंच बदलनी होती थी या साफ-सफाई करवानी होती थी, तो यह काम करवाने के लिए एक स्टेट मैनेजर नियुक्त किया गया था। शिक्षकों को गैर जरूरी कामों से अलग कर दिया गया था। लेकिन भाजपा सरकार शिक्षकों पर कुत्तों की निगरानी जैसी जिम्मेदारी देकर उनका अपमान कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय मोबाइल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

4 शातिर गिरफ्तार, 116 चोरी-झपटे गए महंगे मोबाइल बरामद

प्रात: किरण/मनोज जैन

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल जिला स्पेशल स्टाफ टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय मोबाइल फोन तस्करी गिरोह का पदार्फाश किया है। इस कार्रवाई में चार कुख्यात और आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से 116 महंगे चोरी और झपटे गए मोबाइल फोन, एक टीवीएस एनटॉर्क स्कूटी और एक आधार कार्ड बरामद किया गया है। यह गिरोह दिल्ली में मोबाइल स्नैचिंग के बाद उन्हें अवैध तरीके से अनलॉक कर कोलकाता के जरिए बांग्लादेश भेज रहा था। यह कार्रवाई 18 दिसंबर 2025 को थाना पटेल नगर क्षेत्र में दर्ज एक मोबाइल झपटमारी के मामले की जांच के दौरान सामने आई। पीड़िता हाथ में आईफोन 16 प्रो लेकर पैदल जा रही थी, तभी इलेक्ट्रिक स्कूटी सवार दो बदमाशों ने पीछे से मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच स्पेशल स्टाफ को सौंपी गई। इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी और नेतृत्व सेंट्रल जिला के उपायुक्त पुलिस (डीसीपी) श्री निधान वल्सन, आईपीएस द्वारा किया गया। उनके निर्देशन में गठित टीम ने तकनीकी निगरानी, मानवीय खुफिया जानकारी और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने 100 से अधिक निजी और सरकारी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण में यह भी सामने आया कि चोरी हुए सिम कार्ड का इस्तेमाल कर पीड़ितों को फर्जी संदेश भेजे जा रहे थे। संदेश में यह झांसा दिया जाता था कि मोबाइल फोन एप्पल स्टोर पर मिल गया है और उसे पाने के लिए आईक्लाउड आईडी हटानी होगी। जैसे ही आईडी हटाई जाती, मोबाइल पूरी तरह अनलॉक हो जाता था। गिरफ्तार आरोपियों में गिरोह का मास्टरमाइंड समीर उर्फ राहुल शामिल है, जो चोरी के आईफोन और एंड्रॉयड मोबाइल फोन को 3यू टूल्स और अन्य विदेशी सॉफ्टवेयर की मदद से अनलॉक करता था। वह प्रति मोबाइल 1,500 रुपये तक की रकम वसूलता था। उसके साथ सलमान, अयान और दिलशाद यासीन कुरैशी सक्रिय रूप से मोबाइल खरीदने, इकट्ठा करने और तस्करी में शामिल थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से एप्पल, वीवो, सैमसंग, रेडमी, ओप्पो, मोटोरोला, रियलमी, नथिंग, वनप्लस, पोको, इंफिनिक्स और अन्य ब्रांड के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि चारों आरोपी पहले भी कई गंभीर आपराधिक मामलों में शामिल रह चुके हैं, जिनमें हत्या का एक मामला भी शामिल है। दिल्ली पुलिस ने इस कार्रवाई के जरिए सेंट्रल, नॉर्थ, ईस्ट, वेस्ट, नॉर्थ-ईस्ट और शाहदरा जिलों से जुड़े कुल 42 मामलों को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि इस संगठित गिरोह के अन्य सदस्यों और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए आगे की जांच जारी है।

दिल्ली के आउटर इलाकों से 9 जुआरी पकड़े गए, हजारों रुपए कैश बरामद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के आउटर जिला पुलिस ने संगठित अपराध और अवैध जुए के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग इलाकों से 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में हजारों रुपए नकद और जुए से जुड़ा सामान बरामद किया गया। पुलिस ने दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत कुल 5 मामले दर्ज किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आउटर जिला के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों में तैनात फील्ड स्टाफ को सतर्क और सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए थे। खास तौर पर संगठित अपराध, अवैध सट्टा और जुआ गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया था। इसी सतर्कता का नतीजा यह कार्रवाई है। इसी कड़ी में 28 दिसंबर को राज पार्क थाने के हेड कॉन्स्टेबल प्रेम और हेड कॉन्स्टेबल योगेश रात में गश्त पर थे। इसी दौरान उन्हें मंगोलपुरी के नवरिया पार्क में अवैध जुए की सूचना मिली। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, लेकिन तत्परता दिखाते हुए दो लोगों को मौके पर ही दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान हजारों रुपए नकद और जुए से जुड़ा सामान बरामद हुआ। इस मामले में एफआईआर संख्या 699/2025 के तहत केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उसी दिन दूसरे ऑपरेशन में हेड कॉन्स्टेबल प्रमोद और कॉन्स्टेबल राजेंद्र गश्त के दौरान एफ-ब्लॉक पार्क, मस्जिद के पास पहुंचे, जहां कुछ लोग जुए में लिप्त थे। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगे, लेकिन दो आरोपियों को पकड़ लिया गया। मौके से नकद राशि और जुए का सामान मिला। एफआईआर संख्या 911/2025 दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया गया। 28 दिसंबर को ही हेड कॉन्स्टेबल सुभाष और कॉन्स्टेबल मनजीत ने एक्स-ब्लॉक, मंगोलपुरी में एक मकान के पास जुए की गतिविधि देखी। पुलिस की कार्रवाई में दो आरोपी पकड़े गए।

PUBLIC ANNOUNCEMENT

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY. THIS IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

BRANDMAN RETAIL LIMITED

Please scan this QR Code to view the DRHP

Corporate Identification Number: U52399DL2021PLC383350

Our Company was incorporated on July 07, 2021, under the name and style of 'Brandman Retail Private Limited', a private limited company under the provisions of Companies Act, pursuant to a Certificate of Incorporation issued by the Registrar of Companies. Our Company was converted into a public limited company pursuant to a resolution passed by our Shareholders at an extraordinary general meeting held on April 19, 2024, and consequently the name of our Company was changed to 'Brandman Retail Limited' and a fresh certificate of incorporation dated July 23, 2024, was issued by the Registrar of Companies, Central Processing Centre. The CIN of our Company is U52399DL2021PLC383350. For further details, please refer to ***"History and Certain Other Corporate Matters"*** beginning on page 184 of the Draft Red Herring Prospectus.

Registered Office: DPT 718-719, 7th Floor, DLF Prime Tower, Okhla Phase-1, Okhla Industrial Area Phase-I, South Delhi, New Delhi-110020, Delhi, India.
Telephone: +91 9599244949 | **Email:** compliance@brandmanretail.com | **Website:** www.brandmanretail.com
Contact Person: Sanchita Rameka, Company Secretary and Compliance Officer

PROMOTERS OF OUR COMPANY: MR. ARUN MALHOTRA, MS. KAVYA MALHOTRA AND MS. KASHIKA MALHOTRA

INITIAL PUBLIC OFFER OF UP TO 47,77,600* EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH ("EQUITY SHARES") OF BRANDMAN RETAIL LIMITED (THE "COMPANY" OR "ISSUER") AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE) FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS ("PUBLIC ISSUE") OUT OF WHICH [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹ [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE PUBLIC ISSUE LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS IS HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE PUBLIC ISSUE AND NET ISSUE WILL CONSTITUTE [●]% AND [●] % RESPECTIVELY OF THE POST- ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BRLM AND WILL BE ADVERTISED IN [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED ENGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER), [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER) AND [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED HINDI REGIONAL DAILY NEWSPAPER, HINDI BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF DELHI, WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED), AT LEAST TWO WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/ISSUE OPENING DATE WITH THE RELEVANT FINANCIAL RATIOS CALCULATED AT THE FLOOR PRICE AND THE CAP PRICE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO THE EMERGE PLATFORM OF NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED ("NSE or NSE EMERGE") FOR THE PURPOSES OF UPLOADING ON ITS WEBSITE IN ACCORDANCE WITH SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED (THE "SEBI ICDR REGULATIONS").

Subject to finalization of the Basis of Allotment.

CORRIGENDUM: NOTICE TO INVESTORS

THIS CORRIGENDUM IS WITH REFERENCE TO THE DRAFT RED HERRING PROSPECTUS DATED SEPTEMBER 06, 2025 FILED BY BRANDMAN RETAIL LIMITED IN RELATION TO THE OFFER WITH EMERGE PLATFORM OF NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED.

Attention to the Investor is drawn:

1. Under "The Revenue breakup from domestic sales and export sales" on page no. 163 for FY 2022-23 the "Domestic" revenue shall be read as ₹ 4,630.96 Lakhs (100.00%) and "Export" Revenue shall be read as NIL
2. Under "State-wise revenue bifurcation" on page no. 33, 163 and 220, Revenue from "Delhi" shall be read as ₹ 8,518.44 Lakhs (62.96%) and "Total" revenue shall be read as ₹ 11,610.78 Lakhs (85.82%) for FY 2024-25 and Revenue from "Delhi"shall be read as ₹ 9,785.60 Lakhs (79.34%) and "Total" revenue shall be read as ₹12,137.78 Lakhs (98.42%) for FY 2023-24.
3. Under "Segment-wise revenue bifurcation" on page no. 35, 163 and 219, "B2B" revenue shall be read as ₹ 2,589.40 Lakhs (55.91%) and "Export B2B" Revenue shall be read as NIL for FY 2022-23.
4. Under "Revenue bifurcation of retail stores" on page no. 164 the table shall be read as follows:

(₹ in Lakhs)

Description	For the Financial Year ended on					
	March 31, 2025		March 31, 2024		March 31, 2023	
	Consolidated		Consolidated		Standalone	
	Amount	% of Revenue from operation	Amount	% of Revenue from operation	Amount	% of Revenue from operation
EBO stores	2,680.18	19.81%	2,695.35	21.85%	1,880.90	40.62%
MBO stores	301.20	2.23%	-	-	-	-
Total	**2,981.39**	**22.04%**	**2,695.35**	**21.85%**	**1,880.90**	**40.62%**

5. Revenue bifurcation of top ten customers under "Top Ten Customers and Suppliers" the table of on page no.164 and 31 shall be read as follows:

(₹ in Lakhs)

Particulars	Financial Year 2024-25		Financial Year 2023-24		Financial Year 2022-23	
	Consolidated		Consolidated		Standalone	
	Amount	% of Revenue	Amount	% of Revenue	Amount	% of Revenue
Top One Customer	5,854.71	43.27%	6,325.89	51.29%	1,340.37	28.94%
Top Three Customers	8,181.69	60.47%	6,936.50	56.24%	1,719.84	37.14%
Top Five Customers	8,835.71	65.31%	7,046.87	57.14%	1,883.62	40.67%
Top Ten Customers	9,377.56	69.31%	7,210.67	58.47%	2,105.25	45.46%

6. Table of Purchases bifurcation from top ten suppliers under "Top Ten Customers and Suppliers" the on page no.164 and 32 shall be read as follows:

(₹ in Lakhs)

Particulars	Financial Year 2024-25		Financial Year 2023-24		Financial Year 2022-23	
	Consolidated		Consolidated		Standalone	
	Amount	% of Total Purchases	Amount	% of Total Purchases	Amount	% of Total Purchases
Top One Supplier	2,564.30	45.14%	2,332.56	32.39%	3,317.90	68.34%
Top Three Suppliers	3,688.55	64.93%	4,767.68	66.21%	4,435.04	91.36%
Top Five Suppliers	4,414.53	77.71%	5,489.58	76.23%	4,603.72	94.83%
Top Ten Suppliers	5,055.62	89.00%	5,533.71	76.85%	4,615.32	95.07%

7. Under "Our Promoter Group" on page no. 208, the name of "Sister" of "Arun Malhotra" shall be read as "Alka Ajay Vijan".
8. Under "Summary of Issue Document" on page no. 28, the name "promoter "shall be read as "Arun Malhotra"
9. On page 103, under the section titled "Working Capital Requirement and Basis of Estimation for Working Capital Requirements for Existing Exclusive Brand Outlets (EBOs) / Multi-Brand Outlets (MBOs)", as on March 31, 2023, the amount appearing under Other Current Liabilities shall be read as ₹1,757.32 lakhs, and the Total Current Liabilities shall be read as ₹3,466.48 lakhs. Based on these revised amounts, the Net Working Capital (I - II) as on March 31, 2023 shall be read as negative ₹471.28 lakhs. Further, as on March 31, 2024, the amount appearing under Other Current Liabilities shall be read as ₹199.60 lakhs, and the Total Current Liabilities shall be read as ₹2,801.67 lakhs, with the Net Working Capital (I - II) being ₹280.38 lakhs. The Funding Pattern shall be read to reflect that there were no short-term borrowings as on March 31, 2023, whereas short-term borrowings of ₹280.38 lakhs were outstanding as on March 31, 2024.
10. Under "Working Capital Requirement and basis of estimation for Working Capital Requirements for Existing Exclusive Brand Outlets (EBOs) / Multi-Brand Outlets (MBOs)", Assumption on working capital requirement shall be read as follows

(In Days)

Particulars	31-Mar-23	31-Mar-24	31-Mar-25	31-Mar-26	31-Mar-27
Sundry Debtors Holding Period	30	15	57	52	9
Sundry Creditors Holding Period	78	102	183	135	52
Inventory Holding Period	190	124	157	171	165

11. Under "Working Capital Requirement and basis of estimation for Working Capital Requirements for Existing Exclusive Brand Outlets (EBOs) / Multi-Brand Outlets (MBOs)", Justification for Holding Period shall be read as follows:

Particulars	Details
Sundry Debtors	**1. Decrease from 30 days (FY 2022-23) to 15 days (FY 2023-24):** The Sundry Debtors Holding Period decreased from 30 days in FY 2022-23 to 15 days in FY 2023-24, representing a reduction of 15 days. This significant decrease in the receivable holding period is primarily attributable to an improvement in the company's receivables collection efficiency, as indicated by a substantial drop in the average trade receivables despite a marked increase in net sales during FY 2023-24. The company's higher sales volume and enhanced collection processes, resulted in a faster conversion of receivables into cash, thereby reducing the time funds were tied up in accounts receivable. **2. Increase from 15 days (FY 2023-24) to 57 days (FY 2024-25):** The Sundry Debtors Holding Period increased from 15 days in FY 2023–24 to 57 days in FY 2024–25, reflecting an increase of 42 days. This substantial increase in the receivable cycle is primarily attributable to the significant rise of ₹3,223.26 lakhs in trade receivables during FY 2024–25, which outpaced the growth in net sales. The increase in trade receivables is mainly driven by the higher volume of B2B sales during the year. **3. Decrease from 57 days (FY 2024-25) to 52 days (FY 2025-26):** The Sundry Debtors Holding Period decreased from 57 days in FY 2024–25 to 52 days in FY 2025–26, reflecting a reduction of 5 days. This improvement in the receivable cycle is primarily attributable to the company's higher sales volume and enhanced collection processes, resulted in a faster conversion of receivables into cash, thereby reducing the time funds were tied up in accounts receivable. **4. Decrease from 52 days (FY 2025-26) to 9 days (FY 2026-27):** The Sundry Debtors Holding Period decreased significantly from 52 days in FY 2025–26 to 9 days in FY 2026–27, reflecting a reduction of 43 days. This substantial improvement in the receivable cycle is primarily attributable to the increase in cash sales resulting from the opening of new retail stores during FY 2026–27, thereby reducing the overall debtor levels.
Sundry Creditors	**1. Increase from 78 days (FY 2022-23) to 102 days (FY 2023-24):** The Sundry Creditors Holding Period increased from 78 days in FY 2022-23 to 102 days in FY 2023-24, representing an extension of 24 days. This notable increase in the payable holding period is primarily attributable to the rise in average trade payables compared to the increase in credit purchases, suggesting that the company took longer to settle its supplier obligations during FY 2023-24. **2. Increase from 102 days (FY 2023-24) to 183 days (FY 2024-25):** The Sundry Creditors Holding Period increased from 102 days in FY 2023-24 to 183 days in FY 2024-25, representing a jump of 81 days. This substantial rise in the payable holding period is primarily due to the significant increase in average trade payables compared to the decline in credit purchases during FY 2024-25 due to existing inventory. **3. Decrease from 183 days (FY 2024-25) to 135 days (FY 2025-26):** The Sundry Creditors Holding Period decreased from 183 days in FY 2024–25 to 135 days in FY 2025–26, reflecting a reduction of 49 days. This decline in the payable holding period is primarily attributable to decline in average trade payable. The decrease in trade payables is further explained by the settlement of outstanding payables using the IPO proceeds. **4. Decrease from 135 days (FY 2025-26) to 52 days (FY2026-27):** The Sundry Creditors Holding Period decreased from 135 days in FY 2025–26 to 52 days in FY 2026–27, representing a reduction of 83 days. This sharp decline in the payable holding period is primarily attributable to a significant contraction in average trade payables relative to the substantial increase in the cost of goods sold (COGS) during FY 2026–27. The decrease in trade payables is further explained by the settlement of outstanding payables using the IPO proceeds.
Inventories	**1. Decrease from 190 days (FY 2022-23) to 124 days (FY 2023-24):** The Inventory Holding Period decreased from 190 days in FY 2022-23 to 124 days in FY 2023-24, representing a reduction of 66 days. This considerable improvement is primarily attributable to a sharp increase in cost of goods sold (COGS) during FY 2023- 24, while average inventory levels remained stable. The decrease is likely driven by enhanced inventory management practices, improved sales velocity, and optimized stock turnover, all of which contributed to more efficient conversion of inventory into revenue and reduced days inventory outstanding. **2. Increase from 124 days (FY 2023-24) to 157 days (FY 2024-25):** The Inventory Holding Period increased from 124 days in FY 2023-24 to 157 days in FY 2024-25, representing a rise of 33 days. This increase in the inventory holding period is mainly attributable to a decline in cost of goods sold (COGS) during FY 2024-25while average inventory levels remained nearly flat compared to the previous year. The slower inventory turnover may have resulted from accumulation of stock in anticipation of future demand, leading to a longer duration for which inventory was held before being converted into revenue. **3. Increase from 157 days (FY 2024-25) to 171 days (FY 2025-26):** The Inventory Holding Period increased from 157 days in FY 2024-25 to 171 days in FY 2025-26, representing a rise of 14 days. This increase is mainly attributable to a significant buildup in average inventory during FY 2025-26, while the cost of goods sold (COGS) grew at a slower rate. The significant buildup in average inventory is due to proposed launch of 3 new retail stores during FY 2025-26. **4. Decrease from 171 days (FY 2025-26) to 165 days (FY 2026-27):** The Inventory Holding Period decreased from 171 days in FY 2025-26 to 165 days in FY 2026-27, representing a reduction of 6 days. This improvement is primarily attributable to a significant increase in Cost of Goods Sold (COGS) during FY 2026-27, while average inventory levels increased proportionately to support retail network expansion. The decrease in holding period, despite higher absolute inventory levels, is driven by enhanced inventory management practices, improved sales velocity across the expanded store network, and optimized stock turnover, all of which contributed to more efficient conversion of inventory into revenue and reduced days inventory outstanding.

12. Under "Changes in Cash Flows" on page no. 234 the Net cash (used in)/ generated from operating Activities for the Financial Year ended on March 31, 2025 shall be read as ₹(69.49) Lakhs and March 31, 2024 shall be read as ₹ 168.08 Lakhs.
13. Under Chapter titled ***"Other Regulatory and Statutory Disclosures"*** on page no. 253, the Free cash Flow from Equity (FCFE) table shall be read as follows:

Particulars	For Financial Year ended on		
	March 31, 2025	March 31, 2024	March 31, 2023
	Consolidated	Consolidated	Standalone
Net Cash Flow Operations (A)	(69.49)	168.08	(129.84)
Less: Purchase of Fixed Assets (net of sale proceeds of fixed assets) (B)	(261.56)	(318.95)	(40.67)
Add- Net Total Borrowings (net of repayment) (C)	833.74	187.91	164.93
Less- Interest Expense (D)*	(76.31)	(15.46)	(0.62)
Free Cash Flow to Equity (A+B+C+D)	**426.38**	**21.58**	**(6.19)**

14. Under Chapter titled ***"Risk Factor"*** on page no. 31, Risk Factor 2, Paragraph 2 shall be read as: The Financial Statements of our Company for Financial Years ended on March 31, 2023 have been audited by KNA Associates, Chartered Accountants who were the Statutory Auditor of our Company for the said period.
15. Under Chapter titled ***"Object of the Issue"*** on page no. 98, The Objects of the Issue point 2. "Funding Capital Expenditure to renovate the Leased Outlet" shall be removed and point 2 Working Capital Requirements for New EBOs and MBOs and point 3 Working Capital Requirements for Existing EBOs and MBOs shall be added.
16. The financial figures in the entire DRHP for FY 2022-23 shall be considered on Standalone basis, and financial figures for FY 2023-24 and FY 2024-25 shall be considered on a Consolidated basis.
17. Under "Region-wise break up of our Revenues" on page no. 220 the table shall be read as follows:

(₹ in Lakhs)

Particulars	For the Financial Year ended on					
	March 31, 2025		March 31, 2024		March 31, 2023	
	Consolidated		Consolidated		Standalone	
	Amount	% of Total Turnover	Amount	% of Total Turnover	Amount	% of Total Turnover
Western	349.61	2.58%	321.93	2.61%	227.14	4.90%
Northen	11,244.44	83.11%	11,805.85	95.72%	4,403.82	95.10%
South	16.73	0.12%	10.00	0.08%	-	-
Total	**11,610.78**	**85.82%**	**12,137.78**	**98.42%**	**4,630.96**	**100.00%**

18. The Return on Capital Employed (RoCE) on page no. 25, 110, 112, 265 and 221 shall be read as follows.

Ratios	31-03-2025	31-03-2024	31-03-2023
	Consolidated	Consolidated	Standalone
Return on Capital Employed (RoCE)	75.08%	93.22%	28.03%

19. The Return on Net Worth on page no. 109 for Redtape Limited shall be read as 21.55%, and Return on Equity & Return on Capital Employed (RoCE) shall be read as:

Particulars	Redtape Limited			Bata India Limited		
	March 31, 2025	March 31, 2024	March 31, 2023	March 31, 2025	March 31, 2024	March 31, 2023
RoE (%)	23.66%	31.33%	34.98%	21.32%	17.71%	19.86%
RoCE (%)	24.58%	33.19%	36.37%	27.41%	33.31%	37.38%

For BRANDMAN RETAIL LIMITED
Sd/-
Arun Malhotra
Managing Director
DIN: 01392489

Date: December 29, 2025
Place: Delhi

Disclaimer: Brandman Retail Limited is proposing, subject to market conditions and other considerations, public issue of its Equity Shares and has filed the Draft Red Herring Prospectus with the Emerge Platform of National Stock Exchange of India Limited on September 06, 2025. The Draft Red Herring Prospectus is available on the website of the Book Running Lead Manager at www.gretexcorporate.com the website of the NSE i.e. www.nseindia.com, and website of our Company at www.brandmanretail.com. Investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk. For details, investors should refer to and rely on the Draft Red Herring Prospectus, including the section titled ***"Risk Factors"*** of the Draft Red Herring Prospectus, which has been filed with ROC. The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act ("the Securities Act") or any state securities laws in United States and may not be issued or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, "U.S, persons" (as defined in Regulations under the securities Act), except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act of 1933.

AdBaaz

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 31 दिसंबर, 2025

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-एनसीआर में नोएडा, ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे खराब

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर में नोएडा और ग्रेटर नोएडा की हवा मंगलवार को सर्वाधिक प्रदूषित रही। दोपहर 12 बजे यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 के पार दर्ज किया गया, जबकि दिल्ली का एक्यूआई 398 के स्तर पर था। एक्यूआई वेबसाइट के मुताबिक ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 458, नोएडा का 456, दिल्ली का एक्यूआई 398, फरीदाबाद का 397 और गुरुग्राम का 329 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली के पूर्वी क्षेत्रों में आनंद विहार और उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में अशोक विहार में सबसे अधिक एक्यूआई दर्ज किया गया। इन दोनों इलाकों का एक्यूआई 450-450 दर्ज की गयी। विवेक विहार और वजीरपुर का एक्यूआई 446-446 दर्ज किया गया। जहांगीरपुरी का एक्यूआई 400 दर्ज किया गया। चांदनी चौक का 432, द्वारका सेक्टर-8 का 416, सिरीफोर्ट 415, आईटीओ 410 और जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम का एक्यूआई 408 दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि आज दिल्ली-एनसीआर का मौसम लगभग सामान्य रहने के आसार हैं। यहां सुबह से ही पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर हवा की गति तेज रहने की चेतावनी दी गयी है। शाम में हवा की रफ्तार कुछ कम हो जाएगी लेकिन फिर भी शीत लहर का अनुभव कराएगी। अगले दिन यानी 31 दिसंबर को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहने और सुबह के समय कहीं-कहीं पर हल्का कोहरा तथा कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं। बुधवार को यहां का अधिकतम तापमान 23-25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7-9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ में शीत लहर के आसार हैं।

नए साल से पहले अलर्ट मोड में पुलिस, कृष्णा नगर के लाल क्वार्टर में मॉक ड्रिल

नई दिल्ली। नए साल के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को परखने और आपात हालात से निपटने की तैयारी के तहत शाहदरा जिले के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत लाल क्वार्टर इलाके में मंगलवार को एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य त्योहारों के दौरान किसी भी संदिग्ध स्थिति से निपटने में पुलिस और अन्य एजेंसियों की तत्परता को जांचना था। मॉक ड्रिल के अनुसार, दोपहर 12:18 बजे फायर विभाग को सूचना दी गई, जबकि 12:21 बजे कृष्णा नगर थाने को कॉल मिली कि लाल क्वार्टर इलाके में एक दुकान के पास काफी देर से एक लावारिस बैग पड़ा हुआ है। सूचना में यह भी बताया गया कि बैग से तार बाहर निकल रहे हैं, जिससे उसमें बम होने की आशंका जताई गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने बिना देरी किए इलाके को सुरक्षित किया और तुरंत संबंधित एजेंसियों को अलर्ट किया गया। कुछ ही मिनटों में कृष्णा नगर थाने की टीम, गांधी नगर डिवीजन के एसीपी, फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड मौके पर पहुंच गए। पूरे इलाके की घेराबंदी कर आम लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा गया। सभी एजेंसियों ने आपसी तालमेल के साथ जांच प्रक्रिया शुरू की। बम स्क्वायड ने संदिग्ध बैग की गहन जांच की, वहीं डॉग स्क्वायड ने आसपास के क्षेत्र को खंगाला।

आवारा कुत्तों के नाम पर झूठ फैला रही आम आदमी पार्टी : सूद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पार्टी राजधानी में आवारा कुत्तों की गिनती के नाम पर शिक्षकों को लगाए जाने का झूठा प्रचार कर रही है। उन्होंने इस आरोप को पूरी तरह बेबुनियाद बताते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी जानबूझकर भ्रम फैलाने और समाज में गलत संदेश देने का काम कर रही है। मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सोमवार को सोशल मीडिया पर एक संगठित अभियान चलाया गया, जिसमें यह दावा किया गया कि दिल्ली के शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती के कार्य में लगाया गया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसा कोई आदेश, परिपत्र या निर्देश जारी नहीं किया गया है और यह पूरी तरह झूठा प्रचार है। आशीष सूद ने आम आदमी पार्टी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती में लगाए जाने से संबंधित कोई भी आधिकारिक आदेश या सर्कुलर मौजूद है, तो उसे तुरंत जनता के सामने रखा जाए। यदि ऐसा कोई दस्तावेज नहीं है, तो आम आदमी पार्टी को दिल्ली की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि तथाकथित राष्ट्रीय नेता और स्वयं को बेरोजगार नेता कहने वाले लोग जानबूझकर दिल्ली के सामाजिक ताने-बाने को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि केवल झूठ बोलकर और फिर जिम्मेदारी से बचकर भाग जाना राजनीति को बचाने का तरीका नहीं हो सकता। प्रेस वार्ता में आशीष सूद ने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी ने यह तक झूठ फैलाया कि यदि कोई बच्चा स्कूल में सांता क्लॉज बनकर आएगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने न तो शिक्षा के क्षेत्र में कोई ठोस कार्य किया और न ही प्रशासनिक स्तर पर दिल्ली के विकास के लिए कोई मजबूत कदम उठाया। उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी का तथाकथित शिक्षा मॉडल अब जनता के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। दिल्ली की जनता ने उनके दावों को नकार दिया है। चुनावों में उनके शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री की हार इस बात का प्रमाण है कि जनता अब झूठ और शोर की राजनीति को स्वीकार नहीं कर रही है। आशीष सूद ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी केवल आरोप-प्रत्यारोप और भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि जब रेखा गुप्ता सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, तब आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचारियों के पक्ष में खड़ी नजर आती है। यह सवाल उठता है कि आखिर पार्टी को भ्रष्टाचारियों से इतना प्रेम क्यों है। अंत में शिक्षा मंत्री ने आम आदमी पार्टी की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दोहराया कि यदि शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती में लगाए जाने से जुड़ा कोई प्रमाण है तो उसे सामने लाए, अन्यथा दिल्ली की जनता से माफी मांगे।

दिल्ली पुलिस के ऑपरेशन मिलाप की बड़ी सफलता, लापता नाबालिग को परिजनों से मिलाया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ऑपरेशन मिलाप के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 14 वर्षीय लापता नाबालिग लड़की को सुरक्षित ट्रेस कर उसके परिजनों से मिलवाया है। यह नाबालिग बच्ची 17 दिसंबर से हरियाणा के गुरुग्राम स्थित थाना राजेंद्र पार्क क्षेत्र से लापता थी। क्राइम ब्रांच, दिल्ली के एनआर-2 यूनिट की टीम ने तकनीकी विश्लेषण और समन्वित प्रयासों के जरिए इस मामले को सुलझाया। क्राइम ब्रांच द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उन बच्चों और महिलाओं को तलाशा जाता है जो किसी कारणवश अपने परिवार से बिछड़ गए हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस नोट में बताया गया कि 17 दिसंबर को गुरुग्राम के थाना राजेंद्र पार्क में एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के अपहरण/लापता होने की सूचना दर्ज कराई गई थी। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। बच्ची उसी दिन से लापता थी, जिसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई थी। एनआर-2, क्राइम ब्रांच की महिला हेड कांस्टेबल सीमा रानी ने इस मामले पर गहनता से काम शुरू किया। उन्होंने लापता, अपहृत और अज्ञात व्यक्तियों से संबंधित डाटाबेस का विश्लेषण किया। जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई कि दिल्ली के थाना आईजीआई डोमेस्टिक एयरपोर्ट क्षेत्र में 10 से 14 वर्ष की उम्र की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली थी। लड़की ने अपना नाम बताया, लेकिन वह अपना पता बताने में असमर्थ थी। इसके बाद आईजीआई एयरपोर्ट थाने के स्टाफ ने उसे शाहदरा स्थित उड़ान चिल्ड्रन होम में सुरक्षित रखवाया था। महिला हेड कांस्टेबल सीमा रानी ने लापता और अपहृत लड़कियों के डाटाबेस में खोजबीन की, जिसमें उन्हें वही नाम और हुलिया वाली एक नाबालिग लड़की गुरुग्राम के थाना राजेंद्र पार्क में दर्ज मामले से मेल खाती हुई मिली। दोनों पुलिस थानों, थाना आईजीआई डोमेस्टिक एयरपोर्ट, दिल्ली और थाना राजेंद्र पार्क, गुरुग्राम, के जांच अधिकारियों के बीच फोटो का आपसी सत्यापन किया गया, जिसमें यह पुष्टि हो गई कि दोनों मामलों की लड़की एक ही है। इसके बाद दोनों जांच अधिकारियों को फोन और आधिकारिक ईमेल के माध्यम से सूचित किया गया। सत्यापन के बाद हरियाणा पुलिस के जांच अधिकारी ने नाबालिग लड़की की कस्टडी ली और उसे सुरक्षित रूप से परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया पूरी की। आगे की कानूनी कार्रवाई हरियाणा पुलिस द्वारा की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में महिला हेड कांस्टेबल की तत्परता और मेहनत की सराहना की गई है। यह अभियान इंस्पेक्टर संदीप तुषिर की निगरानी और एसीपी गिरिश कौशिक के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। अधिकारियों ने कहा कि टीम की प्रतिबद्धता, निरंतर प्रयास और प्रभावी फील्ड वर्क क्राइम ब्रांच की पेशेवर कार्यशैली को दर्शाता है, खासकर बच्चों जैसे संवेदनशील वर्ग की सुरक्षा और कल्याण के प्रति।

22.7 लाख की साइबर ठगी का भंडाफोड़, फर्जी शेयर ट्रेडिंग ऐप से डॉक्टर को बनाया शिकार, हरियाणा से दो आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण/मनोज जैन

शाहदरा। दिल्ली एनसीआर में साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए शाहदरा साइबर पुलिस ने फर्जी शेयर ट्रेडिंग ऐप के जरिए 22.70 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। ठगों ने व्हाट्सऐप ग्रुप के जरिए खुद को शेयर बाजार का विशेषज्ञ बताकर एक डॉक्टर को निवेश के जाल में फंसाया और लाखों रुपये ठग लिए। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि पीड़िता को एक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां शेयर बाजार में भारी मुनाफे का लालच दिया गया। ग्रुप के एडमिन ने अपनी निजी ट्रेडिंग ऐप के जरिए निवेश कराने को कहा। शुरूआत में छोटी रकम पर फर्जी मुनाफा दिखाकर भरोसा बनाया गया और बाद में लगातार ज्यादा निवेश के लिए दबाव डाला गया। जब पीड़िता ने पैसे निकालने की कोशिश की तो उसे ऐप और ग्रुप से ब्लॉक कर दिया गया। डीसीपी प्रशांत गौतम के अनुसार मामले की जांच के लिए इंस्पेक्टर श्वेता शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई, जिसमें हेड कांस्टेबल जावेद, दीपक और नरेंद्र शामिल थे। पूरी कार्रवाई साइबर थाना प्रभारी विजय कुमार की अगुवाई में की गई, जबकि एसीपी मोहिंदर सिंह द्वारा पूरे ऑपरेशन की निगरानी की गई। बैंक खातों और डिजिटल ट्रांजैक्शन की गहन जांच के बाद पुलिस टीम हरियाणा के हिसार पहुंची। वहां से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी साइबर ठगों को अपने नाम पर खोले गए कई बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। हर खाते के बदले उन्हें चार हजार रुपये दिए जाते थे। इन खातों का इस्तेमाल ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनके कब्जे से दो मोबाइल फोन और तीन सिम कार्ड बरामद किए गए हैं, जिन्हें जांच में शामिल कर लिया गया है। डीसीपी प्रशांत गौतम ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया, व्हाट्सऐप या टेलीग्राम पर मिलने वाले निवेश के किसी भी लालच में न आएं, अनजान ऐप डाउनलोड न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत साइबर पुलिस को सूचना दें।

पालतू कुत्ते के काटने को लेकर दो पड़ोसी पक्षों में विवाद, पुलिस ने कराया मेडिकल परीक्षण

प्रात : किरण/मनोज जैन

शाहदरा । थाना गीता कॉलोनी क्षेत्र में पालतू कुत्ते के काटने की घटना को लेकर दो पड़ोसी पक्षों के बीच विवाद हो गया। घटना 29/30 दिसंबर की मध्यरात्रि की है, जब रात करीब 11:03 बजे पीसीआर को डॉग बाइट की सूचना मिली। कॉल करने वाले रिजवान उर्फ राजू, निवासी रानी गार्डन ने बताया कि उनके पड़ोसी नीलम सिंगल के पालतू कुत्ते ने उनके नौकर सार्थक नेगी को काट लिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। कहासुनी के दौरान नीलम सिंगल, उनकी 17 वर्षीय बेटी, रिजवान और उनकी मां आमने-सामने आ गए। आरोप है कि कुछ समय बाद नीलम सिंगल ने अपने कई परिचितों को मौके पर बुला लिया, जिससे विवाद और बढ़ गया और झगड़े की स्थिति बन गई। हालात बिगड़ते देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम ने बताया कि प्राथमिक जांच में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट कर घायल करने के आरोप लगाए हैं, लेकिन मौके पर किसी भी व्यक्ति के शरीर पर स्पष्ट या गंभीर चोट के निशान नहीं पाए गए। एहतियातन सभी संबंधित लोगों को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा गया है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार फिलहाल इलाके में शांति व्यवस्था बनी हुई है और स्थिति पूरी तरह सामान्य है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सीएजी रिपोर्टों में पाई अनियमितताओं के खिलाफ अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं की मुख्यमंत्री ने : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा की रेखा सरकार एक बार फिर आगामी विधानसभा सत्र को आरोप प्रत्यारोप की राजनीति की भेट चढ़ाकर अपनी नाकामियों से बचने की फिराक में है। यह बात बिल्कुल साफ है कि आम आदमी पार्टी ने अपने पिछले 11 वर्षों के कार्यकाल में दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बर्बाद करके केवल घोटाले किए हैं। भाजपा सरकार को भी जनता के सामने यह रखना चाहिए कि उन्होंने दमघोटू प्रदूषण, यमुना सफाई, डीटीसी बसों की संख्या बढ़ाने, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल, खस्ताहाल सड़कों को लेकर क्यों कुछ नहीं किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा पिछले 10 महीनों से चुनाव में किए सभी वादों और दावों पर भागती नजर आई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार की भ्रष्टाचार पर आई 14 सीएजी रिपोर्टों में पाई अनियमितताओं के खिलाफ कार्यवाही आज तक क्यों नही की। अगर पहले सत्र में ही कार्यवाही की होती तो राजस्व के करोड़ों का नुकसान करने वालों को सजा मिल सकती। शराब घोटाला, शिक्षा घोटाला, स्वास्थ्य घोटाला, अस्पतालों के निर्माण में देरी से करोड़ों की लागत बढ़ना, शीशमहल, नालों और सीवर की सफाई का घोटाला, डीटीसी घाटा, दिल्ली जल बोर्ड के 1600 करोड़ के भ्रष्टाचार आदि मामलों की रिपोर्ट को पटल पर रखकर बिना पक्षपात के दोषियों के खिलाफ जांच करके कड़ी कार्यवाही की जाए। मैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से पूछना चाहता हूं कि पांच जनवरी से होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रदूषण का 20 सालों का लेखा जोखा रखने का औचित्य क्या है जब पिछले 10 महीनों में दिल्ली सरकार प्रदूषण नियंत्रण पर लाचार अवस्था दिखाने के अलावा कुछ भी नही कर पाई है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने 11 वर्षों के शासन में प्रदूषण नियंत्रण पर कुछ नही किया, यह सत्य दिल्ली वालों के सामने है, लेकिन बड़े-बड़े वादे और दावे करने के बावजूद भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने भी प्रदूषण नियंत्रण पर सिर्फ पल्ला झाड़कर गुमराह किया है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली विधानसभा के पांच जनवरी से शुरू होने वाले सत्र की शुरूआत भाजपा सरकार यह बताते हुए करे कि राजधानी के दमघोटू खतरनाक प्रदूषण को नियंत्रण करने वे कामयाब क्यों नहीं हुए और प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर उन्होंने कितना राजस्व अर्थात जनता की गाढ़ी कमाई के कितने करोड़ रुपए बर्बाद किए।

शाहदरा में हाई अलर्ट, कृष्णा नगर मार्केट में मॉक ड्रिल से परखी गई सुरक्षा व्यवस्था

- लावारिस बैग की सूचना पर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

प्रात : किरण/मनोज जैन

शाहदरा जिले में आगामी त्योहारों और 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम के निदेर्शानुसार जिले के सभी थाना क्षेत्रों में लगातार मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तैयारी, प्रतिक्रिया समय और आपसी समन्वय को प्रभावी ढंग से परखा जा सके। इसी क्रम में आज थाना कृष्णा नगर क्षेत्र के अंतर्गत लाल क्वार्टर, कृष्णा नगर मार्केट में उस समय हड़कंप मच गया, जब दिन में लगभग 12:35 बजे रघुनाथ मंदिर रोड स्थित बाजार में एक लावारिस बैग मिलने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना कृष्णा नगर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके को सुरक्षित कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांधी नगर डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त अरविंद सागर नेगी स्वयं मौके पर पहुंचे और पूरे मॉक ड्रिल की निगरानी की। उनके साथ थाना कृष्णा नगर के एसएचओ मुकेश राणा, अतिरिक्त एसएचओ अर्जुन सिंह तथा थाना का समस्त पुलिस बल तैनात रहा। सुरक्षा मानकों के तहत क्षेत्र की घेराबंदी कर आम नागरिकों को सुरक्षित दूरी पर रखा गया। मॉक ड्रिल के दौरान फायर ब्रिगेड, बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता सहित सभी संबंधित विभागों ने आपसी तालमेल के साथ कार्रवाई की। वहीं ट्रैफिक पुलिस ने भीड़ और यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करते हुए अहम भूमिका निभाई। इस दौरान एएसआई निरंजन, एएसआई धर्मराज, हेड कांस्टेबल सुभाष और हेड कांस्टेबल राकेश की तैनाती में यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई एक योजनाबद्ध मॉक ड्रिल थी, जिसका उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन की तत्परता को और अधिक मजबूत करना है।

दिल्ली मेट्रो में वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगजनों को किराया छूट मिले : पार्षद

प्रात : किरण/मनोज जैन

दिल्ली। राजधानी दिल्ली की जीवनरेखा कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो में वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को विशेष किराया छूट अथवा रियायती यात्रा पास उपलब्ध कराए जाने की माँग उठी है। सहयोग दिल्ली के अध्यक्ष एवं मनोनीत नगर निगम पार्षद मनोज कुमार जैन ने इस संबंध में दिल्ली मेट्रो रेल निगम से सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है। मनोज कुमार जैन ने कहा कि भारत सरकार और दिल्ली सरकार की संयुक्त सहभागिता से संचालित दिल्ली मेट्रो प्रतिदिन लाखों नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजनक और विश्वसनीय परिवहन सेवा प्रदान कर रही है। ऐसे में वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन बड़ी संख्या में दैनिक यात्रा के लिए मेट्रो सेवा पर निर्भर हैं। उन्होंने बताया कि सीमित आय, बढ़ती महंगाई और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के कारण इन वर्गों के लिए नियमित यात्रा का खर्च वहन करना लगातार कठिन होता जा रहा है। यदि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को विशेष किराया छूट या रियायती यात्रा पास की सुविधा दी जाती है, तो इससे उनकी आर्थिक कठिनाइयाँ कम होंगी और वे अधिक सम्मान एवं सुविधा के साथ सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर सकेंगे। पार्षद मनोज कुमार जैन ने कहा कि यह निर्णय सामाजिक संवेदनशीलता, समावेशी विकास और जनकल्याण की भावना को मजबूत करेगा। साथ ही इससे दिल्ली मेट्रो एक आदर्श एवं जनहितैषी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के रूप में और अधिक सशक्त होगी। इस संबंध में उन्होंने दिल्ली मेट्रो रेल निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को पत्र लिखकर इस माँग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का अनुरोध किया है। इसके अतिरिक्त, इस विषय से संबंधित पत्र की प्रतिलिपि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को भी प्रेषित की गई है। मनोज कुमार जैन ने आशा व्यक्त की कि सरकार और दिल्ली मेट्रो रेल निगम इस जनहितकारी सुझाव पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे और शीघ्र वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगजनों के हित में ठोस निर्णय लिया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने सीआरपीएफ की 103वीं बटालियन के जवानों से किया संवाद, आंतरिक सुरक्षा में उनकी भूमिका की सराहना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। देश के सबसे चुनौतीपूर्ण सुरक्षा परिवेश में कार्य करते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान अनुशासन, साहस और अडिग पेशेवर प्रतिबद्धता का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। वे भारत की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ हैं। यह विचार दिल्ली विधान सभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली विधान सभा में सीआरपीएफ की 103वीं बटालियन के जवानों एवं अधिकारियों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। इस अवसर पर जवानों के परिवारजन एवं बच्चे, 103वीं बटालियन के उप कमांडेंट, सहायक कमांडेंट एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने देशभर में आंतरिक सुरक्षा एवं सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में सीआरपीएफ की ऐतिहासिक और निरंतर भूमिका की सराहना की। उन्होंने उग्रवाद और आतंकवाद के विरुद्ध अभियानों, वामपंथी उग्रवाद से निपटने, चुनावों के दौरान सुरक्षा प्रबंध, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों एवं गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षा तथा प्राकृतिक आपदाओ के समय नागरिक प्रशासन की सहायता में बल के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सीआरपीएफ की भागीदारी का भी उल्लेख करते हुए वैश्विक शांति एवं स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर किया। विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में सेवा दे चुके सीआरपीएफ कर्मियों के योगदान को सराहा और कठिन परिस्थितियों में उनके समर्पण, साहस एवं पेशेवर दक्षता की प्रशंसा की। जवानों एवं अधिकारियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने बताया कि इस संस्था की स्थापना 1911 से जुड़ी है, जब तृतीय दिल्ली दरबार के अवसर पर किंग जॉर्ज पंचम द्वारा राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा कि बीते 113 वर्षों में विधानसभा ने एक लंबी यात्रा तय की है, जिसमें औपनिवेशिक काल के दौरान गोपाल कृष्ण गोखले और लाला लाजपत राय जैसे राष्ट्रवादी नेताओं ने विधायी मंचों से भारतीय हितों की आवाज उठाई। उन्होंने रॉलेट एक्ट, 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड तथा प्रथम विश्व युद्ध में भारत के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि विधानसभा का केंद्रीय कक्ष कई ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी रहा है, जिनमें 1923 में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह और 1925 में महत्वपूर्ण विधानों का पारित होना शामिल है। यद्यपि 1927 में नए संसद भवन के पूर्ण होने के बाद विधायी कार्यवाहियां स्थानांतरित हो गईं, फिर भी दिल्ली विधान सभा भारत की लोकतांत्रिक विरासत और संवैधानिक यात्रा का जीवंत प्रतीक बनी हुई है। कार्यक्रम के अंतर्गत जवानों एवं अधिकारियों को विधानसभा भवन का भ्रमण भी कराया गया, जिसमें उन्हें सदन की कार्यप्रणाली, परंपराओं और संसदीय विरासत से अवगत कराया गया। सीआरपीएफ कर्मियों के परिवारजन एवं बच्चों ने भी इस भ्रमण में भाग लिया और दिल्ली विधान सभा की 113 वर्ष पुरानी विधायी परंपरा तथा भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में उसकी भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त की।

अंत में विजेन्द्र गुप्ता ने सीआरपीएफ के जवानों एवं अधिकारियों के प्रति राष्ट्रसेवा के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और आंतरिक सुरक्षा की रक्षा में उनके सतत योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं।

दिल्ली में कोहरे के कारण 115 से अधिक उड़ानें रद्द, 16 डायवर्ट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण मंगलवार को 115 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं और 16 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह नौ बजे तक विभिन्न एयरलाइंस की यहां से जाने वाली 58 उड़ानें रद्द रहीं। इसके अलावा, दूसरे शहरों से यहां आने वाली 60 उड़ानें भी रद्द रहीं। यहां आने वाली 16 उड़ानों को दूसरे शहरों में डायवर्ट करना पड़ा। इसके अलावा 200 से अधिक उड़ानों में देरी होने की खबर है। दिल्ली हवाई अड्डे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बताया कि सोमवार रात 10 बजे के बाद से ही कैट-3 की प्रक्रिया के तहत उड़ानों का परिचालन शुरू कर दिया गया था। रात दो बजे के बाद कोहरा छांटना शुरू हुआ लेकिन उसका असर सुबह तक जारी रहा। कैट-3 की प्रक्रिया के दौरान जो विमान और चालक दल के सदस्य कैट-3 के लिए योग्य हैं वही लैंडिंग और टेकऑफ कर सकते हैं। कैट-3 उपकरण समर्थित लैंडिंग और टेकऑफ की सबसे उन्नत सुविधा है जिसका इस्तेमाल बेहद घने कोहरे की स्थिति में किया जाता है।

शीतकालीन सत्र में भाजपा सरकार के 10 महीने के काम का हिसाब लेगी आप : संजीव झा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- भाजपा सरकार ने महिलाओं को 2500 रुपए नहीं देकर अपने ही प्रधानमंत्री को झूठा साबित कर दिया
- छठ पर्व पर भाजपा ने सबको यमुना में डुबकी लगवाई, अब पर्यावरण मंत्री कह रहे यमुना का पानी नहाने के लायक नहीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने 5 जनवरी से शुरू हो रहे दिल्ली विधानसभा के शीलकालीन सत्र के दौरान भाजपा सरकार की 10 महीने के कार्यकाल की नाकामियों पर घेरने की तैयारी कर ली है। आप विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा ने कहा कि आम आदमी पार्टी शीतकालीन सत्र में भाजपा सरकार के 10 महीने के काम का हिसाब लेगी। भाजपा सरकार ने महिलाओं को 2500 रुपए नहीं देकर अपने ही प्रधानमंत्री को झूठा साबित कर दिया। दस महीने में भाजपा सरकार बड़ी-बड़ी बातें करने के अलावा न दिल्ली की हवा साफ कर पाई और न यमुना का प्रदूषण ही कम कर पाई। छठ पर्व पर भाजपा ने सबको यमुना में डुबकी लगवाई और आचमन कराया था, लेकिन अब पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह कह रहे कि यमुना का पानी नहाने के लायक नहीं है। संजीव झा ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बने 10 महीने हो गए हैं। अब भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि उसने इन 10 महीनों में दिल्ली की जनता के हित में क्या काम किया? भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में झूठे वादे करके दिल्ली की जनता से वोट ले लिया और सरकार बना ली। भाजपा ने वादा किया था कि अगर उसकी सरकार बनेगी तो दिल्ली की महिलाओं को 2,500 रुपये प्रतिमाह देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद एक चुनावी सभा में दिल्ली की महिलाओं से यह वादा करके गए थे, लेकिन भाजपा सरकार ने तो प्रधानमंत्री को भी झूठा साबित कर दिया। संजीव झा ने यमुना की सफाई के मुद्दे पर भी भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दावा किया था कि वह यमुना साफ कर देगी, लेकिन मजे की बात यह है कि सोमवार को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा कह रहे थे कि यमुना में डुबकी नहीं लगा सकते, जबकि डेढ़ महीना पहले छठ पूजा के दौरान भाजपा के ही नेताओं ने सबको यमुना में डुबकी लगवाई थी और आचमन कराया था। दिल्ली में भाजपा की सरकार एक भ्रमित सरकार है। भाजपा सरकार और मनजिंदर सिंह सिरसा को बताना चाहिए कि यमुना के प्रदूषण को खत्म करने के लिए उन्होंने क्या काम किया है? दिल्ली के वायु प्रदूषण के मुद्दे पर संजीव झा ने कहा कि पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा को बताना चाहिए कि आज दिल्ली में प्रदूषण का इतना बुरा हाल क्यों है? मीडिया रिपोर्ट बता रही हैं कि इस बार का दिसंबर पिछले 10-12 सालों में सबसे ज्यादा प्रदूषित दिसंबर रहा है। ऐसा क्यों हुआ, जबकि अब तो पराली भी नहीं जल रही है। भाजपा सरकार ने दिल्ली के प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए क्या काम किया? संजीव झा ने कहा कि विधानसभा सत्र में हम सरकार से इन 10 महीनों के कामकाज का हिसाब-किताब लेंगे। अब भाजपा दूसरों पर आरोप लगाकर अपने नकारापन को नहीं छिपा सकती।

देश दुनिया की ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातः किरण
नई दिल्ली, बुधवार 31 दिसंबर 2025

बांधवगढ़ की तरह बनेगा माधव टाइगर रिजर्व

2008 से लेकर अबतक 28 टाइगर हुए ट्रांसफर

भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

मप्र सरकार दूसरा बांधवगढ़ बनाने की तैयारी में है, सुनने में थोड़ा अजीब लगे पर सरकार की मंशा है कि बांधवगढ़ की तर्ज पर ही दूसरे टाइगर रिजर्व विकसित किए जाएं। देश ही नहीं दुनिया में अपने टाइगर्स के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व जाना जाता है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या इतनी है कि यहां आसानी से बाघों का दीदार हो जाता है और टाइगर सफारी के इस रोमांचक अनुभव के लिए देश-विदेश से लाखों टूरिस्ट यहां आते हैं। वहीं, अब बाघों के इस गढ़ से दूसरा बांधवगढ़ बनाने की तैयारी की जा रही है। बांधवगढ़ में समय-समय पर बाघों की आबादी बढ़ाने, बाघों का आपसी द्वंद्व कम करने और दूसरे टाइगर रिजर्व को भी आबाद करने जरूरत के हिसाब से बाघ शिफ्ट किए जाते हैं। साल 2025 में भी बांधवगढ़ से दूसरे टाइगर रिजर्व में बाघ-बाघिन शिफ्ट किए गए हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर अनुपम सहाय बताते हैं कि वर्ष 2025 में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से दो बाघ दूसरे टाइगर रिजर्व में भेजे गए हैं। अप्रैल महीने में 4 साल के एक नर बाघ को शिवपुरी के माधव टाइगर रिजर्व में भेजा गया, और हाल ही में 3 साल की एक मादा बाघिन को भी दिसंबर महीने में माधव टाइगर रिजर्व भेजा गया है।

मप्र में पंचायतों में होगा ऑडिट, दूसरे विभागों की मुफ्तखोरी पर सख्ती

नए साल से पंचायतें खुद भरेंगी बिजली बिल

भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश की पंचायतों में ऐसे हजारों बिजली कनेक्शन लगे हैं जिनका उपयोग तो अन्य विभाग या संस्थाएं कर रहे है, लेकिन भुगतान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग कर रहा है। इसलिए अब पंचायत विभाग बिजली उपयोग का ऑडिट कराएगा।

ऐसे बिजली मीटर उन संस्थाओं के नाम पर कराए जाएंगे जिनका उपयोग पंचायत नहीं कर रही बल्कि दूसरे विभाग कर रहे है। वहीं अब पंचायतों को खुद अपने बिल जमा करना होगा, राज्य स्तर पर बिलों का भुगतान नहीं किया जाएगा। मध्य प्रदेश में ग्राम पंचायतों में विभिन्न प्रयोजनों के लिए विद्युत कनेक्शन लिए गए है, लेकिन समय पर इनका भुगतान नहीं हो रहा है। पंचायतें शासन स्तर पर भुगतान की मांग करती है। पंचायतों में नलजल योजनाओं, स्ट्रीट लाईट, पंचायत कार्यालय, सामुदायिक भवन, मांगलिक भवन, आजीविका भवन, गौशालाओं, आंगनबाड़ी भवन, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक पशु चिकित्सालय, वृद्ध आश्रम, हाट बाजार, कांजी हाउस, पर्यटन स्थल, सामुदायिक स्वच्छता परिसर, एतिहासिक प्रदर्शनी, मेले के लिए बिजली कनेक्शन लिए जाते है।

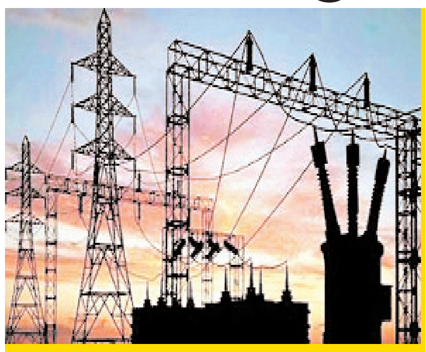

सरपंच-सचिव की जिम्मेदारी होगी तय

विद्युत शुल्क के भुगतान के लिए पंचायतें स्वयं की आय अथवा पांचवें राज्य वित्त आयोग अनुदान से भुगतान कर सकती है। लेकिन ग्राम पंचायतें पर्याप्त राशि उपलब्ध होंने के बाद भी बिजली बिलों का भुगतान नहीं करती है, तो दायित्व संबंधित जिम्मेदारों सरपंच सचिव पर निर्धारित किया जाएगा। भविष्य में ग्राम पंचायतों द्वारा विद्युत बिल नियमित नहीं दिए जाने से अधिभार बढ़ रहा है। प्रतिमाह बिल में अधिभार अधिरोपित होंने से बकाया राशि में भारी वृद्धि हो रही है।

बिल न भरने पर कट जाएगा कनेक्शन

पंचायत राज संचालनालय द्वारा प्रावधानित पांच वे वित्त आयोग की राशि से विद्युत कंपनी को एक मुश्त बकाया भुगतान करने से पंचायतों के विकास कार्यों के लिए अनुदान में कटौती हो रही है। साथ ही संचालनालय द्वारा एकमुश्त भुगतान करने पर प्रत्येक कनेक्शन के विरुद्ध समायोजन करने में समय लगने से पुनः विलंब शुल्क देय होता है। यही हाल कनेक्शनों को विच्छेद के लिए पंचायत द्वारा समय पर निर्णय नहीं लिए जाने को लेकर है। ऐसे में अनुपयोगी कनेक्शनों को हटाने के संबंध में कार्रवाई करना जरूरी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने निर्णय लिया है कि वित्तीय वर्ष 24-25 के बाद राज्य स्तर से ग्राम पंचायतों के विद्युत बिलों की राशि का एकमुश्त भुगतान सीधे विद्युत कंपनियों को नहीं किया जाएगा। ऐसे में पंचायतों को खुद अपना बिजली बिल भरना होगा वर्ना कनेक्शन कट जाएगा। वहीं बिजली कंपनियां स्मार्ट मीटर लगाएंगी और सभी कनेक्शन प्रीपेड होंगे।

- **आय बढ़ाने पंचायत करें प्रयासः** जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक घर में नल-जल कनेक्शन स्थापित किये जा रहे है। ग्राम पंचायतों से यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक परिवार हर माह एक से पांच तारीख के बीच जल शुल्क के बिल की राशि जमा कराने की प्रक्रिया का पालन कराए। पंचायतों को स्वयं की आय बढ़ाने की दिशा में भी प्रयास करना होगा ताकि विकास कार्यों हेतु प्रदाय अनुदान राशि का प्रभावी उपयोग हो और आत्मनिर्भर पंचायतों की अवधारणा को सुदृढ़ किया जा सके। वहीं जल कर, सम्पत्ति कर और अन्य आय के स्रोत बढ़ाने के संबंध में नियमित प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का आयोजन कर काम किया जाए।

सरकार का नारी सशक्तिकरण मिशन पर फोकस, 21 विभागों के अफसरों की समिति बनाई

मिशन की अब सीधे मॉनिटरिंग करेंगे सीएस

भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नारी सशक्तिकरण मिशन की प्रगति की समीक्षा के लिए मंत्री की अध्यक्षता में एक विभागीय अनुश्रवण कमेटी का गठन भी किया गया है। मंत्री इसमें अध्यक्ष होंगी और 21 विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव इसके सदस्य होंगे। इस समिति का कार्यकाल तीन वर्ष रहेगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के नारी सशक्तिकरण मिशन की प्रगति की समीक्षा अब मुख्य सचिव अनुराग जैन सीधे करेंगे। बता दें कि इसके लिए उनके साथ 21 विभाग के एसीएस, पीएस और सचिवों को भी जिम्मेदारी दी गई है। नारी सशक्तिकरण मिशन की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में जो समिति बनाई गई है उसमें गृह, परिवहन, कृषि, खेल एवं युवा कल्याण, श्रम, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विधायी कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनसंपर्क, शिक्षा, नगरीय विकास एवं आवास, स्कूल शिक्षा, विधि और जनतातीय कार्य विभाग।

अधर में कांग्रेस संगठन सृजन अभियान

नियुक्तियों पर घमासान, बढ़ी खींचतान

भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

मप्र में संगठन को मजबूत बनाने के लिए आलाकमान ने संगठन सृजन अभियान चला रखा है। वहीं दूसरी तरफ पार्टी में नियुक्तियों पर घमासान मचा हुआ है। इस कारण नेताओं के बीच खींचतान बढ़ गई है। दरअसल, कांग्रेस में मनमर्जी की स्थिति आए दिन दिखाई दे रही है। कभी कोई संगठन मंत्री नियुक्त कर देता है तो कभी कोई समिति बना देता है। जबकि, सबके लिए एक प्रक्रिया और अधिकार क्षेत्र निर्धारित है। नियुक्तियों को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं।

हालही में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में तो प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए बनाए गए बूथ लेवल एजेंटों की सूची पर ही संदेह जता दिया। जिला और ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्तियों को लेकर कई आपत्तियां सामने आ चुकी हैं। टैलेंट हंट के लिए बनाई समिति का आदेश भी विवादों में घिर गया। मामला बढ़ा तो प्रदेश मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने पद से त्यागपत्र दे दिया। जैसे-तैसे उन्हें मनाया गया पर इससे एक बात तो साफ हो गई कि कांग्रेस में संगठन के सशक्तीकरण के लेकर चल रहे प्रयासों में अभी बहुत काम करने की आवश्यकता है।

गौरतलब है कि प्रदेश में चुनावों में लगातार मिल रही हार के बाद कांग्रेस ने वर्ष 2025 को संगठन वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उद्देश्य साफ था कि भाजपा से यदि चुनाव में मुकाबला करना है तो पहले संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाना होगा। इसके लिए चहेतों को पद देकर उपकृत करने के स्थान पर संगठन सृजन अभियान के माध्यम से जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई। ताजा मामला प्रदेश में प्रवक्ताओं की नियुक्ति के लिए टैलेंट हंट कार्यक्रम करने के लिए समिति गठित करने से जुड़ा है। प्रदेश संगठन ने 11 सदस्यीय समिति गठित की। इसके बाद 23 दिसंबर को मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने आदेश जारी कर दिए। इसमें राष्ट्रीय आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया को भी सदस्य बना दिया, जबकि राष्ट्रीय पदाधिकारी की किसी भी समिति में नियुक्ति से पहले केंद्रीय संगठन से सहमति आवश्यक है। इस आदेश को प्रभारी महासचिव अभय तिवारी ने निरस्त कर दिया। मामला बढ़ा तो मुकेश नायक ने पद से त्यागपत्र दे दिया। यद्यपि, प्रदेश अध्यक्ष ने इसे अस्वीकार कर दिया, मगर विवाद तो खड़ा हो ही गया।

वरिष्ठों में ही समन्वय नहीं

संगठन को मजबूत करने के लिए कांग्रेस संगठन सूजन अभियान चला रही है। अभियान के तहत संगठन में विभिन्न स्तरों पर पदाधिकारियों की नियुक्तियां की जा रही हैं, लेकिन इन नियुक्तियों को लेकर पार्टी में खीचतान जारी है। पार्टी के नेता नियुक्तियों का विरोध कर रहे हैं। यहां तक की प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने नवंबर में जिला संगठन मंत्रियों की नियुक्तियां निरस्त कर दी थीं। ऐसे में कांग्रेस के संगठन के सूजन पर सवाल उठ रहे हैं। संगठन सूजन अभियान के तहत पार्टी ने अगस्त में 71 जिला व शहर कांग्रेस अध्यक्षों की घोषणा की थी। इंदौर, भोपाल, सतना, गुना सहित अन्य जिलों में जिला अध्यक्षों की नियुक्तियों को लेकर स्थानीय नेताओं ने जमकर विरोध किया था। यहां तक की इंदौर ग्रामीण जिला अध्यक्ष की नियुक्ति के विरोध में स्थानीय नेताओं ने दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचकर विरोध जताया था। भोपाल में भी विरोध प्रदर्शन किया गया था। सतना जिला कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति के विरोध में वहां के स्थानीय नेताओं ने भोपाल में पार्टी कार्यालय के बाहर धरना दिया था।

स्मार्ट होगा वित्त विभाग, एआई से लैस होगी वेबसाइट

अब चैट-बॉट देगा हर सवाल का जवाब

भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

मप्र के वित्त विभाग ने अपनी वेबसाइट को एआई-बेस्ड बनाने का प्रोजेक्ट शुरू किया है। नए स्मार्ट चैटबॉट सिस्टम से कर्मचारियों को अलाउंस, ट्रैवल और डेली अलाउंस, सर्कुलर और नियमों से जुड़े सवालों के तुरंत जवाब मिलेंगे। बजट और फाइनेंशियल नियमों की जानकारी भी एक क्लिक पर मिल जाएगी। यानि वित्त विभाग की साइट पर एक ऐसा चैट-बोर्ड विकसित किया गया है, जिसमें कर्मचारी या अधिकारी कोई भी सवाल डालेंगे तो उसका कस्टमाइज (जरूरत के मुताबिक अनुकूल उत्तर) जवाब तुरंत मिलेगा। इसका उपयोग वह अपने आवेदन में रिफरेंस के साथ कर सकेगा। बीईएमएस (बजट एस्टीमेशन, एलोकेशन और मॉनिटरिंग सिस्टम) पोर्टल पर डैशबोर्ड लेटेस्ट जानकारी के साथ रेगुलर अपडेट किया जाएगा। एआई-बेस्ड सिस्टम डिपार्टमेंट के फैसले लेने की प्रक्रिया को तेज करेगा और 2026-27 से 2028-29 तक के रोलिंग बजट की तैयारी को मजबूत करेगा।

दरअसल, राज्य का फाइनेंस डिपार्टमेंट अब ज्यादा स्मार्ट तरीके से काम करेगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसने अपनी वेबसाइट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को इंटीग्रेट करने का फैसला किया है, जिससे इसके काम करने का तरीका बदल जाएगा। इस पहल का मुख्य मकसद सरकारी प्रोसेस को आसान, ज़्यादा ट्रांसपेरेंट और तेज बनाना है। यह नया स्मार्ट चैटबॉट सिस्टम राज्य के लाखों कर्मचारियों के लिए खास तौर पर मददगार साबित होगा।

एआई से लैस होगी वेबसाइट

अब फाइनेंस डिपार्टमेंट की वेबसाइट एआईसे लैस होगी। कर्मचारियों के भत्ते, ट्रैवल अलाउंस, महंगाई भत्ता, और सर्कुलर अब चैटबॉट के जरिए उपलब्ध होंगे। पहले, कर्मचारियों को अक्सर अपने भत्ते, ट्रैवल अलाउंस, महंगाई भत्ता, और लेटेस्ट सरकारी आदेशों (सर्कुलर) को समझने में दिक्कत होती थी।

अब, एआई-बेस्ड पोर्टल पर सिर्फ एक सवाल पूछने पर चैटबॉट तुरंत संबंधित नियम और ऑर्डर की कॉपी दे देगा। इससे कर्मचारियों को बार-बार ऑफिस जाने से छुटकारा मिलेगा। वित्त विभाग के अधिकारिक सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि नई वेबसाइट आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से युक्त होगी। यह सर्च इंजन की तरह काम भी करेगी। इसे ऐसे डिजाइन किया है, ताकि विभाग बजट को लेकर अपनी डिमांड ऑनलाइन अपलोड भी करते हैं तो वह अपने आप सेट प्रोफार्मा में चली जाए। इस बार वित्त विभाग 2026-27 के बजट व 2027-28 व 2028-29 के रोलिंग बजट की तैयारी कर रहा है।

रोलिंग बजट की तैयारी शुरू

टेक्नोलॉजिकल अपग्रेड के साथ डिपार्टमेंट ने 2026-27 से 2028-29 की अवधि के लिए रोलिंग बजट तैयार करना भी शुरू कर दिया है। इससे बजट और रेगुलेटरी जानकारी एक बटन क्लिक करने पर मिल जाएगी। बीईएमएस (बजट एस्टीमेशन, एलोकेशन और मॉनिटरिंग सिस्टम) पोर्टल में अब एक डायनेमिक डैशबोर्ड होगा जो बजट आवंटन और खर्च का लेटेस्ट स्टेटस दिखाएगा। ढ्ढ के इस्तेमाल से डिपार्टमेंट लेवल पर लिए गए फाइनेंशियल फैसलों में इंसानी गलती की संभावना कम हो जाएगी और फाइलों की प्रोसेसिंग भी तेज होगी। नए सिस्टम के बाद विभागों में वित्त विभाग के नियमों को समझने और उसे लागू करने में जो दिक्कतें होती थीं, वह नहीं होगी। सभी फैसले जल्द से जल्द होंगे। विभाग किसी भी नियम से जुड़ी जानकारी चैट-बोर्ड से मांगे, वह उसे फार्मेट में मिल जाएगी। वेबसाइट में नए फीचर्स भी जोड़े जा रहे हैं।

शिक्षिका ने परिवार समेत उठाया तीर्थ दर्शन योजना का लाभ

कलेक्टर और DEO से हुई शिकायत

महासमुंद, प्रातःकिरण संवाददाता।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का अनुचित लाभ लेने के आरोप में शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बेमचा, महासमुंद में पदस्थ व्याख्याता किरण पटेल के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग उठी है. छत्तीसगढ़ नागरिक कल्याण समिति के सदस्य एवं पूर्व पार्षद पंकज साहू ने इस संबंध में मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा विभाग, संचालक लोक शिक्षण, कलेक्टर महासमुंद और जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर शिक्षिका को निलंबित कर सेवा से बर्खास्त करने तथा उनके विरुद्ध एफ्आईआर दर्ज कराने की मांग की है.

पत्र में बताया गया है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का संचालन समाज कल्याण विभाग के माध्यम से किया जा रहा है. इसी क्रम में 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 के बीच महासमुंद जिले से प्रयागराज, काशी विश्वनाथ और हनुमान मंदिर की तीर्थ यात्रा कराई गई थी. आरोप है कि इस योजना में नगरीय क्षेत्र महासमुंद की अपात्र महिला शासकीय सेवक किरण पटेल ने स्वयं, अपने पति पवन पटेल, मौसी गौरी बाई पटेल एवं अन्य रिश्तेदारों को योजना का लाभ दिलवाया.

पंकज साहू का आरोप है कि किरण पटेल ने आवेदन के दौरान स्वयं को बीपीएल श्रेणी का बताकर फर्जी तरीके से सूची में नाम जुड़वाया और घोषणा पत्र में यह उल्लेख किया कि वे वर्तमान में शासकीय सेवा में नहीं हैं. जबकि वास्तविकता यह है कि वे एल.बी. शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बेमचा में व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं. योजना के नियमों के अनुसार शासकीय सेवक और 60 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति इसके पात्र नहीं हैं, इसके बावजूद कथित रूप से झूठा शपथ पत्र देकर योजना का लाभ लिया गया. पूर्व पार्षद ने इसे गंभीर कदाचार बताते हुए कहा है कि यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियमों के विरुद्ध है और शासन के साथ छल व धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है. उन्होंने मांग की है कि शिक्षिका को तत्काल निलंबित कर विभागीय जांच संस्थित की जाए, जांच के बाद सेवा से बर्खास्त किया जाए और पुलिस थाना महासमुंद में एफ्आईआर दर्ज कराई जाए. साथ ही उन्होंने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदन पत्र, घोषणा पत्र और सूची की सत्यापित प्रतियां भी साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत की हैं.

रायपुर में 'चिट्टा' की बड़ी खेप बरामद

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

राजधानी रायपुर में नशे के सौदागरों के खिलाफ रायपुर पुलिस का 'सर्जिकल स्ट्राइक' जारी है। थाना कबीर नगर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) के साथ एक दंपत्ति को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बरामद नशे की अंतरराष्ट्रीय कीमत लाखों में बताई जा रही है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना कबीर नगर में ह्ष्ठक्कस्न एक्ट की धारा 21(क्च) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

घर के अंदर पलंग के दराज में छिपाया था नशा

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (स्स्क्क) डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार नशे के खिलाफचलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कबीर नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि स्ढ्ढत्र 02/20 कबीर नगर में एक महिला हेरोइन की बिक्री कर रही है। एएसपी (पश्चिम) दौलत राम पोर्ते और सीएसपी (आजाद चौक) ईशु अग्रवाल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कबीर नगर की टीम ने उक्त मकान पर घेराबंदी कर दबिश दी। तलाशी के दौरान आरोपी महिला हरप्रीत कौर के घर में पलंग के दराज से एक प्लास्टिक जिपर थैली बरामद हुई, जिसमें 16.01 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) भरा हुआ था।

पति-पत्नी गिरफ्तार, पंजाब से लाकर बेच रहे थे 'हेरोइन' यहां रखा था छिपाकर

पंजाब से रायपुर तक नशे का नेटवर्क

पूछताछ में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि नशीला पदार्थ पंजाब से तस्करी कर रायपुर लाया गया था। महिला का पति जोधा सिंग, जो पंजाब से इसे बिक्री के लिए लाया था, उसे भी पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर धर दबोचा। आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन दस्तावेज पेश न कर पाने और कड़ाई से पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।

जप्त सामान और कार्रवाई- मादक पदार्थः 16.01 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) (कीमत लगभग 3,20,000/- रुपये) मोबाइल फोनः 02 नग (कीमत लगभग 25,000/- रुपये)

कुल जप्त मशरूकाः लगभग 3,45,000/- रुपये

गिरफ्तार आरोपीः
हरप्रीत कौर (31 वर्ष), निवासी स्ढ्ढत्र-2/20 कबीर नगर, रायपुर। जोधा सिंग (28 वर्ष), निवासी LIG-2/20 कबीर नगर, रायपुर।

नए साल में सुरक्षा को लेकर पुलिस सख्त

जांजगीर-चांपा, प्रातःकिरणझ्रा संवाददाता।

नववर्ष के अवसर पर जिले में शांति, कानून व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जांजगीर-चांपा पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं. पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (ढ्ढक्कस्) के निर्देशन में 31 दिसंबर की संध्या से ही जिले के सभी प्रमुख स्थानों, बाजारों, धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी.

पुलिस प्रशासन ने बताया कि केराझरिया, कुदरी बैराज, देवरी चिचोली, डोंगाघाट चांपा, कोटमीसोनार, शिवरीनारायण, नैला, खोखरा और पीथमपुर सहित अन्य प्रमुख पर्यटन एवं पिकनिक स्थलों पर विशेष रूप से पुलिस बल तैनात रहेगा. इसके साथ ही थाना और चौकी क्षेत्रों के अंतर्गत चौक-चौराहों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर फ्क्सि पॉइंट ड्यूटी लगाई जाएगी. संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है और लगातार गश्त की व्यवस्था की गई है.

यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए ट्रैफ्कि पुलिस की अतिरिक्त तैनाती की गई है. आवश्यकता पड़ने पर मार्ग परिवर्तन भी लागू किए जाएंगे. शराब पीकर वाहन चलाने, तेज रफ्तार, स्टंटबाजी, हुड़दंग, सड़क पर केक काटने और तेज डीजे बजाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी. महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिला पुलिस बल और रिस्पॉन्स टीमों की भी तैनाती की गई है. किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम और डायल 112 को सक्रिय रखा गया है.

पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें, अफ्वाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाना या कंट्रोल रूम मोबाइल नंबर 94791-93199 पर दें.

नववर्ष की पूर्व संध्या पर पुलिस की अपील-नशे में वाहन न चलाएं, तेज रफ्तार या स्टंटबाजी से बचें. हुल्लड़बाजी, झगड़ा या सार्वजनिक शांति भंग न करें. अवैध हथियार, पटाखे या खतरनाक सामग्री का उपयोग न करें. सार्वजनिक स्थानों पर अशोभनीय व्यवहार और ध्वनि प्रदूषण (तेज डीजे/हॉर्न) से बचें तथा यातायात नियमों का पालन करें.

ड्रिंक एंड ड्राइव, स्टंटबाजी और सड़क पर केक काटने वालों पर होगी कार्रवाई, महिला सुरक्षा को लेकर चाक-चौबंद व्यवस्था

सम्पादकीय

छात्रों को बौद्धिक विकास के लिए अखबार पढ़ना होगा

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के सभी सरकारी बेसिक और माध्यमिक स्कूलों में छात्रों के लिए अखबार पढ़ना अनिवार्य कर दिया है. शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, स्कूलों की सुबह की प्रार्थना सभा में 10 मिनट का समय अखबार पठन के लिए तय किया गया है. हिंदी और अंग्रेजी दोनों अखबारों को शामिल किया जाएगा. इस पहल का उद्देश्य छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करना, स्क्रीन टाइम कम करना, सामान्य ज्ञान बढ़ाना और आलोचनात्मक सोच को मजबूत करना है। आपको बता दें कि हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य करने संबंधी फैसला लेकर सराहनीय कदम उठाया है। मोबाइल और सोशल मीडिया की लत ने यंगिस्तान को पढ़ाई से दूर कर दिया है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चे वर्चुअल दुनिया में ऐसे खो गए हैं कि उन्हें अपने आस पड़ोस में क्या हो रहा, इसकी कोई खबर तक नहीं रहती। सुबह आंख खुलते ही मोबाइल देखना शुरू कर देते हैं और शाम तक यही प्रक्रिया चली रहती है। कोरोना काल में ऑनलाइन पढ़ाई ने बच्चों के हाथों में मोबाइल थमा दिया। अब यह कहीं न कहीं बच्चों के भविष्य में रुकावट बन रहा है। बच्चे अब पढ़ाई और खेल मैदान से दूर होते जा रहे हैं। समय समय पर प्रबुद्ध लोगों ने मोबाइल फोन के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जताई है ।सोशल मीडिया और इंटरनेट की लत युवाओं को न केवल पढ़ाई से दूर कर रही है, बल्कि युवा वर्ग खेल के मैदान से भी दूर होता जा रहा है। अभिभावकों को इस विषय पर ध्यान देने की खासी जरूरत है। लाड प्यार में बच्चों और युवाओं का भविष्य बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने इस हालात से निबटने के लिए प्राथमिक कदम उठाया है। इससे विद्यार्थियों को कई फायदे होंगे। देश के हर स्कूल में प्रार्थना सभा के दौरान कुछ समय अखबार पढ़ने के लिए निर्धारित होना चाहिए। आज जब डिजिटल माध्यमों पर हद से ज्यादा निर्भरता बढ़ गई है और फेक न्यूज का तेजी से प्रचार-प्रसार हो रहा है, तब अखबार ही जागरूकता का सबसे बड़ा जरिया है। जो बच्चे रोजाना अखबार पढ़ते हैं, उनका शब्दज्ञान बेहतर हो जाता है। उनमें पढ़ने की आदत तो विकसित होती ही है, वे अपने विचारों को अधिक कुशलतापूर्वक अभिव्यक्त कर पाते हैं। ऐसे विद्यार्थी एकाग्रचित्त होकर अध्ययन कर पाते हैं। परीक्षा में उत्तर लिखते समय इसका फायदा होता है। प्रायः ऐसे प्रयासों को यह कहकर खारिज किया जाता है कि स्कूली बच्चों का खबरों की दुनिया से कोई लेना-देना नहीं होता, लिहाजा उन्हें सिर्फ पाठ्यपुस्तकें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। वास्तव में यह धारणा सही नहीं है। भले ही अखबारों में छपने वाली खबरों का स्कूली पढ़ाई और परीक्षाओं से ज्यादा संबंध न हो, लेकिन उन्हें पढ़ने-सुनने से विद्यार्थियों के सोचने-समझने का नजरिया बदलता है। चाहे उन्हें शुरूआत में कई खबरें समझ में न आएं। एक समय ऐसा आएगा, जब वे खबरों में रुचि लेने लगेंगे। उनकी समझ बढ़ेगी। आज स्कूलों में कई बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें फिल्मी सितारों के बारे में तो बहुत कुछ मालूम है। वे देश के प्रमुख पदों पर सेवारत लोगों के नाम नहीं जानते। ये बच्चे जब भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं तो बहुत मुश्किलों का सामना करते हैं। इन्हें सामान्य ज्ञान और समसामयिक घटनाओं के बारे में कई किताबें पढ़नी पड़ती हैं। इसमें काफी समय लगता है। स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य कर देने से इन बच्चों का भला हो जाएगा। कई लोग कहते हैं- बच्चे स्कूलों में अखबार पढ़ेंगे तो बाकी पढ़ाई कब करेंगे? क्या इससे कक्षाओं के कालांश बाधित नहीं होंगे? ऐसी आशंकाएं निराधार हैं। प्रार्थना सभा में अखबार की बड़ी खबरें पढ़ने में 10 मिनट से ज्यादा समय नहीं लगेगा। अगर कोई ऐसी खबर है, जिससे सामान्य ज्ञान आदि का प्रश्न बनाया जा सकता है तो उसे स्कूल के नोटिस बोर्ड पर लिखा जा सकता है। बाद में, बच्चे वहां से अपनी नोटबुक में लिख सकते हैं। इससे उनके पास कुछ ही दिनों में महत्त्वपूर्ण जानकारी का भंडार हो जाएगा। शनिवार को छुट्टी से पहले और विशेष अवसरों पर इन प्रश्नों पर आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा सकता है। उनमें विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने से उनका उत्साह बढ़ेगा। ये बच्चे फेक न्यूज और साइबर ठगी से लड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। असली खबर क्या है, अफवाह क्या है, साइबर ठग कैसे लोगों को शिकार बना रहे हैं - इन सवालों के जवाब इन्हें अखबारों से मिल जाएंगे। हाल के वर्षों में आईएएस, आईपीएस, सेना के वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और वैज्ञानिक तक साइबर ठगों के शिकार बन गए, क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि बदलते दौर के साथ अपराधों के तौर-तरीके बदल रहे हैं।

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी

कुमार कृष्णन

बिहार में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। इसे नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है ।मुंगेर के हवेली खड़गपुर में बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार और अपर पुलिस महानिदेशक विधि व्यवस्था ऑर्डर कुंदन कृष्णन के सामने तीन इनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है ।मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर स्थित एक कॉलेज मैदान में आयोजित समर्पण समारोह में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के तीन सक्रिय नक्सलियों ने बिहार पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। सरेंडर करने वालों में दो नक्सली ऐसे हैं जिन पर सरकार ने 3-3 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। बिहार पुलिस के महानिदेशक विनय कुमार की मौजूदगी में तीन नक्सलियों नारायण कोड़ा, बहादुर कोड़ा और विनोद कोड़ा ने हथियार डाल दिए। नारायण कोडाः यह पीएलजीए का जोनल कमांडर था। बिहार सरकार ने इसकी गिरफ्तारी पर 3 लाख रुपये का इनाम रखा था। इसके खिलाफ मुंगेर, लखीसराय और जमुई में लगभग दो दर्जन मामले दर्ज हैं। बहादुर कोडाः पीएलजीए के सब-जोनल कमांडर के पद पर सक्रिय था। इस पर भी 3 लाख रुपये का सरकारी इनाम था। इस पर भी दो दर्जन के करीब संगीन मामले दर्ज हैं। विनोद कोडाः यह सशस्त्र दस्ते का सदस्य है। इसके खिलाफ लखीसराय जिले में तीन मामले दर्ज हैं। जमुई का कुछ हिस्सा झारखंड से लगता है। ऐसे में ये तीनों नक्सली बिहार में वारदात के बाद झारखंड भाग जाते थे। जब झारखंड में कुछ होता था तो बिहार चले आते थे। बिहार पुलिस के आधिकारिक बयान के अनुसार, आत्मसमर्पण के दौरान, नक्सलियों ने बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी सौंपे, जिसमें दो 5.56 एमएम इनसास राइफलें, चार 7.62 एम एम एस एल आर राइफलें, 150 राउंड 5.56 एम एम जिंदा कारतूस, 353 राउंड 7.62 एम एम जिंदा कारतूस, और बम/बम डेटोनेटर के साथ-साथ अन्य सामान शामिल हैं। सरकार की आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वास नीति के तहत इन नक्सलियों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। बिहार पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार- प्रत्येक को 2.5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। साथ ही इनामी नक्सलियों के परिवार को 3 लाख रुपये की इनामी राशि मिलेगी। बिहार पुलिस के मुताबकि, रोजगारपरक प्रशिक्षण के लिए 36 महीनों तक 10,000 रुपये प्रति माह (कुल 3.6 लाख रुपये) भी दिए जाएंगे। वहीं सरेंडर के दौरान जो हथियार नकस्लियों ने दिए हैं, उनके बदले में 1.11 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि भी उन्हें दी जाएगी। इसके अलावा सरेंडर करने वाले नकस्लियों को आवास, राशन, आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, शिक्षा और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी मिलेगा। बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद की जो समस्या थी भारत में, उसमें प्रत्येक राज्य ने काफी तेजी से उपलब्धियां हासिल की हैं। जिन इलाकों में वामपंथी उग्रवाद की काफी गंभीर समस्या थी, उन इलाकों में काफी सारे इलाके से उग्रवाद समाप्त हुए हैं। बिहार पहला राज्य है जहां पर बड़ी तेजी से नक्सलवाद खत्म हुआ ।बिहार में 2005 के बाद से ही पटना, जहानाबाद, अरवल वगैरह जिला पूरी तरीके से नक्सल मुक्त हो गए ।धीरे-धीरे हम लोगों ने जो 23 जिले हमारे अति उग्रवाद प्रभावित थे, वो शून्य हो गए। अभी 4 जिले मात्र हैं, जो ह्यलीगेसी एंड थ्रस्टह्न जिले हैं।

उपलब्धियों के शोर में दबे सच: 2025 का आत्ममंथन

यह वर्ष उम्मीद और हताशा, प्रगति और पिछड़ेपन, गर्व और ग्लानि-इन सभी भावों का एक साथ साक्षी बना। 2025 में भारत ने कई मोर्चों पर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने आम नागरिक के जीवन को अपेक्षाकृत सरल बनाया। यूपीआई जैसी तकनीकों ने यह दिखाया कि यदि नीयत हो तो तकनीक जनसाधारण तक पहुँच सकती है। स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं में उद्यमिता का विश्वास जगाया, अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत ने सीमित संसाधनों में असाधारण क्षमताओं का परिचय दिया, और बुनियादी ढाँचे-सड़कों, रेल, हवाई अड्डों-के विस्तार ने ह्यतेजी से बढ़ते भारतह्न की छवि को मजबूत किया। इन उपलब्धियों से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन यहीं आत्ममंथन की जरूरत भी पैदा होती है, क्योंकि सवाल केवल विकास का नहीं, बल्कि उसके सामाजिक प्रभाव का है। विकास के चमकदार आँकड़ों के समानांतर 2025 में बेरोजगारी और महंगाई की सच्चाई भी उतनी ही तीखी रही। पढ़े-लिखे युवाओं के हाथों में डिग्रियाँ थीं, लेकिन रोजगार नहीं। भर्ती परीक्षाओं की अनिश्चितता, परिणामों में देरी और निजी क्षेत्र की अस्थिरता ने एक पूरी पीढ़ी को मानसिक दबाव में डाल दिया। महंगाई ने आम आदमी की रसोई से संतुलन छीन लिया।

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

इतिहास केवल तारीखों और घटनाओं का संग्रह नहीं होता, वह समाज की सामूहिक चेतना का आईना भी होता है। बीते कुछ वर्ष, और विशेष रूप से वर्ष 2025, भारत के लिए ऐसा ही एक आईना बनकर सामने आए-जिसमें हमने अपनी उपलब्धियाँ भी देखीं और अपनी असहज सच्चाइयाँ भी। यह वर्ष उम्मीद और हताशा, प्रगति और पिछड़ेपन, गर्व और ग्लानि-इन सभी भावों का एक साथ साक्षी बना। 2025 में भारत ने कई मोर्चों पर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने आम नागरिक के जीवन को अपेक्षाकृत सरल बनाया। यूपीआई जैसी तकनीकों ने यह दिखाया कि यदि नीयत हो तो तकनीक जनसाधारण तक पहुँच सकती है। स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं में उद्यमिता का विश्वास जगाया, अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत ने सीमित संसाधनों में असाधारण क्षमताओं का परिचय दिया, और बुनियादी ढाँचे-सड़कों, रेल, हवाई अड्डों-के विस्तार ने ह्यतेजी से बढ़ते भारतह्न की छवि को मजबूत किया। इन उपलब्धियों से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन यहीं आत्ममंथन की जरूरत भी पैदा होती है, क्योंकि सवाल केवल विकास का नहीं, बल्कि उसके सामाजिक प्रभाव का है। विकास के चमकदार आँकड़ों के समानांतर 2025 में बेरोजगारी और महंगाई की सच्चाई भी उतनी ही तीखी रही। पढ़े-लिखे युवाओं के हाथों में डिग्रियाँ थीं, लेकिन रोजगार नहीं। भर्ती परीक्षाओं की अनिश्चितता, परिणामों में देरी और निजी क्षेत्र की अस्थिरता ने एक पूरी पीढ़ी को मानसिक दबाव में डाल दिया। महंगाई ने आम आदमी की रसोई से संतुलन छीन लिया। दाल-सब्जी, गैस, शिक्षा और स्वास्थ्य-सब कुछ महँगा होता गया, पर आय उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह आर्थिक असंतुलन धीरे-धीरे सामाजिक असंतोष में बदलता चला गया। 2025 में किसान और मजदूर की स्थिति भी किसी से छिपी नहीं रही। मौसम की मार, फसल के उचित दाम न मिलना, बढ़ता कर्ज. और नीति-स्तर की अनदेखी ने किसान को लगातार असुरक्षा में रखा। कहीं संवाद टलता रहा, कहीं आंदोलनों को दबाने की कोशिश हुई। यह विडंबना है कि जो देश को भोजन देता है, वही सबसे अधिक अनिश्चित भविष्य से घिरा है। मजदूरों की स्थिति भी इससे भिन्न नहीं रही। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों लोग सामाजिक सुरक्षा, स्थायी रोजगार और सम्मानजनक जीवन से वंचित रहे। विकास की इमारत जिन हाथों से खड़ी होती है, वे हाथ अक्सर सबसे ज्यादा थके और सबसे कम सुरक्षित होते हैं। सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था की जर्जर हालत 2025 में और अधिक उजागर हुई। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की बदहाली अब किसी एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चुनौती बन चुकी है। शिक्षक संसाधनों की कमी और प्रशासनिक दबाव के बीच काम करते रहे, वहीं स्वास्थ्यकर्मी अत्यधिक कार्यभार, सीमित सुविधाओं और असुरक्षा के वातावरण में अपनी ज़िम्मेदारी निभाते रहे। निजीकरण ने विकल्प तो दिए, लेकिन समानता नहीं। शिक्षा और स्वास्थ्य धीरे-धीरे अधिकार की जगह बाजार की वस्तु बनते चले गए, और इसका सबसे बड़ा नुकसान उन लोगों को हुआ जो पहले से ही सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर थे। लोकतंत्र की दृष्टि से भी 2025 एक बेचैन करने वाला वर्ष रहा। असहमति को देशविरोध से जोड़ने की प्रवृत्ति ने सार्वजनिक विमर्श को संकुचित किया। लेखकों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकताओं पर बढ़ता दबाव यह संकेत देने लगा कि सत्ता से सवाल पूछना जोखिम भरा होता जा रहा है। सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर गिरफ्तारियाँ, अभिव्यक्ति की सीमाएँ तय करने की कोशिशें और संवैधानिक संस्थानों की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न यह याद दिलाते रहे कि लोकतंत्र केवल चुनावी प्रक्रिया से जीवित नहीं रहता। वह जीवित रहता है स्वतंत्र प्रेस, निर्भीक नागरिकों और जवाबदेह संस्थानों से। धर्म और पहचान की राजनीति ने 2025 में समाज को बार-बार विभाजित किया। धार्मिक उन्माद, भीड़तंत्र की मानसिकता और नैतिक पुलिसिंग ने संविधान में निहित समानता, बंधुत्व और धर्मनिरपेक्षता के मूल विचारों को चुनौती दी। धर्म, जो व्यक्ति का निजी आस्था-क्षेत्र होना चाहिए था, वह सत्ता और राजनीति का औजार बनता चला गया। इसका परिणाम यह हुआ कि समाज में अविश्वास बढ़ा, संवाद टूटा और मानवीय रिश्तों में दरारें गहराती चली गईं। इन तमाम निराशाजनक स्थितियों के बीच 2025 ने उम्मीद की कुछ ठोस झलकें भी दीं। युवाओं ने सवाल पूछे, छात्रों ने अपनी आवाज बुलंद की, किसानों और कर्मचारियों ने संगठित होकर अपने अधिकारों की माँग की। नागरिक संगठनों और स्वतंत्र पत्रकारिता ने यह साबित किया कि भारतीय लोकतंत्र पूरी तरह मौन नहीं हुआ है। यह प्रतिरोध केवल सत्ता के विरुद्ध नहीं था, बल्कि उस सामाजिक उदासीनता के विरुद्ध भी था जो धीरे-धीरे हमें भीतर से खोखला कर देती है। 2025 ने यह स्पष्ट कर दिया कि विकास को केवल जीडीपी के आँकड़ों से नहीं मापा जा सकता। जब तक गाँव सुरक्षित नहीं होंगे, किसान आश्वस्त नहीं होगा, मजदूर सम्मान के साथ नहीं जिएगा, शिक्षक और स्वास्थ्यकर्मी संरक्षित नहीं होंगे, और छात्र भविष्य को लेकर भयमुक्त नहीं होंगे, तब तक ह्यविकसित भारतह्न केवल एक आकर्षक नारा ही बना रहेगा। तकनीक तभी सार्थक है जब वह मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी हो, और शासन तभी सफल माना जा सकता है जब उसका प्रभाव अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचे। बीते वर्षों, और विशेषकर 2025 की सबसे बड़ी सीख यही है कि भारत को बचाने की ज़िम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों की भी है। लोकतंत्र में चुप्पी तटस्थता नहीं होती; वह अक्सर अन्याय की सबसे मजबूत सहयोगी बन जाती है।

नये वर्ष में अनुत्तरित सवालों के जबावों की तलाश

नये वर्ष में प्रवेश करते समय यह केवल उल्लास, संकल्प और शुभकामनाओं का क्षण नहीं है, बल्कि गहरे आत्ममंथन का अवसर भी है। सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, सवाल यह है कि बीते वर्ष ने हमें क्या सिखाया और हम उन सीखों को अपने जीवन, नीतियों और प्राथमिकताओं में कितना उतार पाए। हर नया वर्ष अपने साथ उम्मीदों की नई रोशनी लेकर आता है, लेकिन वह बीते वर्ष की छायाओं से मुक्त नहीं होता। उन छायाओं को समझना और उनसे सबक लेना ही नये वर्ष की सच्ची शुरूआत है। वर्ष 2025 की ओर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत और विश्व दोनों स्तरों पर विकास और संकट साथ-साथ चले। एक ओर भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, बुनियादी ढांचे और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति को मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर पहलगाम की आतंकी घटना, पर्यावरणीय आपदाएं, महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और चिकित्सा की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमता और राजनीतिक अविश्वास जैसे प्रश्न और भी गहरे होते चले गए।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

एक और वर्ष इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2025 केवल कैलेंडर का एक अंक नहीं था, बल्कि वह घटनाओं, चेतावनियों, उपलब्धियों और विडंबनाओं का ऐसा संगम रहा, जिसने समाज, राजनीति और विकास की हमारी समूची अवधारणाओं को कठघरे में खड़ा किया। नये वर्ष में प्रवेश करते समय यह केवल उल्लास, संकल्प और शुभकामनाओं का क्षण नहीं है, बल्कि गहरे आत्ममंथन का अवसर भी है। सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, सवाल यह है कि बीते वर्ष ने हमें क्या सिखाया और हम उन सीखों को अपने जीवन, नीतियों और प्राथमिकताओं में कितना उतार पाए। हर नया वर्ष अपने साथ उम्मीदों की नई रोशनी लेकर आता है, लेकिन वह बीते वर्ष की छायाओं से मुक्त नहीं होता। उन छायाओं को समझना और उनसे सबक लेना ही नये वर्ष की सच्ची शुरूआत है। वर्ष 2025 की ओर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत और विश्व दोनों स्तरों पर विकास और संकट साथ-साथ चले। एक ओर भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, बुनियादी ढांचे और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति को मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर पहलगाम की आतंकी घटना, पर्यावरणीय आपदाएं, महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और चिकित्सा की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमता और राजनीतिक अविश्वास जैसे प्रश्न और भी गहरे होते चले गए। ये वे अनुत्तरित सवाल हैं, जिनके समाधान के बिना नये भारत और सशक्त भारत की संकल्पना अधूरी ही रहेगी। जाते हुए वर्ष के आंकडों एवं घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल आर्थिक आंकड़ों की चमक से किसी राष्ट्र की वास्तविक स्थिति नहीं आंकी जा सकती, उसके लिए आम जनजीवन की सच्चाइयों को समझना जरूरी है। पहलगाम की आतंकी घटना ने एक बार फिर आतंकवाद के भयावह चेहरे को उजागर किया, लेकिन उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल पीड़ित नहीं, बल्कि निर्णायक और साहसी प्रतिकार करने वाला राष्ट्र है। इस सटीक कार्रवाई ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद की पोल खोलते हुए दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों के जीवन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। आतंक के विरुद्ध भारत की यह नीति-न तो उकसावे में आना, न ही चुप रहना, एक परिपक्व, सक्षम और आत्मविश्वासी राष्ट्र की पहचान बन चुकी है, जिसने सीमा पार बैठे आतंकी संरक्षकों को गहरा और ठोस जवाब दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएं और उनकी वैश्विक नेतृत्व-छवि भारत के उभार को नई ऊंचाइयों तक ले जाती दिखती हैं। कूटनीति, निवेश, तकनीक और आपूर्ति-श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका सुदृढ़ हुई है, जिससे देश के भीतर विश्वास और आशाओं का संचार हुआ है। स्थिर शासन, सुधारों की निरंतरता और वैश्विक साझेदारियों के बल पर भारत का तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना अब एक दूर का स्वप्न नहीं, बल्कि साकार होता परिदृश्य प्रतीत होता है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख, नक्सलवादमुक्त भारत और अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी गति-इन तीनों ने मिलकर भारत को विश्व मंच पर निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है ।पर्यावरण वर्ष 2025 की सबसे बड़ी चेतावनी बनकर सामने आया। जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय नहीं रहा, बल्कि वह आम आदमी के जीवन का कठोर यथार्थ बन चुका है। हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन, उत्तर भारत में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, महानगरों में दमघोंटू प्रदूषण और तटीय इलाकों में चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता-ये सभी घटनाएं एक ही संकट की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों में आई प्राकृतिक आपदाओं ने यह दिखा दिया कि प्रकृति से खिलवाड़ का मूल्य सबसे पहले गरीब और वंचित चुकाते हैं। विकास की अंधी दौड़ में जब पहाड़ों को काटा जाता है, नदियों को बांधा जाता है और जंगलों को उजाड़ा जाता है, तो उसका परिणाम विनाश के रूप में सामने आता है। नये वर्ष में यह सवाल हमारे सामने खड़ा है कि क्या विकास का अर्थ केवल सड़कें, पुल, सुरंगें और ऊंची इमारतें है, या वह जीवन, प्रकृति और भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। जब तक पर्यावरणीय संतुलन को विकास नीति के केंद्र में नहीं रखा जाएगा, तब तक हर नया साल नई आपदाओं की आहट लेकर आता रहेगा। वर्ष 2025 ने हमें यह सोचने को विवश किया है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य ही स्थायी विकास का एकमात्र रास्ता है। प्रदूषण और स्वास्थ्य का संकट भी 2025 में और अधिक गहराया। दिल्ली-एनसीआर सहित अनेक शहरों की हवा लंबे समय तक ह्यगंभीरह्न श्रेणी में बनी रही। यह केवल प्रदूषण के आंकड़े नहीं थे, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य पर मंडराता खतरा था। जल प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे और रासायनिक अपशिष्ट ने गांवों और कस्बों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सवाल यह है कि क्या आर्थिक विकास के नाम पर हम अपने ही जीवन स्त्रोतों को नष्ट करने के लिए तैयार हैं। नया वर्ष यह सोचने की प्रेरणा देता है कि स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और दवाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित पर्यावरण उसका मूल आधार हैं। शिक्षा के क्षेत्र में 2025 ने कई कड़वी सच्चाइयों को उजागर किया। विदेशों में पढ़ाई

मनरेगा को मारकर आया राम जी

योगेन्द्र यादव

सरकार ने इस योजना का हर महत्वपूर्ण प्रावधान पलट दिया है। अब केंद्र सरकार तय करेगी कि किस राज्य में और उस राज्य के किस इलाके में रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। केंद्र सरकार हर राज्य के लिए बजट की सीमा तय करेगी। राज्य सरकार तय करेगी कि खेती में मजदूरी के मौसम में किन दो महीनों में इस योजना को स्थगित किया जाएगा। अब स्थानीय स्तर पर क्या काम होगा, उसका फैसला भी ऊपर से निर्देशों के अनुसार होगा। सबसे खतरनाक बात यह है कि अब इसका खर्चा उठाने की जिम्मेवारी राज्य सरकारों पर भी डाल दी गई है। विपक्ष को ऐतराज है कि जिस ऐतिहासिक योजना को देश महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना उर्फ मनरेगा के नाम से जानता रहा है, उसके नाम से महात्मा गांधी को क्यों हटाया जा रहा है। यूँ भी सरकार द्वारा पारित नया नाम- विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) विधेयक उर्फ वीबी-जी राम जी विधेयक-काफी अटपटा था। पहले अंग्रेजी के एक्रोनिम को सोचकर हिंदी के शब्द गढ़ने के इस तरीके में मैकॉले की गंध आती थी, लेकिन मनरेगा की जगह सरकार द्वारा लाए जा रहे नए कानून का मसौदा देखकर लगा कि सरकार ने महात्मा गांधी का नाम मिटाकर ठीक ही किया। जब इस योजना की आत्मा ही नहीं बची, जब इसके मूल प्रावधान ही खत्म किए जा रहे हैं, तो नाम बचाने का क्या फायदा। पहले समझ लें कि मनरेगा नामक यह कानून क्यों ऐतिहासिक था। आजादी के कोई साठ साल बाद भारत सरकार ने इस कानून के जरिए पहली बार अपने संवैधानिक कर्तव्य का पालन करने की दिशा में एक कदम उठाया था। संविधान के ह्यनीति निर्देशक सिद्धांत के तहत अनुच्छेद 39(ड्ढ) और 41 सरकार को हर व्यक्ति के लिए ह्यआजीविका के साधन और ह्यरोजगार का अधिकार सुनिश्चित करने का निर्देश देते हैं। छह दशकों तक इसकी अनदेखी करने के बाद वर्ष 2005 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने संसद में ह्यराष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम पास किया और पहली बार देश के अंतिम व्यक्ति को इस बाबत एक हक दिया। यह कानून सम्पूर्ण अर्थ में रोजगार की गारंटी नहीं था, लेकिन इसके प्रावधान किसी सामान्य सरकारी रोजगार योजना से अलग थे। यह कानून ग्रामीण क्षेत्र में हर व्यक्ति को अधिकार देता है कि वह सरकार से रोजगार की मांग कर सके। इसमें सरकारी अफसरों के पास किंतु-परंतु या बहानेबाजी की गुंजाइश बहुत कम छोड़ी गई थी। इस योजना का लाभ लेने की कोई पात्रता नहीं है। कोई भी ग्रामीण व्यक्ति अपने ह्यजॉब कार्डह्न बनवाकर इसका लाभ उठा सकता है। रोजगार मांगने के लिए कोई शर्त नहीं है - जब भी रोजगार मांगा जाए, उसके दो सप्ताह में सरकार या तो उस व्यक्ति को काम देगी या फिर मुआवजा। इस योजना का अनूठा प्रावधान यह है कि इसमें बजट की कोई सीमा नहीं है- जब भी, जितने लोग चाहें, काम मांग सकते हैं और केंद्र सरकार को पैसे का इंतजाम करना पड़ेगा। इस तरह अधूरा ही सही, लेकिन पहली बार रोजगार के अधिकार को कानूनी जामा पहनाने की कोशिश हुई। दुनिया भर में इस योजना पर चर्चा हुई थी। व्यवहार में यह कानून अपनी सही भावना के अनुरूप कुछ साल ही लागू हो पाया। मनरेगा की दिहाड़ी बहुत कम थी और सरकारी बंदिशें बहुत ज्यादा। फिर भी मनमोहन सिंह सरकार ने इसका विस्तार किया। यूपीए सरकार जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कानून की खिल्ली उड़ाते हुए कहा था कि वे इसे यूपीए के शेखचिल्लीपन के म्यूजियम के रूप में बचाए रखेंगे। पहले कुछ वर्षों मोदी सरकार ने इस योजना का गाला घोंटने की कोशिश भी की, लेकिन कोविड आपदा के समय मोदी सरकार को इसी योजना का सहारा लेना पड़ा। सरकार की कोताही, अफसरशाही की बदनीयत और स्थानीय भ्रष्टाचार के बावजूद मनरेगा ग्रामीण भारत के अंतिम व्यक्ति के लिए सहारा साबित हुई। पिछले 15 वर्षों में इस योजना के चलते 4,000 करोड़ दिहाड़ी रोजगार दिया गया। ग्रामीण भारत में इस योजना के चलते 9.5 करोड़ काम पूरे हुए। हर वर्ष कोई 5 करोड़ परिवार इस योजना का फायदा उठाते रहे। इस योजना के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरी बढ़ी। कोविड जैसे राष्ट्रीय संकट या अकाल जैसी स्थानीय आपदा के दौरान मनरेगा ने लाखों परिवारों को भूख से बचाया, करोड़ों लोगों को पलायन से रोका। अब मोदी सरकार ने इस ऐतिहासिक योजना को दफन करने का मन बना लिया है। जाहिर है, ऐसी किसी योजना को औपचारिक रूप से समाप्त करने से राजनीतिक घाटा होने का अंदेशा बना रहता है। इसलिए घोषणा यह हुई है कि योजना को संशोधित किया जा रहा है। झांसा देने के लिए यह भी लिख दिया गया कि अब 100 दिन की बजाय 125 दिन रोजगार की गारंटी दी जाएगी, लेकिन यह गिनती तो तब शुरू होगी जब यह योजना लागू होगी, जब इसके तहत रोजगार दिया जाएगा। हकीकत यह है

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 31 दिसंबर, 2025

संक्षिप्त खबरें

जमीन के विवाद में किसान की गोली मारकर हत्या

फिरोजाबाद (उप्र)। फिरोजाबाद जिले के नसीरपुर क्षेत्र में जमीन के विवाद को लेकर एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सिरसागंज) अन्वेष कुमार ने मंगलवार को बताया कि नसीरपुर के क्षेत्र नंदराम की मढैया निवासी 45 वर्षीय सत्यभान का अपने ही गांव में रहने वाले सूरतराम से पांच बीघा जमीन को लेकर विवाद था। लगभग छह माह पहले विवादित जमीन का निर्णय सत्यभान के पक्ष में आया था। इसके बाद प्रशासन ने पुलिस बल की मदद से सत्यभान को कब्जा दिलवा दिया था। सत्यभान के भाई चंद्रपाल का कहना है कि इसी वजह से विरोधी पक्ष नाराज था। सोमवार देर रात जब सत्यभान खेत से घर लौट रहा था तभी आरोपियों ने उसे घर के पास घेर लिया और गोली मार दी। सत्यभान की पत्नी राधा और पुत्र, भाई उसे बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की, जिससे वे तीनों घायल हो गये।

दिल्ली पुलिस ने 22.7 लाख के साइबर स्कैम का किया खुलासा, हरियाणा से दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने साइबर ठगी का पदार्फाश करते हुए 22.70 लाख रुपए के फर्जी शेयर ट्रेडिंग घोटाले का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने हरियाणा के हिसार से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी एक फर्जी स्टॉक ट्रेडिंग ऐप और व्हाट्सऐप ग्रुप के जरिए लोगों को मोटे मुनाफे का लालच देकर ठग रहे थे। शाहदरा जिला पुलिस के अनुसार, 13 नवंबर को पीड़िता अमिता गर्ग ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उन्हें एक व्हाट्सऐप ग्रुप स्टैन चार्ट डायलॉग फोरम एल7 में जोड़ा गया था। इस ग्रुप में पांच एडमिन थे, जो नियमित रूप से शेयर बाजार, डीमैट अकाउंट और निवेश से जुड़ी बातें करते थे। ग्रुप की एक एडमिन (जिसने खुद को यालिनी गुना बताया) ने एक खास निवेश योजना शेयर की। उसने दावा किया कि उनकी खुद की ऐप एससीआईआईएचएनडब्ल्यू के जरिए शेयर बाजार में निवेश करने पर निश्चित और ज्यादा मुनाफा मिलेगा। भरोसा दिलाने के लिए ग्रुप में लगातार शेयर टिप्स और मुनाफे के दावे किए जाते थे। पीड़िता ने ग्रुप में भेजे गए लिंक से ऐप डाउनलोड की और शुरूआत में अलग-अलग तारीखों में 11 ट्रांजैक्शन के जरिए करीब 2.70 लाख रुपए निवेश किए।

31 दिसंबर को शाम 7 बजे से कनॉट प्लेस में वाहनों के प्रवेश पर रहेगी रोक, दिल्ली पुलिस की ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। नए साल के मौके पर दिल्ली-एनसीआर में यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष व्यवस्था लागू की है। 31 दिसंबर को शाम 7 बजे से कनॉट प्लेस में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यहां केवल वैध पास वाले वाहनों को ही कुछ निश्चित क्षेत्रों में प्रवेश की अनुमति दी गई है। नई साल के मौके पर लोगों को परेशानी न हो, इसीलिए नए साल का जश्न समाप्त होने तक यातायात में बदलाव और विशेष पार्किंग व्यवस्था लागू रहेगी। इसके अलावा कनॉट प्लेस की ओर जाने वाले वाहनों को मंडी हाउस, बंगाली मार्केट, रणजीत सिंह फ्लाईओवर, मिंटो रोड, पटेल चौक आदि स्थानों से आगे जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। गोल डाक खाना, कालीबाड़ी मार्ग, पंत मार्ग, कॉपरनिकस मार्ग, मिंटो रोड और विंडसर प्लेस जैसे स्थानों पर पार्किंग पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होगी। इसके साथ ही नए साल के जश्न के लिए इंडिया गेट पर हर साल की तरह इस साल भी पैदल यात्रियों की भारी भीड़ एकत्र होने की संभावना है।

नये साल पर मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशवासियों को लिखा पत्र, युवाओं से की खास अपील

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। नए वर्ष से एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता के नाम एक विशेष पत्र योगी की पाती साझा किया है। इसके जरिए मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश को तकनीक और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाने का संकल्प दोहराया है। सीएम योगी ने स्पष्ट कर दिया है कि आगामी वर्ष में सरकार का पूरा फोकस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों पर रहने वाला है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश के दो प्रमुख शहरों लखनऊ और नोएडा, को एआई सिटी के रूप में विकसित करने की तैयारी है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को वैश्विक आईटी मैप पर सबसे आगे लाना है। इसके साथ ही जेवर में 3700 करोड़ की लागत से सेमीकंडक्टर यूनिट का निर्माण कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा। सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश की सुरक्षित डाटा सेंटर नीति के कारण निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। राज्य सरकार ने डाटा सेंटर क्षेत्र में 30000 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में 5 हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क का व्यावसायिक उपयोग शुरू हो चुका है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के 9 अन्य शहरों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित किए गए हैं, जो स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं चाहूंगा कि मेरे युवा साथी वर्ष 2026 के लिए एक विशेष संकल्प लें। आप अपने आसपास 5 बच्चों को कंप्यूटर और एआई के विषय में जागरूक करें। हर सप्ताह कम से कम एक घंटा ज्ञानदान के लिए निकालें। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, यह आंग्ल वर्ष 2026 में प्रवेश का समय है। 2025 का वर्ष टेक्नोलॉजी, एआई व डाटा में नवाचार के नए मापदंड स्थापित करने के लिए स्मरण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश भविष्योन्मुखी विकास के नए मानक गढ़ रहा है। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि प्रदेश के डिजिटल भविष्य को दिशा देने और निवेश का केंद्र बनाने के लिए सरकार को आशातीत सफलता मिल रही है। उन्होंने लिखा कि निवेश तभी सुरक्षित हो सकता है, जब समाज और राज्य सुरक्षित हों। प्रदेश में सुशासन के राज ने विश्वभर में ब्रांड यूपी को सशक्त किया है। उत्तर प्रदेश अब निवेशकों के विश्वास का राज्य बन गया है। लखनऊ और नोएडा में एआई सिटी बनाने की तैयारी है। जेवर में 3,700 करोड़ रुपए से सेमीकंडक्टर यूनिट का निर्माण हो रहा है। स्वदेशी सेंटर, सुरक्षित डाटा को ध्यान में रखकर बनी डेटा सेंटर नीति की सफलता दिखने लगी है। सीएम ने लिखा, 5 हाइपरस्केल डाटा सेंटर पार्क का व्यावसायिक उपयोग प्रारंभ हो चुका है। डाटा सेंटर क्षेत्र में 30,000 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य है। 9 शहरों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित किए गए हैं। ड्रोन, रोबोटिक्स और मोबाइल उत्पादन में भी हम नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। एआई प्रज्ञा के माध्यम से 10 लाख नागरिकों को एआई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हजारों नई नौकरियां सृजित हो रही हैं। उन्होंने लिखा, मैं चाहूंगा कि मेरे युवा साथी वर्ष 2026 के लिए एक विशेष संकल्प लें। आप अपने आसपास 5 बच्चों को कंप्यूटर और एआई के विषय में जागरूक करें। हर सप्ताह कम से कम एक घंटा ज्ञानदान के लिए निकालें। आपका प्रयास संयुक्त रूप से न केवल विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को पूरा करेगा, अपितु यूपी विज्ञान-प्रौद्योगिकी की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करने में भी सहायक होगा।

भाजपा के पूर्व विधायक समेत 26 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज क्षेत्र में पुलिस ने पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा और उनके समर्थकों से मारपीट और कार में तोड़फोड़ करने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक और ब्लाक प्रमुख सहित छह नामजद व तथा 20 अज्ञात समेत 26 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि रानीगंज थाना क्षेत्र के रानीगंज कस्बे के निवासी शिवाकांत ओझा ने पुलिस में सूचना दी कि पिछली 27 दिसंबर की रात वह पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा और उनके पुत्र पूर्व ब्लाक प्रमुख पूर्णांशु ओझा अपने समर्थकों के साथ रानीगंज स्थित आवास पर लौट रहे थे। रास्ते में रानीगंज रेलवे क्रॉसिंग जामताली मार्ग पर पूर्व भाजपा विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा और उनके भतीजे ब्लॉक प्रमुख सत्यम ओझा तथा भाई नीरज ओझा और उनके साथी दिलीप, अखिलेश सिंह और नितेश पांडे तथा 20 अज्ञात समर्थकों के साथ पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि इसी बीच पूर्व विधायक ने पिस्टल से कार के शीशे पर प्रहार किया, जिससे शीशा टूट गया और उनके साथी पूर्व ब्लॉक प्रमुख सहित समर्थकों ने हमलावर हो गए। कार से निकाल कर लालमणि और उसके साथ ही प्रदीप दुबे और दिग्विजय कश्यप के साथ मारपीट की गई। गनर रवि सिंह के बीच-बचाव करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तहरीर के आधार पर अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, गौरा ब्लाक प्रमुख सत्यम ओझा, भाई नीरज ओझा और साथियों दिलीप, अखिल सिंह और निलेश पाण्डेय तथा 20 अज्ञात समर्थकों सहित 26 आरोपियों के विरुद्ध सोमवार रात अभियोग पंजीकृत कर घटना की जांच की जा रही है।

जमीनी विवाद में किसान की गोली मारकर हत्या, बीच-बचाव में आए पांच परिजन घायल

प्रात: किरण संवाददाता

फिरोजाबाद। जनपद फिरोजाबाद के थाना नसीरपुर क्षेत्र में जमीनी विवाद ने सोमवार रात हिंसक रूप ले लिया। खेत से लौट रहे किसान सत्यभान की गांव के ही दूसरे पक्ष ने घेराबंदी कर गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात में बीच-बचाव के लिए पहुंचे परिवार के पांच सदस्य भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया, जिसे देखते हुए पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना नसीरपुर क्षेत्र के गांव नंदराम की मढ़ैया निवासी सत्यभान (उम्र लगभग 45 वर्ष) सोमवार देर रात अपने खेत से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे गांव के कुछ लोगों ने उन पर हमला बोल दिया। आरोप है कि हमलावरों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें एक गोली सत्यभान के सीने में लगी। गोली लगते ही उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनते ही गांव में अफरातफरी मच गई। सत्यभान के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। इस दौरान परिवार के पांच लोग लहूलुहान हो गए। सूचना मिलने पर थाना पुलिस, क्षेत्राधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मौके पर पहुंचे। घायलों को उपचार के लिए फिरोजाबाद और शिकोहाबाद के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जबकि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मृतक के भतीजे चंद्रपाल यादव ने बताया कि गांव में करीब पांच बीघा भूमि को लेकर बैजनाथ, रामविलास सहित अन्य लोगों से लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस संबंध में मुख्यमंत्री पोर्टल पर कई बार शिकायत की गई थी, जिसके बाद जिला प्रशासन द्वारा सत्यभान को भूमि पर कब्जा दिलाया गया था। आरोप है कि बाद में थाना पुलिस के एक दरोगा ने गलत तरीके से दूसरे पक्ष को पुनः कब्जा दिला दिया, जिससे विवाद और अधिक बढ़ गया। इसी रंजिश में सोमवार रात सत्यभान की हत्या की गई। चंद्रपाल यादव की तहरीर पर रामविलास, सूरत राम, अरुण, शिमला, बृजेश और श्रीकृष्ण के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनुज चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला जमीनी विवाद का सामने आया है। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि गांव में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। मृतक का पोस्टमार्टम मंगलवार को कराया गया है और मामले की गहन जांच जारी है।

दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पेश होंगी शीश महल और जल बोर्ड की सीएजी रिपोर्ट : कपिल मिश्रा

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने मंगलवार को प्रेस वार्ता करते हुए आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला। साथ ही दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सरकार की ओर से पेश की जाने वाली रिपोर्ट को लेकर जानकारी दी। कपिल मिश्रा ने प्रेस वार्ता में बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद ने कई अहम निर्णय लिए हैं। इसके तहत दिल्ली विधानसभा का आगामी सत्र 5 जनवरी से शुरू होकर चार दिनों तक चलेगा। इस सत्र में सरकार की ओर से कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव लाए जाएंगे। प्रदूषण को लेकर मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि विधानसभा सत्र में इस मुद्दे पर विस्तृत और खुली चर्चा की जाएगी। सरकार स्वयं पर्यावरण और प्रदूषण पर प्रस्ताव लेकर आएगी। सदन में पिछले 20 वर्षों की स्थिति से जुड़ी वैज्ञानिक रिपोर्ट रखी जाएंगी। इनके आधार पर प्रदूषण से जुड़ी कमियों, अब तक की नीतियों और भविष्य की कार्ययोजना पर खुलकर चर्चा होगी। इस चर्चा में सभी पक्षों को अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया जाएगा। भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों पर मंत्री ने कहा कि ह्यशीश महलह्न से संबंधित सभी सीएजी रिपोर्ट्स को विधानसभा के पटल पर रखा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएजी द्वारा शीश महल को लेकर जो भी रिपोर्ट तैयार की गई है, उसे सार्वजनिक किया जाएगा ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके। इसके साथ ही दिल्ली जल बोर्ड से जुड़ी सीएजी रिपोर्ट भी विधानसभा में पेश की जाएगी। मंत्री ने बताया कि साल 2022 तक की दिल्ली जल बोर्ड की सीएजी रिपोर्ट उपलब्ध है, जिसमें जल बोर्ड में फैले भ्रष्टाचार का विस्तार से उल्लेख है। इस रिपोर्ट को सदन में रखने का फैसला किया गया है। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने आगे कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी दिल्ली सरकार के अधीन विश्वविद्यालयों के संचालन में हुए भ्रष्टाचार से जुड़ी सीएजी रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर रखा जाएगा।

मथुरा में मुठभेड़ के बाद 25 हजार का इनामी गो-तस्कर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

प्रात: किरण संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा के थाना जैत पुलिस और गो-तस्करों के बीच सोमवार देर रात मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में 25 हजार रुपए का इनामी बदमाश घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। थाना जैत पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक शातिर अपराधी धौरेरा के जंगलों के पास देखा गया है, जो गोवध अधिनियम के तहत वांछित चल रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घेराबंदी की और अभियुक्त को पकड़ने के लिए दबिश दी। अभियुक्त ने खुद को पुलिस से घिरा हुआ देख पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें अभियुक्त के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। घायल अभियुक्त को पुलिस ने अस्पताल भेजा, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। पकड़े गए अपराधी की पहचान थाना फिरोजपुर झिरका, जिला मेवात (हरियाणा) निवासी साहून के रूप में हुई है। साहून एक अंतरराज्यीय गो-तस्करी गिरोह का सक्रिय सदस्य था, जो उत्तर प्रदेश और हरियाणा के विभिन्न जिलों में अपराधों को अंजाम देता था। पुलिस के अनुसार, साहून पर मथुरा और हरियाणा के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने अभियुक्त के पास से एक तमंचा, दो कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। सीओ सदर संदीप सिंह ने बताया कि घायल साहून को पुलिस की देखरेख में वृंदावन स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने इस गिरफ्तारी के बाद मामले में और भी गहरी जांच की योजना बनाई है। साहून और उसके गिरोह के अन्य सदस्य जल्द ही पुलिस के घेरे में होंगे। उन्होंने बताया कि साहून एक अंतरराज्यीय गिरोह का सक्रिय सदस्य है। इससे पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी की जाएगी। इसके गिरोह में कई बड़े अपराधी भी शामिल हो सकते हैं।

ट्रेलर की चपेट में आने से महिला की मौत, पति घायल

प्रात: किरण संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक मोटरसाइकिल की टक्कर लगने के बाद सड़क पर गिरी महिला की ट्रेलर की चपेट में आने से मौत हो गई जबकि उसका पति गंभीर रुप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात को प्रमोद बरनवाल (52) अपनी पत्नी पूनम देवी (48) के साथ मोटरसाइकिल से देवरिया जिले में अपनी ससुराल से आ रहा था। पुलिस के मुताबिक, नवानगर कस्बे के पास सिकन्दरपुर-बेल्थरारोड मार्ग पर उनकी मोटरसाइकिल की एक अन्य बाइक से टक्कर हो गई, जिससे वे दोनों सड़क पर गिर गए। पुलिस ने बताया कि इस बीच, पूनम सिकंदरपुर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार एक ट्रेलर की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गयी। पुलिस के मुताबिक, आसपास मौजूद लोगों ने पूनम और प्रमोद को सिकंदरपुर स्थित अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने पूनम को मृत घोषित कर दिया तथा प्रमोद का इलाज जारी है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद चालक फरार हो गया। थाना प्रभारी मूल चंद्र चौरसिया ने बताया कि इस मामले में अज्ञात ट्रेलर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आरएसएस की तुलना अलकायदा से करना घृणित सोच का परिचायक : आयुष मंत्री

प्रात: किरण संवाददाता

बलिया (उप्र)। उत्तर प्रदेश के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना आतंकवादी संगठन अलकायदा से करने को घृणित सोच का परिचायक बताते हुए इसकी निंदा की है। मिश्र ने सोमवार रात एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में टैगोर द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना अलकायदा से किये जाने संबंधी एक सवाल पर कहा कि यह बयान कांग्रेस नेता की घृणित सोच को दिखाता है। उन्होंने इसकी कड़ी निंदा और भर्त्सना करते हुए नसीहत दी की टैगोर को अतीत में झांकना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश के लिए किस तरह से अपना सब कुछ न्यौछावर करने वालों और अपना सम्पूर्ण जीवन मां भारती की सेवा के लिए समर्पित करने वालों का संगठन है। मिश्र ने कहा कि संघ के लोग दिन-रात भारत और मां भारती की चिंता करते हैं। उन्होंने कहा, टैगोर का यह बयान उनकी पार्टी की हताशा है। कांग्रेस सत्ता लोलुप लोगों का संगठन है। सत्ता के लिए तड़प रहे लोगों के इस तरह के बयान आते हैं। टैगोर ने हाल में कहा था कि आरएसएस नफरत पर आधारित एक संगठन है और अलकायदा की तरह है। मिश्र ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह द्वारा संघ की कथित तौर पर तारीफ किए जाने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर किसी का हृदय परिवर्तन होता है तो यह अच्छी बात है, सच्चाई से कोई भी इनकार नहीं कर सकता। मंत्री मिश्र ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के स्वयं को धर्मनिरपेक्ष बताने वाले बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ममता बनर्जी बड़ी नेता हैं और देश उनकी कार्यशैली को बड़े गौर से देख रहा है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल का जिस तरह का वातावरण है, वह निश्चित रूप से देश के लोगों को अखर रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, वहां अलगाववादी ताकतों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वोट बैंक के चलते घुसपैठियों को नागरिक और मतदाता बनाने की साजिश की गई है, आने वाले दिनों में यह सच्चाई बेनकाब होगी। पश्चिम बंगाल पर देश के लोग बड़ा फैसला करने जा रहे हैं। उन्होंने बलात्कार के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को मिली उम्रकैद की सजा को निलंबित करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय पर उच्चतम न्यायालय द्वारा रोक लगाने के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कानून अपना काम करता है और उसका हर निर्णय मान्य है।

मिशन शक्ति केंद्रों को और सशक्त करेगी योगी सरकार, हर केंद्र को दो स्कूटी और मोबाइल फोन देने की तैयारी

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नई दिशा देने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में सरकार अब मिशन शक्ति अभियान के तहत स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की तैयारी कर रही है। प्रदेशभर के 1600 मिशन शक्ति केंद्रों को अगले वर्ष अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा। सरकार वर्ष 2026 में हर मिशन शक्ति केंद्र को चार-चार स्कूटी और एक-एक मोबाइल हैंडसेट उपलब्ध कराएगी। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की नोडल अधिकारी एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत प्रदेशभर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र/ थानों की स्थापना की गई थी। अब सरकार इन मिशन शक्ति केंद्र को और अधिक सशक्त करने के लिए विभिन्न कदम उठाने जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मिशन शक्ति केंद्र पर चार स्कूटी और एक-एक मोबाइल हैंडसेट उपलब्ध कराने के लिए 6,400 नई स्कूटी और 1,600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर विचार कर रही है। इसके लिए जल्द ही सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। इन संसाधनों में करीब 67 करोड़ रुपये खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि सरकार से हरी झंडी मिलने और बजट आवंटित होने के बाद अगले वर्ष इन संसाधनों की खरीद की जाएगी। इन संसाधनों के माध्यम से मिशन शक्ति की टीमों की पहुंच गांव-गांव और मोहल्लों तक और मजबूत होगी, जिससे महिलाओं की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई संभव हो सकेगी। रियल टाइम मॉनिटरिंग और शिकायत दर्ज करने में मिलेगी सहायता

दिल्ली क्राइम ब्रांच की बड़ी सफलता, हत्या के प्रयास और एनडीपीएस मामले में वांछित शातिर गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात और वांछित अपराधी सनी उर्फ प्रेम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में वांछित और एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में अंतरिम जमानत पर रिहा होकर फरार भी चल रहा था। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ 25 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस नोट के अनुसार, सनी उर्फ प्रेम थाना पंजाबी बाग के एफआईआर संख्या 634/2025 में वांछित था, जो हत्या के प्रयास से जुड़ा मामला है। इसके अलावा, वह एफआईआर संख्या 93/2021, थाना क्राइम ब्रांच, एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत दर्ज मामले में 15 दिसंबर 2025 तक मिली अंतरिम जमानत के बाद फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, एनडीपीएस मामले में अंतरिम जमानत पर रिहा होने के बाद आरोपी ने 2 नवंबर को एक बार फिर गंभीर अपराध को अंजाम दिया। आरोपी ने धर्मेंद्र नामक व्यक्ति पर लोहे की रॉड और डंडों से बेरहमी से हमला किया, जिससे पीड़ित को गंभीर चोटें आईं। इस घटना के बाद थाना पंजाबी बाग में धारा 110/3(5) बीएनएस के तहत नया मामला दर्ज किया गया। इस केस में आरोपी की अग्रिम जमानत को अदालत ने 9 दिसंबर को रद्द कर दिया था। क्राइम ब्रांच को 29 दिसंबर को पुख्ता और विश्वसनीय सूचना मिली कि एक वांछित अपराधी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर सेंट्रल रेंज, क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम गठित की गई। यह टीम एसआई दिनेश कुमार, एएसआई उमेश कुमार, हेड कांस्टेबल हरिंदर, हेड कांस्टेबल करमजीत और महिला कांस्टेबल शिवानी की थी। पूरी कार्रवाई इंस्पेक्टर विनय कुमार के नेतृत्व में, एसीपी राजबीर मलिक (सेंट्रल रेंज) की कड़ी निगरानी में और वरिष्ठ अधिकारियों के समग्र पर्यवेक्षण में अंजाम दी गई। टीम ने ठिकाने पर पहुंचकर सुनियोजित तरीके से दबिश दी। पुलिस को देखते ही आरोपी ने खुद को घर के अंदर बंद कर लिया, लेकिन क्राइम ब्रांच की टीम ने संयम और रणनीति के साथ कार्रवाई करते हुए उसे काबू में लेकर गिरफ्तार कर लिया।

साल में एक बार खुला स्वर्ग का द्वार, भगवान रंगनाथ ने वैकुंठ द्वार पर दिए भक्तों को दर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

मथुरा। उत्तर भारत के विशालतम दक्षिण शैली के सबसे बड़े रंगनाथ मन्दिर में मंगलवार को बैकुंठ एकादशी के अवसर पर बैकुंठ द्वार को खोला गया। वर्ष में एक बार खुलने वाले बैकुंठ द्वार पर विराजमान हो कर भगवान ने भक्तों को दर्शन दिए। मान्यता है कि बैकुंठ द्वार से जो भक्त निकलता है उसे बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है। बैकुंठ उत्सव की शुरूआत देर रात भगवान रंगनाथ की मंगला आरती से हुई। इसके बाद सुबह ब्रह्म मुहूर्त में भगवान रंगनाथ माता गोदा जी के साथ परंपरागत वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि के मध्य निज मन्दिर से पालकी में विराजमान हो कर बैकुंठ द्वार पहुंचे। यहां भगवान रंगनाथ की पालकी करीब आधा घंटे तक द्वार पर खड़ी रही। भगवान रंगनाथ की सवारी बैकुंठ द्वार पर पहुंचने पर मंदिर के महंत गोवर्धन रंगाचार्य के नेतृत्व में सेवायत पुजारियों ने पाठ किया। करीब आधा घण्टे तक हुए पाठ और अर्चना के बाद भगवान रंगनाथ, शठ कोप स्वामी,नाथ मुनि स्वामी और आलवर संतों की कुंभ आरती की गई। वैदिक मंत्रोचार के मध्य हुए पूजा पाठ के बाद भगवान रंगनाथ की सवारी मन्दिर प्रांगड़ में भृमण करने के बाद पौंडानाथ मन्दिर जिसे भगवान का निज धाम बैकुंठ लोक कहा जाता है में विराजमान हुई। यहां मन्दिर के लोगों ने भगवान को भजन गा कर सुनाए। बैकुंठ द्वार से निकलने की चाह में लाखों भक्त रात से ही मन्दिर परिसर में एकत्रित होना शुरू हो गए। मन्दिर के पुजारी स्वामी राजू ने बताया कि 21 दिवसीय बैकुंठ उत्सव में 11वें दिन बैकुंठ एकादशी पर्व पर बैकुंठ द्वार खोला जाता है। यह एकादशी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ एकादशियों में से एक मानी जाती है। मान्यता है कि बैकुंठ एकादशी पर जो भी भक्त बैकुंठ द्वार से निकलता है उसे बैकुंठ धाम की प्राप्ति होती हैं। मन्दिर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनघा श्री निवासन ने बताया कि अलवार आचार्य बैकुंठ उत्सव के दौरान अपनी रचित गाथाएं भगवान को सुनाते हैं। बैकुंठ एकादशी के दिन दक्षिण के सभी वैष्णव मन्दिरों में बैकुंठ द्वार ब्रह्म मुहूर्त में खुलता है। इसी परम्परा का निर्वाहन वृन्दावन स्थित रंगनाथ मन्दिर में किया जाता है। वर्ष में एक बार खुलने वाले बैकुंठ द्वार पर बेहद ही आकर्षक सजावट की गई। द्वार को सजाने के लिए करीब एक हजार किलो से ज्यादा विभिन्न प्रजाति के फूल वृंदावन,दिल्ली और बैंगलुरू से मंगाए गए। इसके साथ ही बैकुंठ लोक में की गई लाइटिंग अहसास करा रही थी कि जैसे भगवान बैकुंठ धाम में विराजमान हों। बैकुंठ एकादशी के अवसर पर भगवान रंगनाथ के दर्शन कर भक्त आनंदित हो उठे। बैकुंठ एकादशी पर बैकुंठ द्वार खुलने के पीछे मान्यता है कि दक्षिण भारत के अलवार संतों ने भगवान नारायण से जीवात्मा के उनके निज बैकुंठ जाने के रास्ता के बारे में पूछा। जिस पर भगवान ने बैकुंठ एकादशी के दिन बैकुंठ द्वार से निकलने की लीला दिखाई। यह परंपरा आज भी श्री रंगनाथ मंदिर में पारंपरिक नियमानुसार मनाई जा रही है। रंगनाथ मंदिर में खुले बैकुंठ द्वार से निकलने और भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों की संख्या में उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। सुरक्षा व्यवस्था की कमान सीओ सदर संदीप सिंह,कोतवाली प्रभारी संजय पांडे और निरीक्षक क्राइम धर्मेंद्र कुमार ने संभाली। बैकुंठ उत्सव में मंदिर प्रबंधन द्वारा श्रद्धालुओं को सर्दी से राहत देने के लिए बेहतर इंतजाम किए। रास्ते में मैट बिछवाई तो जगह जगह अलाव भी रखवाए गए।

नए साल के स्वागत में काशी तैयार, गोदौलिया से मंदिर तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। नए साल के स्वागत को लेकर काशी नगरी पूरी तरह शिवमय हो चुकी है। बाबा विश्वनाथ के दर्शन और गंगा आरती में शामिल होने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालुओं का सैलाब वाराणसी पहुंच रहा है। 25 दिसंबर से ही लगातार लाखों की संख्या में लोग काशी आ रहे हैं और जैसे-जैसे नया साल नजदीक आ रहा है, यह संख्या कई गुना बढ़ती जा रही है। इसी को देखते हुए काशी में हाई अलर्ट घोषित किया गया है और सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं। गोदौलिया से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर तक पूरे रास्ते में बैरिकेडिंग की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई रास्तों को बदला गया है और अलग-अलग डाइवर्जन प्वाइंट बनाए गए हैं। पुलिस प्रशासन लगातार अनाउंसमेंट करवा रहा है ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो और वे आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। एसीपी अतुल अंजन त्रिपाठी ने बताया कि 25 दिसंबर से ही देश और विदेश से श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लेने आ रहे हैं और नववर्ष पर संख्या ज्यादा बढ़ने का अनुमान है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बैरिकेडिंग, डाइवर्जन और नो-व्हीकल जोन बनाए गए हैं। मंदिर और घाटों के आसपास के संवेदनशील इलाकों पर खास नजर रखी जा रही है। घाट क्षेत्र में ड्रोन कैमरों के जरिए निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही सिविल पुलिस, पीएसी और पैरामिलिट्री फोर्स की भी तैनाती की गई है। कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। कई पेट्रोलिंग पार्टियां लगातार मंदिर परिसर और घाटों के आसपास गश्त कर रही हैं। महिलाओं की भारी भीड़ को देखते हुए महिला पुलिस बल को भी विशेष रूप से तैनात किया गया है।

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशासन सख्त, बनेगी जिला स्तरीय निगरानी समिति

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में छात्र मानसिक स्वास्थ्य नियमों की निगरानी एवं प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और शैक्षणिक प्रगति के साथ उनके भावनात्मक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि शासन के निर्देशों के अनुपालन में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की निगरानी के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। यह समिति नियमित रूप से स्कूलों और महाविद्यालयों का निरीक्षण करेगी, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी छात्र तनाव, अवसाद या अकेलेपन से ग्रस्त न रहे। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि सभी शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं की समय पर पहचान के लिए नियमित स्क्रीनिंग और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएं। उन्होंने सभी सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थानों में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी ह्यपरखह्ल और ह्यमनोदर्पणह्ल गाइडलाइंस का अक्षरशः पालन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक उच्च माध्यमिक विद्यालय और महाविद्यालय में एक समर्पित ह्यछात्र सहायता कक्षह्ल (र३४ील्ल३ र४स्र्स्र्ङ्ग१३ उी'') एवं हेल्प डेस्क स्थापित की जाए, जहां छात्र बिना संकोच अपनी समस्याएं साझा कर सकें। साथ ही शिक्षण संस्थानों में योग, ध्यान, तनाव प्रबंधन कार्यशालाओं और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का नियमित आयोजन सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित प्रशिक्षण देने तथा अभिभावकों की सहभागिता बढ़ाने पर भी जोर दिया। इसके अलावा सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन नंबरों का प्रदर्शन अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरण यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी विमल चौबे, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेश्वर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्नी पर चाकू से हमला करने वाला पति गिरफ्तार
वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-1 क्षेत्र में घरेलू विवाद ने एक बार फिर खौफनाक रूप ले लिया। पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी पति को थाना फेस-1 पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्टेंसिल चाकू भी बरामद किया है। पुलिस की इस कार्रवाई को लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के माध्यम से अंजाम दिया गया। थाना फेस-1 पुलिस के अनुसार, 29 दिसंबर 2025 को पुलिस टीम ने सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त प्रवीन कुमार उर्फ पिन्टू को सेक्टर-10 स्थित बिजली घर पार्क के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान प्रवीन कुमार उर्फ पिन्टू (32), पुत्र इन्द्रदेव प्रसाद, निवासी जेजे कॉलोनी, सेक्टर-10, थाना फेस-1, गौतमबुद्ध नगर के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि उसकी पत्नी से घरेलू बातों को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। आरोपी के मुताबिक, दिनांक 27 दिसंबर को भी उसकी पत्नी उससे झगड़ा कर रही थी। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर उसने अपने पास रखे चाकू से पत्नी पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने के इरादे से पेट्रोल से चाकू को धोया और मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर आरोपी की तलाश तेज की और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में थाना फेस-1 में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल एक स्टेंसिल चाकू बरामद कर लिया है, जिसे साक्ष्य के रूप में जब्त किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

मैनेजर से कार लूटने के मामले में दो और गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। कासना कोतवाली पुलिस ने चीरसी गांव स्थित आरएमसी प्लांट के सामने एक मैनेजर से कार लूट की घटना में शामिल दो और बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोमवार की रात दो बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि 24 दिसंबर को बाइक सवार बदमाशों ने चीरसी गांव के रहने वाले कंस्ट्रक्शन साइट के मैनेजर नवीन कुमार से कार लूट की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस घटना के बाद से लुटेरों की तलाश में जुटी थी। सोमवार की शाम कासना कोतवाली पुलिस ने दो लुटेरों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था इसके अलावा इनसे पूछताछ के बाद घटना में शामिल दो और बदमाशों की गिरफ्तारी की गई है। इनकी पहचान धर्मेंद्र यादव निवासी एटा और अनुराग उर्फ अनु निवासी बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि चारों आरोपियों ने मिलकर लूट की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने उनके पास से घटना में प्रयुक्त बाइक लूटी गई कर पीड़ित के पर्स में रखे कागजात बरामद किए गए हैं।

वाहन की टक्कर से एक की मौत

दादरी। दादरी बाईपास पर एक अज्ञात वाहन ने अज्ञात व्यक्ति को कुचल दिया। हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। दादरी बाईपास पर चिटहेरा गांव के समीप ढाबा चलाने वाले एक युवक संदीप ने मुकदमा दर्ज करवाया है। संदीप ने पुलिस को बताया कि उसके ढाबे के सामने सोमवार को किसी अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे एक व्यक्ति को कुचल दिया। हादसे में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

फुफेरे भाई ने किशोरी से दुष्कर्म किया

ट्रांस हिंडन। टीला मोड़ थानाक्षेत्र में रहने वाली किशोरी ने फुफेरे भाई पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। टीला मोड़ थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी में किशोरी परिवार के साथ रहती है। पास में ही उसकी बुआ का घर है। पुलिस के मुताबिक 20 दिसंबर को पीड़िता अपनी बुआ के घर गई थी। यहां उसका फुफेरा भाई मोबाइल पर गंदे वीडियो देख रहा था। आरोपी ने किशोरी को अपने कमरे में बुलाया और गंदे वीडियो दिखाकर उससे दुष्कर्म किया। साथ ही शिकायत करने पर बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी। इस कारण पीड़िता सहम गई और घर पहुंचकर शांत रही। सोमवार को पीड़िता ने अपनी भाभी को इस बारे में बताया, जिसके बाद उसकी मां ने थाने पहुंचकर शिकायत की। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके बयान के आधार पर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हत्या के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

मुरादनगर। नगर की मेन बाजार में सिर में गोली मारकर की गई इमरान की हत्या के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया। रंजिश के चलते हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने इस मामले में किशोर को पहले ही हिरासत में लेकन न्याय किशोर बोर्ड में भेज दिया था। इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। एसीपी मसूरी सर्किल कार्यवाहक अमित सक्सेना ने बताया कि हत्या के मामले में एक और आरोपी कैफ गाजी निवासी निवासी कोट कॉलोनी को गिरफ्तार किया है।

सघन मत्स्य पालन को मिलेगा तकनीकी संबल, महिला लाभार्थियों के लिए एरेशन सिस्टम योजना लागू

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। मत्स्य विभाग द्वारा सघन मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एरेशन सिस्टम की स्थापना परियोजना संचालित की जा रही है। सहायक निदेशक मत्स्य नीतू सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत यह योजना राज्य सेक्टर (महिला लाभार्थियों हेतु) लागू की गई है, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत सघन मत्स्य पालन में एरेशन सिस्टम की स्थापना कर तालाबों में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाई जाएगी, जिससे मछली उत्पादन में वृद्धि और मृत्यु दर में कमी आएगी। यह योजना महिला मत्स्य पालकों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ऑनलाइन आवेदन के लिए विभागीय पोर्टल ttp:// fisheries.up.gov.in को 07 जनवरी 2026 तक खोला गया है। योजना से संबंधित परियोजना विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेख एवं अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट ttp://fisheries.up.gov.in पर उपलब्ध है। सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि पूर्व वर्षों में निरस्त अथवा प्रतीक्षारत रहे आवेदक भी इस योजना में पुनः आवेदन कर सकते हैं। साथ ही यदि भविष्य में योजना में कोई संशोधन होता है तो संशोधित प्रावधान ही मान्य होंगे। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक लाभार्थी मत्स्य विभाग के जनपदीय कार्यालय, निकट रोडवेज, कलेक्ट्रेट रोड, बिजनौर में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर सकते हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूंका पुतला

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा।अतरासी रोड पर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन किया और बांग्लादेश का पुतला दहन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे युवा भाजपा नेता आकाश चौधरी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लगातार हिंसा, अत्याचार और शोषण हो रहा है। हिंदुओं के घर जलाए जा रहे हैं, दुकानों को तोड़ा जा रहा है और वे भय के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी कई बार हिंदुओं को निशाना बनाया गया है, जिससे पूरा देश चिंतित है।आकाश चौधरी ने कहा कि बांग्लादेश में चारों ओर अराजकता का माहौल है और हिंदुओं पर हो रही बर्बरता को तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि बांग्लादेश में रह रहे हिंदू परिवारों की जान-माल, घरों और दुकानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा वहां हो रहे अत्याचार और शोषण को समाप्त कराया जाए। पुतला दहन कार्यक्रम में मनदीप नौरंगी, अरुण देहरा, गौरव प्रजापति, मनोज कुमार चौधरी, सौरभ चौधरी, अंतिम चौधरी, अजीत चौधरी, आशीष चौधरी, अमन चौधरी, विशेष चौधरी, विशाल चौधरी, प्रदीप चौधरी, आदित्य चौधरी, अनिकेत सिंह, दिग्विजय चौधरी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खनन डंपर ट्रैक्टर भिड़ंत में चालक की मौत
जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। नजीबाबाद कोटद्वार मार्ग पर ग्राम जसवंतपुर उर्फ लुकादड़ी गांव के सामने खनन सामग्री से भरे डंपर और ट्रैक्टर की भीषण टक्कर में ट्रैक्टर चालक की मौत के मामले को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर के निर्देशों पर घटना की विस्तृत जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया गया है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वान्या सिंह ने बताया कि गठित समिति में उप जिलाधिकारी नजीबाबाद, क्षेत्राधिकारी पुलिस नजीबाबाद तथा खान निरीक्षक को शामिल किया गया है। समिति दुर्घटना के कारणों, जिम्मेदारी, वाहन की वैधता, खनन नियमों के अनुपालन तथा संभावित लापरवाही के सभी पहलुओं की जांच करेगी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह भी देखा जाएगा कि डंपर अनुमन्य भार सीमा के भीतर था या नहीं, चालक के पास आवश्यक परमिट व दस्तावेज उपलब्ध थे या नहीं तथा खनन परिवहन से जुड़े नियमों का पालन किया गया या नहीं। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से मृतक चालक के परिजनों में शोक व्याप्त है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर खनन डंपरों की तेज रफ्तार और लापरवाह संचालन के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन प्रभावी नियंत्रण के अभाव में स्थिति जस की तस बनी हुई है। प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने तक संबंधित खनन गतिविधियों और परिवहन व्यवस्था की भी समीक्षा की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। जांच समिति से शीघ्र रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षा का नया आयाम: मुरादाबाद में डीपीएस की नई शाखा, स्योहारा में दिखा उत्साह

डीपीएस का विस्तार, 10 एकड़ में बनेगा विश्वस्तरीय स्कूल, अभिभावकों को दी गई जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा के कुरी हाउस में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) की सपोर्टिंग टीम ने मुरादाबाद में खुल रही नई शाखा में दी जाने वाली उत्कृष्ट शिक्षा एवं अत्याधुनिक सुविधाओं की जानकारी अभिभावकों को दी।

स्योहारा। देश की प्रतिष्ठित इंग्लिश मीडियम शिक्षण संस्था दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) की टीम ने स्योहारा पहुंचकर अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों से संवाद किया। इस दौरान टीम ने जनपद मुरादाबाद के कांठ रोड स्थित कुचावली में डीपीएस की नई शाखा इसी वर्ष प्रारंभ होने की जानकारी दी तथा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने की घोषणा की। कुरी हाउस, स्योहारा में आयोजित बैठक में डीपीएस की तकनीकी टीम के प्रमुख सदस्यों में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुदर्शन सोनार, एचआर हेड कमलेश पंत, एडमिन हेड कुलदीप भंडारी, कुबैर ग्रुप के एमडी चौधरी भूदेव सिंह, रीना सहगल, मोहम्मद याकूब सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। टीम ने एलईडी स्क्रीन के माध्यम से डीपीएस द्वारा प्रदान की जाने वाली उच्च स्तरीय शिक्षा, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्र-केंद्रित सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, डीपीएस मुरादाबाद लगभग 10 एकड़ के विशाल परिसर में स्थापित होगा। यह विद्यालय सीबीएसई से संबद्ध होगा और नर्सरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा प्रदान करेगा। विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिनमें बेबी पूल, मिनी ओलंपिक साइज स्विमिंग पूल, लॉन टेनिस, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, पिकल बॉल कोर्ट, शूटिंग रेंज, तीरंदाजी, इंडोर बैडमिंटन कोर्ट और पूल गेम शामिल हैं। प्रत्येक कक्षा का आकार लगभग 1000 वर्ग फीट का होगा, वहीं छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु 5000 वर्ग फीट का भव्य ऑडिटोरियम भी बनाया गया है। पूरा कैंपस वातानुकूलित होगा। विद्यालय की सभी बसों में एसी, स्पीड गवर्नर, सीसीटीवी और जीपीएस की सुविधा पहले दिन से उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सुदर्शन सोनार ने कहा, हम मुरादाबाद के लिए शिक्षा के एक नए युग की शुरूआत कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट बनें, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें।ह्व बैठक में उपस्थित अभिभावकों और गणमान्य लोगों ने डीपीएस की नई शाखा के शुभारंभ पर विद्यालय के प्रो-वाइस चेयरमैन संदीप जैन को बधाई दी और इसे क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक एवं सराहनीय कदम बताया। कार्यक्रम में चौधरी जकी उर रहमान, नगर पालिका चेयरमैन फैसल वारसी, चौ. फहीम उर रहमान, वरिष्ठ पत्रकार नादिर त्यागी, फुरकान मलिक, नय्यर चौधरी, समीर अली, वली उर रहमान, हुकम सिंह (पूर्व चेयरमैन, गन्ना सोसायटी), राजपाल सिंह प्रजापति, अशोक चौधरी, प्रशांत सिंह, निशांत रस्तोगी, अभिषेक सिंह, आलोक चौधरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अभिभावकों ने बड़ी संख्या में अपने बच्चों के डीपीएस मुरादाबाद में प्रवेश की इच्छा जताई। कार्यक्रम के अंत में प्रो-वाइस चेयरमैन संदीप जैन एवं प्रधानाचार्य सुदर्शन सोनार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय भ्रमण का आमंत्रण दिया।

अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई से पहले वैधकॉलोनियों की भी हो जांच

जिला पंचायत के फैसले पर उठे नैतिक और प्रशासनिक सवाल

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। गांव-देहात में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाने के जिला पंचायत के फैसले ने जहां प्रशासनिक सख्ती का संदेश दिया है, वहीं इस निर्णय ने नैतिकता और समान न्याय से जुड़े कई गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन कॉलोनियों को वैध घोषित किया गया है, वे खुद कितनी मानकों पर खरी उतरती हैं? यदि इस प्रश्न का स्पष्ट, दस्तावेजी और सार्वजनिक उत्तर जिला पंचायत और संबंधित विभागों के पास नहीं है, तो अवैध कॉलोनियों पर प्रस्तावित कार्रवाई चयनात्मक न्याय मानी जाएगी। बोर्ड बैठक में लिए गए अहम फैसले सोमवार को विकास भवन सभागार में आयोजित जिला पंचायत बोर्ड बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह ने की। बैठक में–वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना पारित की गई ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई का प्रस्ताव पास हुआ नगर पालिका सीमा से सटे ग्रामीण इलाकों में सफाई शुल्क लगाने का निर्णय लिया गया रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने पर सहमति बनी जर्जर भवनों को ध्वस्त कर नए सिरे से निर्माण का प्रस्ताव रखा गया बैठक का संचालन एएमए विकास मिश्रा ने किया। नैतिकता का सवालः पहले वैध कॉलोनियों का ऑडिट क्यों नहीं? अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई का निर्णय स्वागतयोग्य है, लेकिन विशेषज्ञों और जनप्रतिनिधियों का मानना है कि–क्या सभी वैध कॉलोनियों में नियमानुसार सड़कें, नालियां और जल निकासी मौजूद हैं? क्या पार्क, हरित पट्टी और सामुदायिक स्थल वास्तव में विकसित किए गए हैं? क्या पर्यावरणीय और अग्निशमन मानकों का पालन हुआ है? यदि वैध कॉलोनियों में भी नियमों का उल्लंघन है, तो केवल अवैध कॉलोनियों को निशाना बनाना दोहरी नीति को दर्शाता है। अधिकारियों की गैरहाज़िरी पर नाराजगी बैठक में वन विभाग के डीएफओ और एसडीओ की गैरमौजूदगी पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। जिला पंचायत अध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पिछली बैठक में भी संबंधित अधिकारी उपस्थित नहीं थे। एक सदस्य द्वारा यह कहे जाने पर कि अधिकारी कार्यालय में ही मौजूद हैं, बैठक में माहौल और गर्म हो गया। यह स्थिति प्रशासनिक जवाबदेही की कमी को उजागर करती है। पेड़ कटान और कॉलोनाइजरों पर गंभीर आरोप बैठक में यह मुद्दा भी उठा कि–आम किसान को पेड़ काटने की अनुमति नहीं मिलती जबकि कॉलोनाइजरों को कथित रूप से रात में पेड़ काटने की छूट मिल जाती है यह आरोप वन विभाग और कॉलोनाइजरों के बीच संभावित गठजोड़ की ओर संकेत करता है, जिस पर निष्पक्ष जांच की मांग उठी। गुलदार पकड़ने के पिंजरों पर पंचायत की सफाई वन विभाग के रेंजर ने बताया कि इस वर्ष 21 गुलदार पकड़े गए, जिनमें से 11 जिला पंचायत द्वारा उपलब्ध कराए गए पिंजरों में फंसे। इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि–पिंजरों की खरीद में न तो भ्रष्टाचार हुआ और न ही गुणवत्ता से कोई समझौता। बैठक में ये रहे मौजूद बैठक में नूरपुर विधायक रामातौर सैनी, ब्लॉक प्रमुख बिजेंद्र सिंह (हल्दौर), पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनोद राठी, जिला पंचायत सदस्य और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। निष्कर्षः नियम सबके लिए समान हों जिला पंचायत का अवैध कॉलोनियों पर सख्त रुख तब ही प्रभावी और नैतिक माना जाएगा, जब–सभी वैध कॉलोनियों का भी भौतिक सत्यापन कराया जाए मानकों की सार्वजनिक रिपोर्ट जारी हो नियमों का उल्लंघन करने वाले कॉलोनाइजरों और जिम्मेदार अधिकारियों पर समान कार्रवाई हो जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक बुलडोजर से ज्यादा सवाल भारी रहेंगे।

नया हाथरस यमुना एक्सप्रेसवे के नजदीक बसेगा

ग्रेटर नोएडा। नया हाथरस अर्बन सेंटर यमुना एक्सप्रेसवे के नजदीक बसाने की तैयारी है। शहर का मास्टर प्लान 2041 के लिए टेक्निकल बिड में तीन कंपनियों ने क्वालिफाई किया है। अब वित्तीय बिड में क्वालिफाई करने वाली कंपनी शहर का मास्टर प्लान तैयार करेगी। प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि फेज-2 के तहत हाथरस का मास्टर प्लान तैयार करने के लिए तीन कंपनियों ने आवेदन किया था, इनमें आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट लिमिटेड, गरुणा यूएसबी सॉफ्ट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड और एलईए एसोसिएट साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड ने सीईओ आरके सिंह की अध्यक्षता में गठित कमेटी के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया था, जिसमें तीनों ने क्वालिफाई कर लिया है। अब जल्द ही वित्तीय बिड निकाली जाएगी। जिसके बाद किसी एक कंपनी का चयन कर पहले सिर्फ 4000 हेक्टेयर का मास्टर प्लान तैयार कराया जाएगा जोकि सिर्फ एक्सप्रेसवे के नजदीक का होगा। प्राधिकरण का मानना है कि शहर की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए पहले यमुना एक्सप्रेसवे के पास में ही औद्योगिक गतिविधियां कराई जाएगी, इसके बाद आगे की रणनीति तैयार होगी। ब्रिटिश काल में औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र रहा ऐतिहासिक रूप से हाथरस ब्रिटिश काल में एक बड़ा औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र रहा। हालांकि समय बीतने के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सुविधाओं के अभाव में इसका महत्व घट गया। एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में हाथरस जिले में एमएसएमई (लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग) और कुटीर उद्योग प्रमुख हैं। जिले में लगभग 10,293 उद्योग पंजीकृत हैं। उद्योगों का अधिकतर हिस्सा क्लस्टर (समूह) के रूप में विकसित है और उद्योग कम निवेश में ज्यादा रोजगार देने वाले हैं। प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में हाथरस के 358 गांव शामिल हैं। हाथरस में अलीगढ़ और आगरा के मुकाबले बेहतर सड़क संपर्क है। नए शहर का एनएच 93 और यमुना एक्सप्रेसवे के जरिए एसएच 33 से जुड़ाव है। साथ ही हाथरस (जंक्शन) पर दो रेल लाइनें मिलती है। हालांकि, कुछ कमजोरियां भी है। यहां पर आंतरिक सड़कों का अभाव है। साथ ही पर्याप्त बिजली, जल आपूर्ति, सीवरेज की कमी है। इसके अलावा स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं व मनोरंजन की सुविधाओं का भी बड़ा अभाव है। हाथरस जिले में मौजूद उद्योग क्लस्टर उद्योग-इकाई कांच की चूडियां निर्माण-3300 घुंघरू निर्माण-3124 होजरी एवं कपड़ा-1600 हस्तशिल्प-850 कोल्ड स्टोरेज-140 धातु शिल्प-85 रंग और डाई-40 दाल मिल-35 हींग निर्माण-32 आयुर्वेदिक दवा-30 अचार-16 बोटलिंग प्लांट व डेयरी 03

स्मैक तस्करी के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। नगर कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों महिलाओं के पास से स्मैक की 1170 पुड़िया बरामद हुईं। पुलिस का कहना है कि दोनों महिलाएं दिल्ली के न्यू सीमापुरी की रहने वाली हैं। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि नगर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक तिरेंद्र कुमार सोमवार को पुलिस टीम के साथ सिविल लाइन के हिंदनगर क्षेत्र में वाहन चेकिंग और संदिग्धों की तलाश के लिए गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि चिपियाना फाटक की ओर से दो महिलाएं थैले लेकर आ रही हैं, जिनमें स्मैक होने की संभावना है। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी कर दोनों महिलाओं को रोका और उनके थैलों की तलाशी ली तो उनमें स्मैक की पुड़िया बरामद हुईं। एसीपी के मुताबिक महिलाओं की पहचान न्यू सीमापुरी दिल्ली निवासी काजल और मुस्कान के रूप में हुई। मुस्कान के पीले रंग के थैले से स्मैक की 510 पुड़िया, जबकि काजल के थैले से 660 पुड़िया बरामद हुईं। दोनों ने स्वीकार किया कि वह स्मैक दिल्ली से खरीदकर फुटकर में बेचती हैं और इसी के सहारे अपना खर्च चलाती हैं। सप्लायर का नाम बताने से इनकार किया एसीपी कोतवाली के मुताबिक महिला पुलिसकर्मियों ने आरोपी महिलाओं से स्मैक सप्लायर के बारे में पूछा तो उन्होंने नाम बताने से इनकार कर दिया। इसके बाद बरामद स्मैक को सील कर दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया। एसीपी का कहना है कि दोनों महिलाओं के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट के तहत केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। स्मैक की सप्लाई करने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही दोनों महिला तस्करों का आपराधिक इतिहास भी पता किया जा रहा है। एसीपी का कहना है कि नशे के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और तस्करी से जुड़े नेटवर्क की कड़ियों को खंगाला जा रहा है।

रेस्तरां में तोड़फोड़, लूट का भी प्रयास

गाजियाबाद। ऑनलाइन डिलीवरी के विवाद में कुछ युवकों ने राजनगर एक्सटेंशन में स्थित रेस्तरां में घुसकर तोड़फोड़ की। इस दौरान आरोपियों ने रेस्तरां के कर्मचारियों के साथ मारपीट करते हुए लूट का प्रयास भी किया। शिकायत पर नंदग्राम पुलिस ने तीन नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव सैंथली निवासी शुजल त्यागी का कहना है कि 28 दिसंबर की रात करीब दस बजे वह राजनगर एक्सटेंशन स्थित मिठास रेस्तरां के ऑनलाइन डिलीवरी काउंटर पर ड्यूटी पर मौजूद थे। उसी समय मयंक अपने एक अन्य साथी के साथ पहुंचा और मोहम्मद आबिद नाम के व्यक्ति के बारे में पूछताछ करने लगा। कर्मचारियों द्वारा कई बार यह कहने के बावजूद कि रेस्तरां में इस नाम का कोई व्यक्ति मौजूद नहीं है, मयंक बार-बार यही सवाल करता रहा। आरोप है कि मयंक वापस लौट गया, लेकिन कुछ देर बाद वह चार-पांच युवकों के साथ दोबारा वहां पहुंचा। शुजल त्यागी के मुताबिक इनमें मयंक, भीमा और सोहित भी शामिल थे, जो सभी सैंथली गांव के रहने वाले हैं। आरोप है कि सभी ने काउंटर पर खड़े कर्मचारियों से गाली-गलौज शुरू कर दी। शोर-शराबा बढ़ने पर रेस्तरां मैनेजर आशु शर्मा एवं अन्य कर्मचारी बाहर निकले और मामले को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने मैनेजर और स्टाफ पर हमला कर दिया। आरोप है कि इसके बाद हमलावर रेस्तरां के भीतर घुस आए और लाठी-डंडों और पत्थरों से काउंटर, दरवाजे, कंप्यूटर सिस्टम और अन्य सामान क्षतिग्रस्त कर दिया। इससे रेस्तरां की मशीनरी, फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचा।

हत्या करने वाले दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

लोनी। अंकुर विहार पुलिस ने युवक के सीने में गोली मारकर हत्या करने वाले 25 हजार के इनामी दो बदमाशों को सोमवार देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की अल्वी नगर कॉलोनी स्थित लकड़ी के गोदाम में 11 दिसंबर की शाम दोस्तों और ताऊ के पुत्र के साथ दावत कर रहे 19 वर्षीय शिवम उर्फ लालू निवासी एसएलएफ की बाइक सवार चार बदमाशों ने सीने में गोली मारकर हत्या कर दी थी। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मामले में परिजनों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। जांच के दौरान पता चला कि बदमाश सुहेल उर्फ मन्नू और उसके तीन साथियों शान, अफसर और शहजाद ने शिवम के पास मौजूद अवैध पिस्टल छीनने के लिए घटना को अंजाम दिया था। मामले में पुलिस ने 22 दिसंबर को दो बदमाशों अफसर और शहजाद को मुठभेड़ के बाद दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे के पास से गिरफ्तार किया था। इसमें एक बदमाश अफसर पैर में गोली लगने से घायल हो गया था। वहीं, घटना के मुख्य आरोपी मन्नू और उसका साथी शान फरार थे। गाजियाबाद पुलिस ने दोनों बदमाशों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया था। एसीपी ने बताया कि सोमवार रात पुलिस को दोनों बदमाशों के बाइक से खन्ना नगर कॉलोनी आने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने रामलीला मैदान के सामने जांच शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने बाइक सवार दो युवकों को रुकने का इशारा किया। इस पर बाइक सवार युवकों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में बदमाश सुहेल उर्फ मन्नू निवासी डाबर तालाब के दाएं पैर में और शान निवासी प्रेम नगर के बाएं पैर में गोली लगी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया। एसीपी ने बताया कि मन्नू उर्फ सुहैल हिस्ट्रीशीटर बदमाश हैं। इन पर लूट, हत्या, हत्या का प्रयास, बलवा आदि के करीब डेढ़ दर्जन मुकदमे और शान पर हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी समेत सात मुकदमे पंजीकृत है। आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए छीनी थी पिस्टल एसीपी ने बताया कि चारों बदमाश किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देना चाहते थे। इसके लिए उन्हें पिस्टल की आवश्यकता थी। जांच में पता चला कि बदमाशों को शिवम के पास पिस्टल होने की जानकारी थी। पिस्टल छीनने के लिए ही युवक की हत्या की गई थी। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मोबाइल और पिस्टल लेकर फरार हो गये थे।

संक्षिप्त खबरें

कोहरे के कारण दो ट्रेन रद्द, यात्री रहे परेशान

गुरुग्राम। कोहरे के कारण मंगलवार को जिले रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनें देरी से संचालित हुईं। इससे लोकल रूट पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेनें भी समय पर नहीं चल सकीं, जिससे नियमित यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों को रेल की देरी के कारण बस, कैब व ऑटो का सहारा लेना पड़ा। इसमें गाड़ी संख्या 09713 शकूरबस्ती स्पेशल ट्रेन करीब एक घंटे 27 मिनट, अजमेर जंक्शन से जम्मू तवी तक जाने वाली गाड़ी संख्या 12413 पूजा एक्सप्रेस लगभग एक घंटे 41 मिनट लेट रही। गाड़ी संख्या 54411 रेवाड़ी से मेरठ पैसेंजर 35 मिनट लेट संचालित रही। 14086 हरियाणा एक्सप्रेसवे चार घंटे देर से पहुंची। वहीं गाड़ी संख्या 74036 फर्रुखनगर से दिल्ली सराय रोहिला और सैट्रोड से दिल्ली जंक्शन जाने वाली पैसेंजर ट्रेन रद्द रही।

स्वच्छता और वायु संरक्षण का दिया गया संदेश

गुरुग्राम। स्वच्छ, स्वस्थ और प्रदूषण मुक्त शहर के संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से मिशन प्रदूषण मुक्त गुरुग्राम के अंतर्गत नगर निगम गुरुग्राम की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप नितिन विहार व हंस एन्क्लेव में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों को कचरा प्रबंधन और वायु संरक्षण के महत्व के बारे में सरल और प्रभावी तरीके से जागरूक किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम गुरुग्राम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर कुलदीप हिन्दुस्तानी एवं बुलंद आवाज वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य विकास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

फ्लाइंग फाल्कन्स ने टीम सोल को 76 रन से हराया

गुरुग्राम। एसकेएस स्पोर्ट्स ग्राउंड पर मंगलवार को खेले गए मैच में फ्लाइंग फाल्कन्स ने टीम सोल को 76 रन से हराया। फ्लाइंग फाल्कन्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 233 रन बनाए। वहीं, टीम सोल 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 157 रन ही बना सकी। टॉस जीतकर टीम सोल ने पहले गेंदबाजी चुनी। फ्लाइंग फाल्कन्स की ओर से बल्लेबाजी में राहुल राठी ने 49 गेंद पर 60 रन बनाए। टीम सोल की ओर से गेंदबाजी में प्रतीक मल्होत्रा ने 41 रन देकर 2 विकेट लिए। टीम सोल की ओर से बल्लेबाजी में मृगांश ने 26 गेंद में 38 रन का योगदान दिया। फ्लाइंग फाल्कन्स की ओर से गेंदबाजी में कुणाल गुलाटी ने 3 विकेट लिए।

चर्च में न्यू ईयर की प्रार्थना सभा आज

गुरुग्राम। शहर के प्रमुख चर्च में बुधवार को मध्यरात्रि और बृहस्पतिवार की सुबह न्यू ईयर की विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा। सिविल लाइंस स्थित चर्च ऑफ एपिफेनी में बुधवार को साल के अंतिम दिन रात 11.30 बजे वॉच नाइट सर्विस हो, जो न्यू ईयर की घोषणा तक चलेगी। एक जनवरी 2026 को सुबह 9.30 बजे हिंदी और अंग्रेजी में प्रार्थना सभा होगी। चर्च के प्रीस्ट रेवरन प्रतीक पिल्लई ने बताया कि छह जनवरी को चर्च के स्थापना दिवस पर खास कार्यक्रम होंगे। वहीं, कन्हई स्थित चर्च ऑफ इमाकुलेट कांशेप्सन में रात 9 बजे और न्यू कॉलोनी स्थित सेंट माइकल चर्च में रात को 9.30 बजे शुरू होगी।

खाते से निकाले 1.90 लाख रुपये

गुरुग्राम। जालसाज ने फर्नीचर का काम करने वाले व्यक्ति के बैंक खाते से 1.90 लाख रुपये निकाल लिए। जालसाज ने नेट बैंकिंग का प्रयोग कर खाते से रुपये निकालने की वारदात को अंजाम दिया। सेक्टर-83 निवासी मोहम्मद आरिफ रजा ने खाते से रुपये निकालने की शिकायत साइबर अपराध थाना मानेसर में दी है। मोहम्मद आरिफ रजा के मोबाइल पर कोई ओटीपी भी नहीं आया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ साइबर अपराध थाना मानेसर में धारा 318(4) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

एचआर26जीबी सीरीज के लिए पंजीकरण शुरू

गुरुग्राम। गुरुग्राम के एसडीएम एवं वाहन पंजीकरण के लिए अधिकृत रजिस्ट्रिंग अथॉरिटी परमजीत चहल ने बताया कि 30 दिसंबर से एचआर26जीबी नई सीरीज शुरू की गई है। इस नई सीरिज में अपने वाहनों का पंजीकरण करवाने के इच्छुक व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं।

डीएम ने रैन बसेरा, स्ट्रीट वेंडिंग जोन व विकास कार्यों का किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने मंगलवार को नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा संचालित विभिन्न जनहित व विकास कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरूआत सुबोध नगर में गरीबों, बेसहारा व निराश्रित व्यक्तियों के लिए बनाए गए रैन बसेरे से की गई। जिलाधिकारी ने पेयजल, महिला कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा रैन बसेरे में ठहरने वाले व्यक्तियों के रजिस्टर की जांच की। उन्होंने निर्देश दिए कि आगंतुकों की आने-जाने की पूर्ण प्रविष्टि की जाए तथा किसी भी असुविधा के लिए शिकायत नंबर दीवार पर अंकित किया जाए। साथ ही रैन बसेरे का संपर्क नंबर निकटवर्ती पुलिस चौकी को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इसके पश्चात रेलवे क्रॉसिंग पर फ्लाईओवर के नीचे प्रस्तावित स्ट्रीट वेंडिंग जोन का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने दुकानों के व्यवस्थित निर्माण, सुरक्षा मानकों के पालन, महिला व पुरुष शौचालय की अलग-अलग व्यवस्था तथा यातायात बाधित न हो इसके लिए समुचित पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य को 26 जनवरी 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। वार्ड संख्या-10, मोहल्ला गुलड़िया स्थित नंदनभवन/ऑक्सी वन का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने आम का पौधा रोपित किया और इसे बड़े स्तर पर विकसित करने के निर्देश दिए ताकि नागरिकों को शुद्ध पर्यावरण व भ्रमण स्थल उपलब्ध हो सके। इसके अलावा नई तहसील परिसर के निकट सरकारी भूमि पर प्रस्तावित तीन मंजिला व्यावसायिक परिसर की चिन्हित भूमि का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। मोहम्मदपुर में उपवन योजना के अंतर्गत प्रस्तावित थीम बेस गार्डन स्थल का निरीक्षण करते हुए कूड़ा निस्तारण के बाद शीघ्र पौधारोपण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए गए। अंत में जोया-अमरोहा मार्ग पर निर्माणाधीन नाले का निरीक्षण किया गया। अमरोहा ग्रीन के पास नाले के टेढ़े निर्माण पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए 50 से 60 मीटर तक का कार्य तत्काल रोकने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी श्री बृजेश कुमार, प्रशासनिक अधिकारी श्री शैलेंद्र शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नशे से दूर रहकर युवा अपने विकास पर ध्यान दें : अजय कुमार

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम ब्लॉक के गांव बाघनकी में जिला प्रशासन द्वारा रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त अजय कुमार ने स्वयं ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया। उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को नजदीक से समझना और उनका प्रभावी समाधान करना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान प्राप्त हर समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। ग्राम पंचायत से जुड़ी मांगों और समस्याओं पर भी पूरी गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। डीसी ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा लिखित रूप में दी गई सभी समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाएगा। जो समस्याएं प्रशासनिक स्तर पर हल हो सकती हैं, उनका त्वरित समाधान किया जाएगा। उच्च स्तर से संबंधित मामलों को भी समयबद्ध तरीके से निपटाया जाएगा। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लिए महिलाओं से किया संवाद डीसी अजय कुमार ने सरकार की महत्वाकांक्षी दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के पंजीकरण को लेकर उपस्थित महिलाओं से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं योजना की पात्रता को पूरा करती हैं वे अनिवार्य रूप से अपना पंजीकरण करवाएं, ताकि योजना का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि सरकार ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अधिकांश सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया है। डीसी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं की जानकारी पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि युवा जागरूक बनकर समाज और गांव के विकास में अहम योगदान दे सकते हैं। युवाओं को नशे से दूर रहने व खेलों से जुड़ने का संदेश कार्यक्रम में मौजूद डीएसपी मानेसर दीपक ने युवाओं को गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा नशे से दूर रहें, अपने सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें। खेलों से जुड़कर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को साइबर क्राइम से बचाव को लेकर भी जागरूक किया गया। उन्हें ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल और डिजिटल धोखाधड़ी से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया।

पलवल में जमीन की दोहरी रजिस्ट्री कर 60 लाख की धोखाधड़ी, महिला सहित तीन पर केस

प्रात: किरण संवाददाता

पलवल। पलवल जिले के होडल क्षेत्र में जमीन की खरीद-फरोख्त में बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक ही कृषि भूमि की दो बार रजिस्ट्री कराकर 60 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगा है। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने एक महिला सहित तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। होडल थाना प्रभारी राजेश कुमार ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि अंधुआ पट्टी होडल निवासी मैम वती ने शिकायत दी है कि वर्ष 2015 में रोहता पट्टी होडल के धर्मवीर ने अपनी आठ कनाल कृषि भूमि बेचने का प्रस्ताव दिया था। आरोपी ने जमीन को पूरी तरह साफ-सुथरी और अपने स्वामित्व की बताते हुए सौदा तय किया। मैम वती ने 9 फरवरी 2015 को 60 लाख रुपये में उक्त भूमि की रजिस्ट्री कराई। रजिस्ट्री के बाद जमीन का इंतकाल भी उनके नाम मंजूर हो गया और तब से वह भूमि पर काबिज व काश्तकार बनी हुई थीं। शिकायत के अनुसार नवंबर 2024 में धर्मवीर ने अपने रिश्तेदार बच्चू सिंह (निवासी महेशपुर) और लच्छो के साथ मिलकर साजिश रची और उसी जमीन पर पीछे से फसल की बिजाई कर दी। जब मैम वती ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने दावा किया कि उन्होंने यह जमीन 24 जून 2014 को खरीद ली थी, जिसकी रजिस्ट्री और इंतकाल उनके नाम पर है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने पहले की रजिस्ट्री और वास्तविक तथ्यों को जानबूझकर छिपाकर उनसे धोखाधड़ी की। जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगने या जमीन अपने नाम कराने की बात कही तो 10 अप्रैल 2025 को आरोपियों ने इनकार करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और अवैध आर्थिक लाभ से जुड़ा प्रतीत होता है। होडल थाना पुलिस ने धर्मवीर, बच्चू सिंह और लच्छो के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

फरीदाबाद : नववर्ष पर सुरक्षा को पुलिस सतर्क, हुड़दंगियों पर रहेगी नजर

1500 से अधिक पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात, 18 स्थान पर बनेंगे नाके

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। नववर्ष 2026 के आगमन को लेकर फरीदाबाद पुलिस पूरी तरह से सतर्क है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर शहर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और हुडदंगियों व उपद्रवियों से निपटने के लिए पुलिस ने पुख्ता बंदोबस्त किए है। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने सभी डीसीपी, एसीपी, थाना व चौकी प्रभारियों को इस बाबत विशेष दिशा निर्देश दिये हैं। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि 31 दिसंबर को नववर्ष के उपलक्ष्य पर कानून-व्यवस्था ड्यूटियां लगा दी गई है। सभी पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रबंधक, पुलिस चौकी प्रभारी व अपराध शाखा अपने-अपने क्षेत्र में फील्ड में मौजूद रहकर कानून व्यवस्था एवं शान्ति बनाये रखेंगें। हुड़दंगबाजो एवं शरारती तत्वों पर कार्रवाई करने तथा शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए 1500 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। सभी ईआरवी, राईडर अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी रखेंगे। सीमावर्ती राज्य/जिला बॉर्डर पर 9 स्थानों पर नाकाबंदी की जायेगी। सभी प्रबन्धक थाना अपने-अपने इलाका में 2/2 स्थानों पर नाकाबंदी करायेंगे तथा हुड़दंगबाजो के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। आबकारी अधिनियम के अनुसार होटलों, ठेको, रैस्टोरेंट इत्यादि पर विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अवैध शराब की बिक्री ना हो तथा शराब के ठेकों के सामने व सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन ना हो। उन्होंने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलने तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए यातायात पुलिस तैनात रहेगी। जिसके लिए जिला में 18 स्थानों पर ड्रिंकिंग ड्राइविंग के नाके लगाये गये हैं, जहां पर 100 से अधिक कर्मचारी ट्रैफिक कर्मचारी नियुक्त किये जाएंगे, इसके साथ ही मॉल, क्लब व कार्यक्रम स्थलों के आसपास भी 100 से अधिक ट्रैफिक कर्मचारी नियुक्त रहेंगे। ड्युटियों के संबंध में पुलिस उपायुक्त यातायात ने 29 दिसंबर को यातायात कर्मचारियों की मीटिंग ली है।

एसटीएफ के ऑपरेशन क्लीन में 804 खूंखार अपराधी गिरफ्तारतार

गुरुग्राम। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने साल 2025 के दौरान संगठित अपराध और विदेशी धरती से संचालित होने वाले आतंकी-गैंगस्टर नेटवर्क की कमर तोड़ दी है। एसटीएफ द्वारा जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने इस साल कुल 804 अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया, जिनमें 118 मोस्ट वांटेड (इनामी) और 470 खूंखार गैंगस्टर व उनके गिरोह के सदस्य शामिल हैं। विदेशी नेटवर्क पर प्रहार एसटीएफ ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर विदेशों में छिपे अपराधियों पर नकेल कसी। साल 2025 में कुल पांच कुख्यात गैंगस्टरों को प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया। इनमें गैंगस्टर जोगिंदर ग्योंग को फिलीपींस से भारत लगा गया और उस पर 38 मामलों में वांछित था। वहीं कजाखस्तान से कुणाल जून को भारत लाया गया और वह 19 मामलों में वांछित था। कंबोडिया से गैंगस्टर मेनपाल बदली 30 मामलों में वांछित था। गैंगस्टर नरेश नरसी को आर्मेनिया और लखविंदर लाखा अमेरिका को भी वापस लाया गया। इसके अलावा विदेश भागने की कोशिश करने वालों पर लगाम लगाते हुए 41 पासपोर्ट रद्द किए गए और 63 लुक-आउट सर्कुलर जारी किए गए। फिरौती के मामलों में 30 फीसदी की भारी कमी एसटीएफ की प्रभावी कार्रवाई का असर राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी दिखा। विदेशी हैंडलरों के नियंत्रण टूटने और स्थानीय नेटवर्क ध्वस्त होने के कारण साल 2024 की तुलना में 2025 में फिरौती के मामलों में लगभग 30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। हथियार और नशा तस्करों पर शिकंजा एसटीएफ ने साल भर में भारी मात्रा में अवैध हथियार और नशीले पदार्थ जब्त किए गए। एसटीएफ ने 76 पिस्टल, 112 देसी कट्टा, दो कार्बाइन, पांच हैंड ग्रेनेड और एक आईईडी बरामद किए गए। इसके अलावा 2344 किलोग्राम पोस्त भूसी, 458 किलोग्राम गांजा और 25 किलोग्राम अफीम जब्त की गई। मुठभेड़ और आतंकी साजिशों का भंडाफोड़ साल 2025 में अपराधियों के साथ 20 मुठभेड़ हुईं, जिसमें चार अपराधी मारे गए और 26 घायल हुए। मारे गए अपराधियों में दिशा पटानी के घर पर फायरिंग करने वाले शूटर और बीएसपी नेता की हत्या के आरोपी शामिल थे। एसटीएफ ने अयोध्या के राम मंदिर पर हमले की योजना बना रहे आतंकी और करनाल में ग्रेनेड हमले की साजिश रचने वाले मॉड्यूल्स का भी पदार्फाश किया।

गांव के विकास और स्वच्छता में सक्रिय योगदान दे ग्रामीण : आयुष सिन्हा

रात्रि ठहराव कार्यक्रम के माध्यम से फरीदाबाद प्रशासन ने मंझावली गांव में किया ग्रामीणों से संवाद

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। जिला प्रशासन फरीदाबाद की ओर से सोमवार रात्रि को मंझावली गांव में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा तथा डीसीपी राजकुमार ने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान पार्षद रेखा रानी और गांव के सरपंच सूरजपाल भूरा भी मौजूद रहे। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत की तरफ से सभी का फूल माला पहनाकर और पगड़ी बांधकर अधिकारियों का स्वागत किया गया। डीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि हरियाणा सरकार जनसेवा को समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर के साथ ही लोगों के घर द्वार उनकी जन सुनवाई करने के उद्देय से रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत प्रशासन गांव में पहुंच रहा है। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन हर समय नागरिकों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने के लिए तत्पर है। किसी भी नागरिक की किसी भी विभाग से संबंधित यदि कोई समस्या है तो वह बिना किसी हिचक के प्रशासन के समक्ष रखें, उनका समयबद्ध ढंग से समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे गांव के विकास में अपना योगदान दें। गांव के विकास में प्रत्येक नागरिक की भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गांव की साफ-सफाई रखना हमारे हाथ में है। अपने आसपास परिवेश में गंदगी का आलम न बनने दें। डीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद पात्र लोगों के लिए संचालित हैं। डीसीपी राजकुमार ने बताया कि गांव में नशे की समस्या को लेकर सर्वे किया गया है। जिसके तहत ग्रामीण स्तर पर एक समिति गठित की गई है, जिसमें स्थानीय लोगों को शामिल किया गया है, ताकि गांव को नशा मुक्त घोषित किया जा सके। अंत में सभी नागरिकों से फरीदाबाद को नशा मुक्त, अपराध मुक्त और सडक दुर्घटना मुक्त बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, डीडीपीओ प्रदीप कुमार सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

ट्रक से लाखों की चोरी में शामिल तीसरा आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा (मानेसर) ने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट के सामान से भरी गाड़ी से मोबाइल और अन्य कीमती सामान चोरी करने वाले गिरोह के मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी ने न केवल कंपनी को चूना लगाया, बल्कि अपने सगे भाई के ड्राइविंग लाइसेंस के साथ छेड़छाड़ कर नौकरी हासिल की थी। पैकिंग सील खोलकर उड़ाया सामान पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी 22 वर्षीय सचिन ने अपने साथियों जीतू और एक अन्य के साथ मिलकर इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया। गुरुग्राम के पथरेड़ी से सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) के लिए माल लेकर निकलते ही आरोपियों ने रास्ते में गाड़ी की पैकिंग सील को बड़ी सावधानी से खोला। उन्होंने बक्शों से मोबाइल फोन और टैबलेट निकाले और फिर सील को वापस चिपका दिया, ताकि हब पहुंचने तक किसी को शक न हो। भाई के नाम पर कर रहा था फजीर्वाड़ा जांच में सबसे हैरान करने वाली बात यह सामने आई कि पकड़ा गया आरोपी सचिन अपने भाई करण के नाम पर नौकरी कर रहा था। उसने अपने भाई के असली ड्राइविंग लाइसेंस को एडिट किया और उस पर अपनी फोटो लगाकर कंपनी में ड्राइवर की नौकरी हासिल की। यही कारण था कि शुरूआती शिकायत में ड्राइवर का नाम करण दर्ज कराया गया था। लाखों के फोन और टैबलेट बरामद 16 अगस्त को जब ट्रक सहारनपुर हब पहुंचा, तो स्टाफ ने सामान की गिनती में कमी पाई। इसके बाद केडी ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अब तक इस मामले में सचिन, जीतू और सोहेल सहित कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनके कब्जे से 12 मोबाइल फोन और एक टैबलेट बरामद किए जा चुके हैं। रिमांड के दौरान खुलेंगे और भी राज पुलिस ने आरोपी सचिन को याकूपुर, गुरुग्राम से काबू किया और उसे अदालत में पेश कर चार दिन की पुलिस हिरासत रिमांड पर लिया है। पुलिस को उम्मीद है कि रिमांड के दौरान चोरी किए गए अन्य सामान की बरामदगी और इस गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकेगी।

ओवरस्पीडिंग व नो-पार्किंग उल्लंघन पर हो कड़ी कार्रवाई : सतबीर मान

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सतबीर मान की अध्यक्षता में मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय परिसर स्थित सभागार कक्ष में रोड सेफ्टी की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सडक दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान, डेथ ऑडिट, रोड सेफ्टी ऑडिट तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुधारात्मक कदम उठाने पर विस्तृत चर्चा की गई। एडीसी सतबीर मान ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि दुर्घटनाग्रस्त सडकों की पहचान कर वहां गड्ढों, टूटी ग्रिल, खराब साइन बोर्ड और प्रकाश व्यवस्था जैसी कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए कि रोड सेफ्टी ऑडिट की रिपोर्ट के आधार पर समयबद्ध सुधार कार्य सुनिश्चित करें। साथ ही मॉडल रोड परियोजना के तहत सडक की स्थिति, ड्रेनेज, लाइटिंग, रोड मार्किंग, साइन बोर्ड और अन्य मानकों की नियमित जांच कराने के निर्देश दिए गए। एडीसी सतबीर मान ने कहा कि सर्दी के मौसम में कोहरे के कारण वाहन चलाते समय यात्रियों को अधिक सावधान और सतर्क रहने की जरुरत है। कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम हो जाती है ऐसे में ऑटो और बसों पर अधिक से अधिक संख्या में रिफ्लेक्टर टेप लगवाएं। सडक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रोड मार्किंग, साइन बोर्ड, ट्रैफिक सिग्नल और स्ट्रीट लाइटों की नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि पर्याप्त रोशनी बनी रहे और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। उन्होंने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि आवश्यक स्थानों पर कैट आई और साइन बोर्ड लगाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सडक सुरक्षा माह के दौरान जागरूकता कार्यक्रम, स्कूल वाहन चालकों के लिए स्वास्थ्य एवं आई-टेस्ट कैंप तथा आमजन को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। इस दौरान आरटीए सचिव मुनीश सहगल ने रोड सेफ्टी के बारे में समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने एडीसी को बताया कि दुर्घटना पर अंकुश लगाने के लिए रॉग साइड गाड़ी चलाने वालों के चालान कर जुमार्ना लगाया जा रहा है। बैठक में एसडीएम बडखल त्रिलोक चंद, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज सभी संबंधित विभाग के अधिकारीगण सहित रोड़ सेफ्टी से जुड़ें अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अवैध रूप से चल रहे 90 आरएमसी प्लांट को नोटिस

प्लानिंग और पर्यावरण नियमों के गंभीर उल्लंघन का दिया हवाला

गुरुग्राम। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण ने 90 अवैध आरएमसी प्लांट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि अधिसूचित नियंत्रित क्षेत्रों में इस तरह की अवैध गतिविधि सरकारी नीतियों और वैधानिक प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। इससे प्रदूषण और सड़कों को नुकसान हो रहा है। जिला नोडल ऑफिसर आरएस बाठ ने शहर की सीमा के भीतर अवैध रूप से चल रहे 90 रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांट्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, जिसमें प्लानिंग और पर्यावरण नियमों के गंभीर उल्लंघन का हवाला दिया गया है। नोटिस के अनुसार, यह आरएमसी इकाइयां सक्षम प्राधिकारी से अनिवार्य चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) अनुमति प्राप्त किए बिना और हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से स्थापित करने की सहमति या संचालन की सहमति प्राप्त किए बिना संचालित की जा रही हैं। नोटिस में आगे कहा गया है कि इन आरएमसी प्लांट्स के अवैध संचालन से प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है और भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सड़कों सहित शहर के बुनियादी ढांचे को नुकसान हो रहा है। इससे निवासियों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा हो रहा है, जबकि धूल, शोर और लगातार परेशानी के कारण लोगों के जीवन में गंभीर बाधा आ रही है। ऐसी इकाइयों को तुरंत अवैध गतिविधियों को बंद करने और सक्षम प्राधिकारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है, ऐसा न करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की जा सकती है। इनमें परिसर को सील करना, केस दर्ज करना, मुकदमा चलाना और अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त करना शामिल है। यदि प्लांट्स द्वारा कारण बताओ नोटिस का जवाब असंतोषजनक पाया जाता है तो अधिकारी ऐसे प्लांट्स के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने के लिए मामले को संबंधित सक्षम प्राधिकारी के पास भेजा जाएगा। नोडल ऑफिसर के रूप में वे स्थिति की नियमित निगरानी भी करेंगे। आरएस बाठ ने कहा, वैधानिक स्वीकृतियों के बिना रेडी-मिक्स कंक्रीट प्लांट्स चलाना प्लानिंग और पर्यावरण कानूनों का गंभीर उल्लंघन है। जीएमडीए ऐसी किसी भी अवैध औद्योगिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा जो शहर के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाती है। कानून के अनुसार सभी ऐसी इकाइयों के खिलाफ सीलिंग, मुकदमा चलाने और ध्वस्त करने सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई शहरी विकास के प्रधान सलाहकार ढेसी की अध्यक्षता में हुई हाल की समीक्षा बैठकों की एक श्रृंखला के बाद की गई है, जिसमें अवैध आरएमसी प्लांट्स के मुद्दे की विस्तार से जांच की गई थी।

फरीदाबाद : सीएम फ्लाइंग ने किया सब-तहसील का औचक निरीक्षण

फरीदाबाद। सेक्टर-55 स्थित गोछी सब-तहसील में मंगलवार सुबह सीएम फ्लाइंग की टीम ने अचानक पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। यह कार्रवाई तहसील में कर्मचारियों की देर से उपस्थिति और कामकाज में लापरवाही को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद की गई। जानकारी के अनुसार, सुबह के समय सीएम फ्लाइंग की टीम ने तहसील परिसर में पहुंचकर सबसे पहले कर्मचारियों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। टीम ने अधिकारियों और कर्मचारियों के आने-जाने का समय देखा, जिसमें कई कर्मचारी तय समय पर मौजूद नहीं पाए गए। टीम ने सभी का टाइम रिकॉर्ड किया और रिपोर्ट तैयार की, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। निरीक्षण के दौरान सीएम फ्लाइंग की टीम ने तहसील में अपने काम से आए आम नागरिकों से भी बातचीत की। लोगों ने जमीन से जुड़े कार्य, प्रमाण पत्र जारी करने और अन्य सेवाओं में हो रही देरी की शिकायतें रखीं। कई लोगों ने कर्मचारियों की लापरवाही और मनमानी का भी जिक्र किया। टीम ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत सुधार के निर्देश दिए। सीएम फ्लाइंग की टीम ने स्पष्ट किया कि सरकारी कार्यालयों में समय पर उपस्थित रहना और जनता के कार्यों को प्राथमिकता देना अनिवार्य है। टीम ने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भाई-भाभी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा कराया

प्रात: किरण संवाददाता

बल्लभगढ़। धोखाधडी करने, फर्जी हस्ताक्षर करके लोन लेने व फर्म से हटाने, कुछ गाडियों को गलत तरीके से इस्तेमाल करने व कुछ गाडियो को बेचने के आरोप में एक भाई ने अपने दूसरे भाई व उसकी पत्नी व बेटे खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एक भाई ने दूसरे सगे भाई पर सम्पति पर कब्जा करने, गाली गलौच करने व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। जयवीर सिंह ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि श्याम सुंदर उसका सगा भाई है। उसने बताया कि साल 2000 में उसके पिता ने उपरोक्त फर्म मैसर्स श्याम रोड लाईन्स खोली थी। जिसमे उसके पिता ने श्याम सुन्दर सिंह को प्रोपराईटर बनाया था। उक्त फर्म को वह दोनो भाई ही चलाते थे व उक्त फर्म से जो भी मुनाफा आता था, श्याम सुदंर व उसकी पत्नी सीमा देवी के नाम से खरीदता था और उसे मात्र खर्च के लिए पैसे मिलते थे। साल 2011 में जब उसने अपने भाई से इस बात का एतराज किया व हिसाब मांगा तो उसके भाई ने उसे व अपने नाम से एक सांझा प्राईवेट लिमिटेड फर्म खोली। जिसमे उसका व उसके भाई का बराबर का हिस्सा था। इसके बाद दोनों ने दो संपतियां इक्टठे नाम से खरीदी। आरोप है कि उसके भाई ने साल 2013 में उसके फर्जी हस्ताक्षर करके व उसके साथ धोखधडी करके उक्त फर्म में अपना हिस्सा 70 प्रतिशत व उसका हिस्सा 30 प्रतिशत कर दिया। इसके बाद उसके भाई की सोची समझी साजिश के तहत धीरे धीरे उसकी पत्नी व बेटे लक्ष्य के नाम पर सम्पतियाँ खरीदता रहा। उसके बाद जब उसके भाई के बच्चो की शादी हो गई तो उसक बाद भाई से परिवारजनों व रिश्तेदारो की मोजूदगी मे हिसाब मांगा तो उसका भाई उसे लगातार टाल मटोल करता रहा व झूठा आश्वासन देता रहा परन्तु उसने हिसाब नही किया व ना ही उसे हिस्सा दिया। उसके भाई व उसकी सांझा सम्पति है। उस पर अपना नाजायज कब्जा कर रखा है व उसके नाम से 7 गाडियाँ थी। उनमे से 4 गाडियो को फर्जी हस्ताक्षर करके बेच दिया है व 3 गाडियो को अपने कब्जे मे रखा हुआ है व उनका गलत इस्तेमाल कर रहा है व एक अन्य मशीन क्रेन जिस पर नाम नम्बर बदलकर उसको गलत तरीके से चला रहा हे। इसके खिलाफ सबूत भी देंगे। जब इसने भाई से पुलिस में शिकायत करने की बात कहीं तो उसने जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि उसके भाई ने मैसर्स श्याम रोड लाईन्स के नाम पर 50 करोड़ से अधिक का लोन ले रखा है। इतना ही नहीं उस लोन पर उसके व उसकी पत्नी के फर्जी हस्ताक्षर है और उन्हें गारंटर बनाया हुआ है ।उसके भाई ने उसे श्याम लिफटर नामक फर्म के कागजों पर फर्जी हस्ताक्षर करके उसे फर्म से बाहर निकाल कर अपने बेटे को पार्टनर बना दिया है।

चांदी से बनाओ दूरी, खरीद लो सोना

2008 का संकट भांपने वाले डॉक्टर डूम की भविष्यवाणी

नई दिल्ली- अर्थव्यवस्था के जाने-माने विशेषज्ञ पीटर शिफ ने निवेशकों को सोने में पैसा लगाने की सलाह दी है। शिफ को डॉक्टर डूम के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा है कि अभी चांदी में निवेश करने से बचना चाहिए। शिफ ने 2008 के वित्तीय संकट की भविष्यवाणी करके अपनी पहचान बनाई थी। शिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि चांदी के बाजार में फिलहाल बहुत ज्यादा जोखिम है। उन्होंने लिखा, अभी फिजिकल चांदी खरीदने में बहुत ज्यादा शॉर्ट-टर्म रिस्क है। लेकिन, मैं अपनी चांदी बेच नहीं रहा हूं। खरीदने से पहले इसके थोड़ा स्थिर होने का इंतजार करना समझदारी है। वहीं, सोने को लेकर शिफ का नजरिया काफी सकारात्मक है। उन्होंने कहा, अभी बिल्कुल सोना खरीदें। 4,534 डॉलर पर यह बहुत सस्ता मिल रहा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि चांदी की तुलना में सोने में अभी कम गिरावट का खतरा है। स्पष्ट करते हुए शिफ ने बताया कि चांदी हाल की ऊंचाइयों से काफी गिर चुकी है। उन्होंने लिखा, चांदी अब उस कीमत से 3 डॉलर से ज्यादा नीचे है जब मैंने यह पोस्ट लिखी थी। अगर यह गिरती रही तो इसे खरीदना सुरक्षित होगा। मेरा अनुमान है कि सपोर्ट 70 से 75 के बीच होगा। बाद में उन्होंने यह भी बताया कि चांदी लगभग 5 गिरकर 79.30 के आसपास कारोबार कर रही थी। यूरोपैक के चीफ इकोनॉमिस्ट और ग्लोबल स्ट्रेटेजिस्ट शिफ ने चांदी की अस्थिरता पर भी रोशनी डाली। उन्होंने कहा, चांदी के बाजार में रात बहुत उतार-चढ़ाव वाली रही। 84 से ठीक नीचे एक नया रिकॉर्ड बनाने के बाद चांदी में तेज गिरावट आई और यह 75 के ठीक ऊपर स्थिर हुई। इसके बाद इसने वापसी की है और अब यह 80 से ऊपर कारोबार कर रही है। इस ऐतिहासिक बुल मार्केट (तेजी का बाजार) में अभी लंबा सफर तय करना है। सोमवार को कीमती धातुओं में गिरावट देखी गई। निवेशकों ने मुनाफावसूली की और भू-राजनीतिक तनाव कम होने से सुरक्षित निवेश की मांग घटी। स्पॉट गोल्ड (हाजिर सोना) 0.4 प्रतिशत गिरकर 4,512.74 प्रति औंस पर आ गया, जबकि शुक्रवार को इसने 4,549.71 का रिकॉर्ड बनाया था।

भारत के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा रेअर अर्थ भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। रेअर अर्थ अयस्क भंडार के मामले में भारत इस समय तीसरे स्थान पर है। हालांकि, इसका उत्पादन प्रमुख वैश्विक देशों की तुलना में सबसे कम है, जो संसाधन उपलब्धता और वास्तविक उत्पादन के बीच भारी अंतर को दर्शाता है। आंकड़ों से पता चला है कि भारत के पास लगभग 69 लाख टन रेअर अर्थ ऑक्साइड (आरईओ) भंडार है। इससे पहले चीन और ब्राजील हैं। एमिकस के आंकड़ों के अनुसार, चीन के पास 4.4 करोड़ टन भंडार है। ब्राजील के पास 2.1 करोड़ टन का भंडार है। ऑस्ट्रेलिया (57 लाख टन), रूस (38 लाख टन), वियतनाम (35 लाख टन) और अमेरिका (19 लाख टन) शामिल हैं। अपने मजबूत भंडार के बावजूद भारत का उत्पादन सीमित है। 2024 में भारत ने केवल 2,900 टन दुर्लभ धातुओं का उत्पादन किया, जो वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर रहा। चीन ने 2.7 लाख टन का उत्पादन किया, जिससे वह वैश्विक स्तर पर अग्रणी बन गया। अमेरिका 45,000 टन के साथ दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक था। भारत के पास वैश्विक रेअर अर्थ खनिजों का करीब 6-7 फीसदी भंडार है। फिर भी वैश्विक उत्पादन में इसका योगदान एक फीसदी से भी कम है। देश के अधिकांश भंडार मोनाजाइट से भरपूर तटीय रेत में पाए जाते हैं, जिनमें रेडियोधर्मी तत्व थोरियम भी मौजूद होता है। इससे खनन और प्रसंस्करण अधिक जटिल हो जाता है और सख्त नियमों के अधीन हो जाता है। नियामक चुनौतियों ने ऐतिहासिक रूप से देश में रेअर अर्थ खनिजों के खनन को धीमा कर दिया है। दशकों तक उत्पादन काफी हद तक सीमित रहा और मुख्य रूप से इंडियन रेयर अर्थ्स लि. (आईआरईएल) नियंत्रित करता था। भारी रेअर अर्थ तत्वों के करीब संपूर्ण प्रसंस्करण को नियंत्रित करता है।

चौथे नंबर पर खिसक जाएगी हुंडई

कार बाजार में बड़ा उलटफेर!

● दो देसी कंपनियां निकल जाएंगी आगे ● यह बड़ा बदलाव 2025 के अंत तक देखने को मिल सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ऑटो मार्केट में एक बड़ा उलटफेर हो सकता है। दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी हुंडई मोटर इंडिया बिक्री के मामले में अपनी दूसरी पोजीशन खोने वाली है। यह बड़ा बदलाव 2025 के अंत तक देखने को मिल सकता है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक महिंद्रा एंड महिंद्रा हुंडई को पछाड़कर दूसरे नंबर पर आ जाएगी। हुंडई फिसलकर चौथे नंबर पर पहुंच जाएगी। जनवरी 2019 में सरकारी पोर्टल वाहन पर उपलब्ध रजिस्ट्रेशन डेटा के अनुसार हुंडई लगातार दूसरे स्थान पर बनी हुई थी। लेकिन अब यह वह पिछड़ने वाली है। मारुति इस लिस्ट में पहले नंबर पर है। इस रजिस्ट्रेशन नंबर में इलेक्ट्रिक व्हीकल मॉडल भी शामिल हैं। अनुमान है कि 2025 के अंत तक महिंद्रा एंड महिंद्रा 557,524 यूनिट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहेगी। टाटा मोटर्स के लगभग 541,365 यूनिट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहने की उम्मीद है। वहीं हुंडई मोटर इंडिया की बिक्री 520,834 यूनिट्स रहने का अनुमान है। यह पहला मौका होगा जब महिंद्रा एंड महिंद्रा किसी कैलेंडर वर्ष में टाटा मोटर्स और हुंडई दोनों को बिक्री में पीछे छोड़ देगी। एक उद्योग विश्लेषक ने कहा कि यह रैंकिंग में बदलाव दुनिया के तीसरे सबसे बड़े

पैसेंजर वीकल मार्केट की जीवंतता और बढ़ती प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। भारत में कार बिक्री 2025 के अंत तक 46 लाख यूनिट्स तक पहुंचने का अनुमान है। यह पिछले साल की तुलना में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि है और साल की शुरुआत में लगाए गए अनुमानों से बेहतर है। यूनाइटेड ऑटोमोबाइल्स के निदेशक और फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विंकेश गुलाटी का मानना है कि 2026 में बिक्री 5-7 प्रतिशत बढ़ सकती है।

खत्म हो जाएगी एलपीजी पर सब्सिडी!

● अब अमेरिका से आ रही गैस के मुताबिक होगा हिसाब-किताब

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार एलपीजी सब्सिडी का हिसाब-किताब बदलने पर विचार कर रही है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकारी तेल कंपनियों ने पिछले महीने अमेरिका के एक्सपोर्टर्स के साथ सप्लाई के लिए सालाना कॉन्ट्रैक्ट साइन किए हैं। अभी तक सब्सिडी की गणना सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस के आधार पर होती है। यह वेस्ट एशिया से एलपीजी सप्लाई के लिए एक स्टैंडर्ड रेट है। लेकिन अब, सरकारी तेल कंपनियों के अधिकारी चाहते हैं कि इस फॉर्मूले में अमेरिका के बेंचमार्क प्राइस और अटलांटिक महासागर के पार से आने वाले शिपमेंट के भारी-भरकम फ्रेट की लागत को भी शामिल किया जाए।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका से एलपीजी तभी भारत के लिए सस्ती पड़ती है, जब सऊदी ष्टक्क के मुकाबले दाम में इतनी छूट हो कि शिपिंग का खर्चा निकल जाए। अमेरिका से शिपिंग का खर्चा सऊदी अरब से आने वाले शिपमेंट के मुकाबले लगभग चार गुना ज्यादा होता है। पिछले महीने, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अमेरिका से सालाना 2.2 मिलियन मीट्रिक टन एलपीजी आयात करने के लिए एक साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। यह कॉन्ट्रैक्ट 2026 के लिए है।

यह भारत के सालाना एलपीजी आयात का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा है। इससे पहले भी भारतीय कंपनियों ने अमेरिका से एलपीजी खरीदा था, लेकिन वह स्पॉट मार्केट से था। यह पहली बार है जब उन्होंने अमेरिका से सप्लाई के लिए कोई टर्म कॉन्ट्रैक्ट किया है। सरकार तय करती है कि सरकारी कंपनियां एलपीजी किस कीमत पर बेचेंगी। जब कंपनियां बाजार भाव से कम कीमत पर बेचकर नुकसान उठाती हैं, तो सरकार उन्हें इसकी भरपाई करती है। अब नए फॉर्मूले से सब्सिडी की गणना में बदलाव आ सकता है। दिल्ली में घरों में यूज होने वाले 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत अभी 853 रुपये है। इसमें आखिरी बार बदलाव 8 अप्रैल को हुआ था। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 रुपये की सब्सिडी मिलती है। इसी तरह दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1580.50 रुपये है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को इसकी कीमत में बदलाव करती है।

उत्पादन लक्ष्य चूक पर सरकार सख्त

● रिलायंस-बीपी को भरना होगा 30 अरब डॉलर से अधिक का मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने कृष्णा-गोदावरी बेसिन के केजी-डी6 गैस क्षेत्र से प्राकृतिक गैस उत्पादन का लक्ष्य पूरा नहीं करने के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज और उसकी साझेदार बीपी से 30 अरब डॉलर से अधिक का मुआवजा मांगा है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने यह दावा तीन-सदस्यीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के समक्ष पेश किया है। 14 साल पुराने इस मामले पर सुनवाई 7 नवंबर को पूरी हो चुकी है। न्यायाधिकरण अगले वर्ष किसी भी समय फैसला सुना सकता है। उधर, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस रिपोर्ट को खारिज करते हुएकहा, 30 अरब डॉलर का कोई दावा नहीं है। केजी-डी6 ब्लॉक के संबंध में भारत सरकार का दावा 24.7 करोड़ डॉलर का है, जिसका खुलासा उचित और लगातार किया गया है।

सरकार का आरोप है कि दोनों साझेदारों ने केजी-डी6 ब्लॉक में जरूरत से ज्यादा बड़ी सुविधाएं विकसित कीं, लेकिन प्राकृतिक गैस उत्पादन के निर्धारित लक्ष्यों को पाने में नाकाम रहे। मध्यस्थता प्रक्रिया में सरकार ने उत्पादित नहीं की जा सकी गैस का मौद्रिक मूल्य मांगने के साथ अतिरिक्त खर्च, ईंधन विपणन और ब्याज पर भी मुआवजा मांगा है। इन दावों का कुल मूल्य 30 अरब डॉलर से अधिक है।

रिलायंस ने 2.47 अरब डॉलर के निवेश से प्रतिदिन चार करोड़ मानक घन मीटर गैस उत्पादन का लक्ष्य रखा था। 2006 में इसे 8.18 अरब डॉलर का निवेश और मार्च, 2011 तक 31 कुओं की ड्रिलिंग के साथ उत्पादन दोगुना करने का अनुमान जताया

गया। कंपनी 22 कुएं ही खोद सकी, जिनमें 18 से ही उत्पादन शुरू हो पाया। बाद में गैस भंडार का अनुमान 10.03 लाख करोड़ से घटाकर 3.10 लाख करोड़ घनफुट किया गया। सरकार ने इसके लिए रिलायंस-बीपी को जिम्मेदार ठहराते हुए शुरुआती वर्षों में किए 3.02 अरब डॉलर के खर्च को लागत वसूली गणना से बाहर कर दिया। रिलायंस ने इसके विरोध में 2011 में मध्यस्थता नोटिस दिया था। जनवरी, 2023 के बाद सुनवाई शुरू हुईथी।

इस विवाद की जड़ केजी-डी6 ब्लॉक के धीरूभाई-1 और धीरूभाई-3 (डी1 एवं डी3) गैस क्षेत्रों से जुड़ी है। सरकार का कहना है कि रिलायंस ने स्वीकृत निवेश योजना का पालन नहीं किया, जिससे उत्पादन क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो सका।

सीए की पढ़ाई छोड़ी, सिर्फ 25 हजार से शुरू किया काम, अब 1.5 लाख महीने की कमाई

● वृतिका ने फ्रीलांसिंग की सेविंग से 25,000 जुटाए और स्टार्टअप की शुरुआत की

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी 26 साल की वृतिका अग्रवाल की है। वह आगरा की रहने वाली हैं। उन्होंने अपनी बिजनेस स्किल्स से लोगों को ताज्जुब में डाल दिया है। सीए बनने का सपना छोड़कर क्रिएटिविटी का रास्ता चुनने वाली वृतिका ने सिर्फ 25,000 रुपये के छोटे निवेश से एक सफल ब्रांड खड़ा किया है। इसका नामहाउस ऑफ ऑरा है। 2024 में शुरू हुआ यह स्टार्टअप आज कस्टमाइज्ड और हैंड-मेड मोमबत्तियों के जरिए हर महीने 1.5 लाख रुपये तक की कमाई कर रहा है। वृतिका की सफलता का राज केवल सुगंधित मोमबत्तियां बनाना नहीं, बल्कि ग्राहकों की भावनाओं और कहानियों को एक प्रोडक्ट में ढालना है। आइए, यहां वृतिका अग्रवाल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। आगरा की वृतिका अग्रवाल ने अपनी बी.कॉम की पढ़ाई के बाद चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) बनने का लक्ष्य रखा था। लेकिन, कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने महसूस किया कि उनका झुकाव क्रिएटिविटी के क्षेत्र में ज्यादा है। अपने माता-पिता के संशय के बावजूद उन्होंने सीए की तैयारी छोड़ दी और सोशल मीडिया फ्रीलांसिंग शुरू की। तीन साल तक अन्य ब्रांड्स को डिजिटल पहचान दिलाने में मदद करने के बाद उन्होंने अपनी खुद की कंपनी हाउस ऑफ ऑरा शुरू करने का फैसला किया।

वृतिका ने अपनी फ्रीलांसिंग की सेविंग से 25,000 रुपये जुटाए और स्टार्टअप की शुरुआत की। इस बजट को उन्होंने बहुत ही समझदारी से बांटा- 12,000 रुपये कच्चे माल (सोया वैक्स, मोल्ड्स आदि), 6,000 रुपये पैकेजिंग और 4,000 रुपये जरूरी टूल्स जैसे डिजिटल स्केल और थर्मामीटर के लिए रखे। शुरुआत में कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और ब्रांड की कम पहुंच के कारण मुश्किलें आईं। लेकिन, उन्होंने हर मुनाफे को वापस बिजनेस में निवेश करने की रणनीति अपनाई।

अपनाया अनोखा बिजनेस मॉडल

बाजार में अन्य ब्रांड्स से अलग दिखने के लिए वृतिका ने पर्सनलाइजेशन (व्यक्तिगत स्पर्श) को अपना मुख्य हथियार बनाया। उन्होंने स्टोरी-टू-कैंडल का कॉन्सेप्ट पेश किया, जहां ग्राहक अपनी यादें या भावनाएं साझा करते हैं और वृतिका उन्हें एक कस्टमाइज्ड मोमबत्ती में बदल देती हैं। चाय, आम या किसी खास याद से जुड़ी सुगंध वाली ये मोमबत्तियां ग्राहकों के दिल को छू गईं। आज वह अपनी बहन के साथ मिलकर क्वालिटी पर पूरा नियंत्रण रखते हुए खुद ही उत्पाद तैयार करती हैं। सोशल मीडिया वृतिका के लिए गेम-चेंजर साबित हुआ। इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर अपने काम के बिहाइंड द सीन्स वीडियो शेयर करके उन्होंने 1 लाख से ज्यादा की कम्युनिटी बनाई है। आज उनका स्टार्टअप औसतन 1.5 लाख रुपये महीना कमा रहा है, जो शादियों के सीजन में 7 लाख रुपये तक पहुंच जाता है।

एटीएम घटे, बैंक ब्रांच बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में एटीएम की संख्या में कमी आई है, क्योंकि लोग डिजिटल पेमेंट की ओर बढ़ रहे हैं। ई-पेमेंट नेटवर्क ने ग्राहकों की नकद निकासी की जरूरत को कम कर दिया है, भले ही बैंक शाखाओं का विस्तार जारी रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, निजी बैंकों ने अपना एटीएम नेटवर्क 79,884 से घटाकर 77,117 कर दिया। वहीं, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने मुख्य रूप से ऑफसाइट मशीनें बंद करके अपने एटीएम 134,694 से 133,544 कर दिए। इसके विपरीत, व्हाइट लेबल एटीएम (नॉन-बैंकिंग संस्थाओं द्वारा स्थापित) ऑपरेटरों ने अपनी मौजूदगी बढ़ाई और इनकी संख्या 34,602 से बढ़कर 36,216 हो गई।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने ग्रामीण, अर्ध-शहरी, शहरी और महानगरीय क्षेत्रों में अपने एटीएम संतुलित रूप से वितरित रखे। हालांकि, निजी और विदेशी बैंक अभी भी अपने एटीएम मुख्य रूप से शहरी और महानगरीय केंद्रों में केंद्रित रखते हैं। इस दौरान, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के तेज विस्तार के चलते बैंक शाखाओं की संख्या 2.8 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1,64,000 हो गई।

नए साल 2026 के साथ बैंकिंग, वेतन, डिजिटल पेमेंट से जुड़े अहम नियम बदलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2026 बैंकिंग, वेतन, डिजिटल भुगतान और आम उपभोक्ता से जुड़े कई अहम नियम बदलाव लेकर आ रहा है। इन बदलावों का असर सीधे हमारी जिंदगी और खर्च की योजना पर दिखेगा। सबसे बड़ा बदलाव 8वें वेतन आयोग को लेकर होने जा रहा है। इससे लाखों कर्मचारियों और पेंशनधारियों की मासिक आय में बदलाव होगा। सरकार जल्द ही 8वां वेतन आयोग लागू करने वाली है। उम्मीद लगाई जा रही है कि 8वां वेतन आयोग एक जनवरी 2026 से प्रभावी हो जाएगा। हालांकि, लागू होने में समय लग सकता है। इसके तहत सैलरी, पेंशन और भत्तों में अहम संशोधन हो सकते हैं।

8वें वेतन आयोग के तहत कितनी सैलरी बढ़ सकती है, इसका आधिकारिक आंकड़ा अभी तय नहीं है। लेकिन शुरुआती अनुमानों के मुताबिक 20-35 प्रतिशत तक बढ़ोतरी संभव मानी जा रही है। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था, जबकि 8वें में इसके 2.4 से 3.0 के बीच रहने की चर्चा है। वित्त वर्ष 2026-27 में एरियर मिलने की भी उम्मीद जताई जा रही है। सरकार ने सभी लोगों के लिए आधार-पैन लिंक को अनिवार्य कर दिया है और आधार-पैन लिंकिंग की आखिरी तारीख 31 दिसंबर 2025 है, जो लोग 31 दिसंबर तक अपना आधार पैन लिंक नहीं करेंगे, उनका पैन कार्ड एक जनवरी से निष्क्रिय हो जाएगा। इसके बाद लोगों को जुर्माना देकर अपना पैन-आधार लिंक करना होगा। लिंक न होने की स्थिति में खाते से जुड़ी सुविधाएं सीमित हो सकती हैं या रुक भी सकती हैं।

एक जनवरी 2025 से कई कंपनियां अपने वाहनों की कीमत में बढ़ोतरी करने वाली हैं। इन कंपनियों में निसान, बीएमडब्ल्यू, एमजी मोटर और रेनॉल्ट जैसी कंपनियां शामिल हैं। अन्य कार निर्माता कंपनी भी अपने वाहनों की कीमत में बढ़ोतरी कर सकती हैं। नए साल की शुरुआत के साथ कई बड़े बैंकों ने कर्ज की ब्याज दरों में कमी के संकेत दिए हैं। इससे होम लोन और पर्सनल लोन लेना अपेक्षाकृत सस्ता हो सकता है। दूसरी ओर, फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में भी बदलाव होंगे। इसके अलावा सरकार एक जनवरी से छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में भी बदलाव कर सकती है। ये दरें पिछली सात तिमाहियों से स्थिर हैं। क्रेडिट स्कोर के अपडेट की रफ्तार बढ़ाई जा रही है। जहां पहले अपडेट 15 दिन में होता था, वहीं अब हर हफ्ते स्कोर अपडेट होगा। समय पर किस्त चुकाने का फायदा जल्दी दिखेगा और क्रज की स्वीकृति की प्रक्रिया ज्यादा सटीक होगी। यूनिफाइड टैरिफ सिस्टम में बदलाव का असर गैस कीमतों पर दिख सकता है। खबरों के मुताबिक सीएनजी 1.25 से 2.50 प्रति किलो तक सस्ती हो सकती है। वहीं पीएनजी में 0.90 से 1.80 रुपये तक की राहत संभव है।

टेनिस जगत के नए 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' में किर्गियोस ने सबालेंका को हराया

दुबई (एजेंसी)। निक किर्गियोस ने टेनिस में 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' यानी दो अलग-अलग लिंग के खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-3, 6-3 से हराया। ??यह एक प्रदर्शनी मैच था जिसे लैंगिक समानता के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण के बजाय हल्के फुल्के मनोरंजन के लिए याद किया जाएगा।

दोनों खिलाड़ी आपस में हंसी ठिठोली कर रहे थे। इस दौरान कुछ अंडर आर्म सर्विस भी देखने को मिली। यहां तक ??कि दुबई के 17,000 सीटों वाले कोकाकोला एरीना में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए टाइमआउट के दौरान सबालेंका का नृत्य भी देखने को मिला। इस मुकाबले के सबसे महंगे टिकट लगभग 800 डॉलर में बिके।

विंबलडन 2022 के उपविजेता किर्गियोस ने कलाई और घुटने की चोटों के कारण पिछले तीन वर्षों में केवल छह टूर-स्तरीय मैच खेले लेकिन वह कई बार अपनी क्षमता के अनुरूप खेलते हुए दिखाई दिए। उन्हें सबालेंका के कोर्ट के हिस्से के लगभग 10 प्रतिशत छोटे होने का नुकसान उठाना पड़ा लेकिन इसके बावजूद उन्होंने जीत दर्ज की। खिलाड़ियों को प्रत्येक प्वाइंट के लिए दो के बजाय केवल एक सर्विस करने का मौका दिया गया था।

जब किर्गियोस ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत हासिल की तब तक वह पसीने से भीग चुके थे और दोनों खिलाड़ी नेट पर गले मिलते समय मुस्कुरा रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी किर्गियोस ने मैच के बाद कहा, 'मैं शुरू में थोड़ा नर्वस था लेकिन मुझे लगता है कि यह टेनिस के खेल के लिए एक शानदार कदम है।

सबालेंका ने कहा, 'यह मैच अगले सत्र के लिए अच्छी तैयारी है। मुझे इसमें बहुत मजा आया और मुझे लगता है कि अगली बार जब मैं उनके खिलाफ खेलूंगी तो मुझे उनकी रणनीति, उनकी ताकत और उनकी कमजोरियों के बारे में पता होगा और यह निश्चित रूप से एक बेहतर मुकाबला होगा। तथाकथित 'बैटल ऑफ द सेक्सेस नाम 1973 में बिली जीन किंग और बॉबी रिग्स के बीच हुए मैच से लिया गया था। किंग ने ह्यूस्टन एस्ट्रोडोम में खेले गए उस मुकाबले को सीधे सेटों में जीता था।

एआई इंस्टीट्यूशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप

हरमीत देसाई और सयाली वाणी बने चैंपियन

इंदौर (एजेंसी)। एआई 52वीं इंस्टीट्यूशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पेट्रोलियम खेल प्रोत्साहन बोर्ड के हरमीत देसाई और सयाली वाणी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब अपने नाम किए। अभय प्रशाल में खेले गए फाइनल मुकाबले दर्शकों के लिए यादगार रहे।

पुरुष एकल- सात गेम तक चला जबरदस्त संघर्ष – पुरुष एकल फाइनल में हरमीत देसाई ने भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग के एसएफआर स्नेहित को कड़े मुकाबले में हराया। हरमीत ने शुरुआती दो गेम जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन मुकाबला अंत तक कांटे का रहा। छठे गेम में 10-6 से आगे चल रहे हरमीत जीत से बस एक कदम दूर थे, मगर स्नेहित ने शानदार वापसी करते हुए गेम 16-14 से अपने नाम किया। निर्णायक गेम में हरमीत ने अनुभव का पूरा इस्तेमाल किया और मैच 11-9, 11-9, 2-11, 8-11, 11-5, 14-16, 11-5 के स्कोर के साथ जीत लिया।

मिश्रित युगल में भी हरमीत का जलवा – हरमीत देसाई ने यशस्विनी घोरपड़े के साथ मिलकर मिश्रित युगल का खिताब भी जीता। इस जोड़ी ने रेलवे की प्रीयेश राज और संपदा भिवंडीकर की जोड़ी को 3-0 से हराकर दोहरी सफलता हासिल की।

महिला एकल- सयाली वाणी की दमदार वापसी – महिला एकल फाइनल में सयाली वाणी ने शानदार जुझारूपन दिखाया। उन्होंने पेट्रोलियम खेल प्रोत्साहन बोर्ड की ही साथी खिलाड़ी सिंड्रेला दास को 4-2 से पराजित किया। सयाली शुरुआती दो गेम हारने के बाद दबाव में थीं, लेकिन उन्होंने लगातार चार गेम जीतकर मैच का रुख पलट दिया और खिताब अपने नाम कर लिया।

चेस वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन ने फिर टेबल पर हाथ पटका

ब्लिट्ज चैंपियनशिप में भारतीय प्लेयर से हारे ; गुकेश से हारने पर भी खीझे थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के नंबर-1 चेस प्लेयर और 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन एक बार फिर अपने रिएक्शन को लेकर चर्चा में हैं। कतर की राजधानी दोहा में चल रही वर्ल्ड रैपिड/ब्लिट्ज चैंपियनशिप के दौरान भारत के अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने गुस्से में टेबल पर जोर से हाथ मारा। इसका वीडियो वायरल हो गया। यह वीडियो फिडे और चेस कम्युनिटी से जुड़े आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी शेयर किया गया। फुटेज में कार्लसन की क्वीन हाथ से फिसलकर गिरती दिखती है, जिसके बाद वे टेबल पर हाथ मारते नजर आते हैं।

गुस्से में कैमरामैन को धक्का दिया था

इससे पहले, ब्लिट्ज टूर्नामेंट में ही रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिएव से मुकाबला हारने के बाद बाहर जाते वक्त उन्होंने कैमरामैन को धक्का दे दिया था। इस घटना का भी वीडियो वायरल हुआ था। 27 दिसंबर को राउंड-7 में कार्लसन ने 15वीं चाल पर बड़ी गलती की, जिसका फायदा उठाकर आर्टेमिएव ने मुकाबला अपने नाम किया।

गुकेश से हार के बाद बोर्ड पर मुक्का मारा था

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में गुकेश से हारने के बाद कालर्सन ने बोर्ड पर मुक्का मारा था। 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट के छठे राउंड में गुकेश ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया था। गुकेश की क्लासिकल चेस में कार्लसन के खिलाफ पहली जीत थी। हारने के बाद कार्लसन ने बोर्ड पर मुक्का मार था।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए इंग्लैंड की प्रोविजनल टीम का ऐलान

तेज गेंदबाज जोश टंग को मौका मिला, श्रीलंका दौरे के लिए भी टीम घोषित

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए इंग्लैंड की प्रोविजनल टीम घोषित कर दी है। श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए भी टीम जारी की गई है। यह दौरा वर्ल्ड कप से पहले टीम की तैयारी के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। टी-20 वर्ल्ड कप टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक को सौंपी गई है। 15 खिलाड़ियों की इस टीम में जोश टंग को भी जगह मिली है। टंग ने अभी तक इंटरनेशनल लिमिटेड ओवर क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है।

आर्चर वर्ल्ड कप टीम में शामिल – टीम में जोस बटलर, सैम करन, फिल सॉल्ट और आदिल राशिद जैसे सीनियर खिलाड़ियों को चुना गया है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया है, हालांकि वे श्रीलंका दौरे पर नहीं जाएंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड की प्रोविजनल टीम + हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, सैम करन, लियम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग, ल्यूक वुड।

22 जनवरी से शुरू होगा श्रीलंका दौरा – श्रीलंका दौरे पर इंग्लैंड को तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने हैं। दौरा 22 जनवरी से शुरू होगा। वनडे टीम में जो रूट की वापसी हुई है, जिससे बल्लेबाजी को मजबूती मिलेगी। ईसीबी के मुताबिक, यह सीरीज खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप से पहले हालात में ढलने और सही संयोजन तय करने का अच्छा मौका देगी।

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, सैम करन, लियम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग, ल्यूक वुड।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, सैम करन, लियम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, जो रूट, ल्यूक वुड।

शान मसूद ने सहवाग का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

पाकिस्तान में सबसे तेज फर्स्ट-क्लास दोहरा शतक बनाया, 177 गेंदों में डबल सेंचुरी

कराची(एजेंसी)। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद ने घरेलू क्रिकेट में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने पाकिस्तान की धरती पर फर्स्ट-क्लास क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ते हुए भारत के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

यह उपलब्धि शान मसूद ने को कराची में खेले जा रहे प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-आई 2025/26 के मुकाबले में हासिल की। यह मैच सुई नॉर्दर्न गैस पाइपलाइंस लिमिटेड और साहिर एसोसिएट्स के बीच खेला जा रहा है, जिसमें मसूद एसएनजीपीएल की ओर से मैदान में उतरे।

मसूद ने सिर्फ 177 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। इससे पहले वीरेंद्र सहवाग ने 2006 में लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ 182 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था।वीरेंद्र सहवाग ने साल 2006 में पाकिस्तान दौरे पर लाहौर में खेले गए पहले टेस्ट में नाबाद 247 रन की पारी खेली थी।

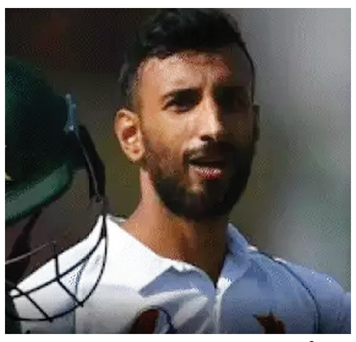

इंजमाम-उल-हक का रिकॉर्ड भी टूटा – शान मसूद ने पाकिस्तान के सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंजमाम-उल-हक के नाम था, जिन्होंने 1992 में 188 गेंदों में दोहरा शतक जड़ा था।इंजमाम-उल-हक ने 1992 में 188 गेंदों में दोहरा शतक जड़ा था।

390 रन की साझेदारी – मैच के पहले दिन एसएनजीपीएल को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा गया। टीम का पहला विकेट अजान अवैस के रूप में 53 रन पर गिरा। इसके बाद शान मसूद और अली जरयाब ने दूसरे विकेट के लिए 390 रन की बड़ी साझेदारी की। यह साझेदारी पाकिस्तान में किसी भी विकेट के लिए नौवीं सबसे बड़ी साझेदारी रही।

अली जरयाब ने 237 गेंदों पर 192 रन बनाए, जबकि शान मसूद दिन का खेल खत्म होने तक 185 गेंदों पर 212 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी स्ट्राइक रेट 114 से अधिक रही। पहले दिन के अंत तक एसएलजीपीएल ने 82.1 ओवर में 2 विकेट पर 460 रन बना लिए।

इस साल का दूसरा दोहरा शतक – यह शान मसूद का 2025 में दूसरा फर्स्ट-क्लास दोहरा शतक है। इससे पहले उन्होंने कराची ब्लूज़ की ओर से एबटाबाद के खिलाफ 250 रन बनाए थे। उनके करियर में अब कुल पांच फर्स्ट-क्लास दोहरे शतक हो चुके हैं।

मुंबई ने क्रिस्टन बीम्स को कोचिंग स्टाफ में शामिल किया

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर को स्पिन बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी दी

मुंबई (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग 2026 के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। 41 साल की बीम्स ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुकी हैं। क्रिस्टन बीम्स इससे पहले विमेंस बिग बैश लीग ,द हंड्रेड और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 महिला टीम में कोचिंग की भूमिका निभा चुकी हैं। बतौर खिलाड़ी उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 1 टेस्ट, 30 वनडे और 18 टी-20 मैच खेले थे। मुंबई इंडियंस के कोचिंग स्टाफ में अब हेड कोच लिसा कीटली (मुंबई के साथ उनका पहला सीजन, इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की कोच), बॉलिंग कोच और मेंटर झूलन गोस्वामी, बैटिंग कोच देविका पलशिकर और फील्डिंग कोच निकोल बोल्टन के साथ क्रिस्टन बीम्स भी शामिल हो गई हैं।

बीम्स बोलीं-झूलन गोस्वामी के साथ काम करना गर्व की बात – मुंबई के इंस्टाग्राम पोस्ट में क्रिस्टन बीम्स ने कहा, 'यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है। झूलन गोस्वामी जैसी दिग्गज खिलाड़ी के साथ काम करना बेहद खास है। मैंने उनके खिलाफ खेला है और अब उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। मुंबई इंडियंस ने एक मजबूत जीतने वाली संस्कृति बनाई है और यह टीम एक परिवार की तरह है।'

मुंबई के दो डब्ल्यूपीएल खिताब – मुंबई इंडियंस ने अब तक हुए तीन डब्ल्यूपीएल सीजन में से दो में खिताब जीता है। डब्ल्यूपीएल 2026 की शुरुआत 9 जनवरी से होगी, जिसमें मुंबई का पहला मुकाबला 2024 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। यह 28 दिन का टूर्नामेंट नवी मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा।

नीरज चोपड़ा ने रिसेप्शन पार्टी में डांस किया

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा के ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर की सोमवार रात को तीसरी रिसेप्शन पार्टी हुई। यह पार्टी पानीपत के समालखा में द रॉयल वेनेशियन रिसॉर्ट में हिमानी मोर के परिवार की तरफ से दी गई। नीरज चोपड़ा ने काले रंग की इंडो-वेस्टर्न ड्रेस और हिमानी ने मरून और गोल्डन रंग का लहंगा पहना हुआ था। पार्टी में हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा और रैपर कुलबीर दनौदा उर्फ केडी पहुंचे। मासूम शर्मा ने 'भांग रगड़ कै पिया करूं मैं कुंडी सोटे आला सूं' गाना गाया। स्टेज पर नीरज चोपड़ा ने हिमानी के साथ केडी के गाने 'माई क्वीन' पर डांस भी किया। इस दौरान पास खड़ी हिमानी हंसती रहीं। नीरज और हिमानी की शादी 19 जनवरी 2025 को एक प्राइवेट फंक्शन में हुई थी। दोनों ने सोलन के एक रिसॉर्ट में सात फेरे लिए थे। इसके बाद खेल के व्यस्त शेड्यूल के चलते दोनों ने अब रिसेप्शन पार्टी दी।

पाकिस्तान के हॉकी खिलाड़ियों को नहीं मिली सैलरी, बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान की हॉकी टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने पूरा वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए फरवरी में होने वाले पुरुष एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण का बहिष्कार करने की धमकी दी है। इन खिलाड़ियों ने आरोप लगाया है कि उन्हें इस महीने की शुरुआत में खेले गए मैचों के लिए पूरा दैनिक भत्ता नहीं दिया गया है।

राष्ट्रीय पुरुष टीम के कम से कम दो सदस्यों ने पुष्टि की कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ को स्पष्ट संदेश भेज दिया गया था कि यदि वित्तीय मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो कई खिलाड़ी एफआईएच प्रो लीग के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। एक खिलाड़ी ने कहा, 'हमें आश्वासन दिया गया था कि इस महीने की शुरुआत में अर्जेंटीना में प्रो लीग प्रतियोगिता के दौरान हमें प्रतिदिन 30,000 रुपए का भत्ता दिया जाएगा। पिछले सप्ताह हमारे खातों में दैनिक भत्ता जमा तो कर दिया गया लेकिन केवल 11,000 रुपए ही जमा किए गए जो सरासर धोखा है।

उन्होंने कहा, 'अगर आप विनिमय दरों को देखें तो 30,000 रुपए का मतलब लगभग 110 डॉलर है जबकि 11,000 रुपए का मतलब सिर्फ 40 डॉलर है, जो बहुत बड़ा अंतर है। पाकिस्तान ने इस महीने की शुरुआत में अर्जेंटीना में एफआईएच प्रो लीग में चार मैच खेले, जिनमें से सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान की टीम अब फरवरी में ऑस्ट्रेलिया में चार मैच खेलेगी।

पीएचएफ ने खिलाड़ियों को बताया है कि सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए दैनिक भत्तों का भुगतान पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने किया था, जिसकी नीति के अनुसार किसी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विदेश जाने वाले खिलाड़ियों को 40 अमेरिकी डॉलर का दैनिक भत्ता दिया जाता है। क्षास्र के सचिव राणा मुजाहिद ने कहा, 'पीएचएफ की नीति के अनुसार खिलाड़ियों को प्रतिदिन 30,000 रुपस् का भत्ता दिया जाना चाहिए, लेकिन प्रो लीग हॉकी प्रतियोगिता के दोनों चरणों के लिए पीएसबी सारे खर्च का वहन कर रहा है, इसलिए हम इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं कर सकते।

ओलंपिक की तैयारी के लिए अपनाया 'गलत रास्ता'

एलिशा न्यूमैन के खुलासे ने खेल जगत को झकझोर दिया

कनाडा (एजेंसी)। कनाडा की स्टार एथलीट एलिशा न्यूमैन की ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडल जीत सिर्फ खेल उपलब्धि नहीं रही, बल्कि यह आधुनिक खेल व्यवस्था, फंडिंग और महिला स्वतंत्रता पर बड़ी बहस का केंद्र बन गई। एलिशा ने खुलासा किया कि पेरिस ओलंपिक तक पहुंचने की उनकी तैयारी का एक अहम हिस्सा ओनली फेंस से हुई कमाई थी। इस बयान ने खेल जगत में हलचल मचा दी और यह सवाल खड़ा कर दिया कि क्या एथलीट अपनी शर्तों पर कमाई और पहचान चुन सकते हैं।

सरकारी मदद बनाम ओलंपिक सपने – कनाडा सरकार का एथेलेट एस्टिंस प्रोग्राम एक ओलंपिक एथलीट को सालाना लगभग 21,000 डॉलर की सहायता देता है। एलिशा न्यूमैन के अनुसार यह राशि अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी के लिए नाकाफी थी। ट्रैवल, कोचिंग, आधुनिक इक्विपमेंट और रिकवरी जैसे खर्च किसी भी एथलीट के बजट को तोड़ सकते हैं। ऐसे में एलिशा के सामने सवाल था या तो सपनों से समझौता करें, या वैकल्पिक रास्ता चुनें।

मैंने खुद को बेचा नहीं, ब्रांड बनाया – एलिशा का कहना है कि उन्होंने अपनी पहचान को किसी एक दायरे में सीमित करने से इनकार किया। खेल जगत में महिलाओं को अक्सर सीरियस एथलीट या ग्लैमरस चेहरा में बांटा जाता है। एलिशा ने दोनों को एक साथ अपनाया। उनके शब्दों में, मेरी बॉडी मेरी है, मेरी छवि मेरी है और मेरी कमाई पर भी मेरा हक है।

आलोचना, आरोप और करारा जवाब – ओनली फेंस से जुड़ने के बाद एलिशा को तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि यह महिला खिलाड़ियों को वस्तु में बदल देता है। सवाल उठे कि क्या एक ओलंपिक एथलीट को ऐसा प्लेटफॉर्म चुनना चाहिए। एलिशा का जवाब साफ था, अगर लोग मुझे देख रहे हैं, तो यह तय करना मेरा अधिकार है कि कैसे देखें। यह मुझे कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत बनाता है।

ब्रॉन्ज मेडल से बड़ा संदेश – एलिशा न्यूमैन का ब्रॉन्ज मेडल अब सिर्फ खेल जीत की कहानी नहीं है। यह संदेश है कि खूबसूरती अपराध नहीं और आज़ादी किसी की अनुमति से नहीं मिलती। उनकी कहानी आधुनिक खेल जगत में महिला एथलीटों की स्वतंत्रता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और अपनी शर्तों पर जीने की बहस को नई दिशा देती है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

सूरजकुंड मेले में इस बार 100 कमर्शियल स्टॉल

झूले भी होंगे ज्यादा

सूरजकुंड , एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेला 31 जनवरी से 15 फरवरी तक आयोजित होगा। इसके लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस बार यूपी और मेघालय को थीम राज्य और मिस्र को सहयोगी देश चुना गया है। मेले में हस्तशिल्प के साथ करीब 100 कमर्शियल स्टॉल भी होंगे, जिनके लिए हरियाणा पर्यटन निगम ने आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। पर्यटकों की सुविधा के लिए अम्यूजमेंट पार्क का विस्तार किया जा रहा है ताकि झूलों की संख्या बढ़ सके। मेला परिसर को ग्रामीण रंग देने के लिए दीवारों पर लिपाई का काम पूरा हो चुका है और जल्द सजावट शुरू की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में हस्तशिल्प कला के साथ करीब सौ व्यावसायिक (कमर्शियल) स्टॉल भी देखने को मिलेंगे। पर्यटक हस्तशिल्प कला के साथ इन स्टॉल से घर के अलावा आवश्यक वस्तुओं की भी खरीदारी कर सकेंगे। इसके लिए हरियाणा पर्यटन निगम ने आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। मेला परिसर में कमर्शियल स्टॉल गेट नंबर एक और दो के पास लगाए जाएंगे। जगह अधिक होने से झूलों की संख्या बढ़ने के साथ आवाजाही भी आसान होगी।

लिपाई का काम पूरा हो चुका

मेला परिसर को ग्रामीण माहौल देने के लिए स्टॉल्स और मेला परिसर की दीवारों पर मिट्टी और गोबर की लिपाई की जाती है। इसका काम लगभग पूरा हो चुका है। मुख्य चौपाल पर राजस्थान के

कोटा पत्थर और ग्रेनाइट लगाने का भी काम तेजी से चल रहा है। यह काम 10 से 15 दिनों में पूरा हो जाएगा। वहीं जनवरी के दूसरे सप्ताह के मेला परिसर को सजाने का काम शुरू हो जाएगा।

तैयारियां तेज

अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले के आयोजन को लेकर कई स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। हट्स पर छान बांधने का काम जारी हैं। वहीं अस्थायी स्टॉल को स्थायी करने का काम अंतिम चरणों में चल रहा है। इस बार अंतरराष्ट्रीय मेला 31 जनवरी से 15 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस साल उत्तर प्रदेश और मेघालय को थीम राज्य, जबकि मिस्त्र को सहयोगी देश चुना गया है। हरियाणा पर्यटन निगम ने अब हस्तशिल्पियों के साथ मेले में कमर्शियल स्टॉल के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक व्यक्ति वेबसाइट पर जाकर स्टॉल के लिए आवेदन कर सकते हैं। पर्यटन निगम ने मेले में लगने वाले अम्यूजमेंट पार्क को विस्तार देने का फैसला किया है, ताकि अधिक झूले लगाए जा सके। इसके अलावा पर्यटकों को आवाजाही में कोई परेशानी न हो। अम्यूजमेंट पार्क के लिए जगह कम होने की वजह से शनिवार एवं रविवार को पर्यटकों की संख्या अधिक होने पर पर्यटकों को आवाजाही में परेशानी होती है।

आरएलएम में टूट और बहू साक्षी को बढ़ाने की चर्चा से भड़के उपेंद्र

पटना, एजेंसी। एनडीए की घटक दल और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा इन दिनों चर्चा में है। एक तरफ जहां आरएलएम में टूट की आशंका जाहिर की जा रही है तो वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी पर परिवारवाद के आरोप लग रहे हैं। इस बात की चर्चा है कि उपेंद्र कुशवाहा ने पहले अपने बेटे दीपक प्रकाश को नीतीश मंत्रिमंडल में सेट किया और अब वो अपनी बहू साक्षी मिश्रा को कोई बड़ा पद दिलाना चाहते हैं। लेकिन अब राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा पार्टी में टूट और बहू साक्षी मिश्रा को बढ़ाने जैसी चर्चा पर भड़क गए हैं। कुशवाहा ने खुद एक्स पर इन तमाम मीडिया रिपोर्टों पर अपनी बात रखी है। उपेंद्र कुशवाहा ने एक्स पर लिखा, 'मीडिया के बन्धुओं, आज कल आप लोग कुछ ज्यादा ही मेहरबानी दिखा रहें हैं मुझ पर...! मेरी नहीं तो कम से कम अपनी प्रतिष्ठा का कुछ तो ख्याल रखिए जनाब ! आपको पता है न कि तथ्यहीन, बेबुनियाद और बनावटी खबरों से किसी का कुछ बिगड़ता नहीं है। क्योंकि वैसी खबरों की उम्र महज दस-पांच दिनों की ही होती है।' यहां आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर लिट्टी-चोखा की पार्टी हुई थी। इस पार्टी में आरएलएम के तीन विधायक नहीं पहुंचे थे। इसके बाद कुशवाहा की पार्टी में टूट की अटकलें शुरू हुईं। इसके अलावा आरएलएम के कई कार्यकर्ताओं ने चिराग पासवान की पार्टी भी ज्वाइन कर ली थी। आरएलएम के विधायक माधव आनंद ने बीजेपी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की थी। जिसके बाद टूट की खबरों को और भी बल मिला था। पार्टी के ही बाजापट्टी से विधायक रामेश्वर महतो ने उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को बिहार सरकार में मंत्री बनाए जाने पर भी सवाल खड़े किए। रामेश्वर महतो ने यहाँ तक कह दिया कि पार्टी में कार्यकर्ताओं का सम्मान कम हो रहा है। इतना ही नहीं यह भी आरोप लग रहे हैं कि उपेंद्र कुशवाहा अब अपनी बहू साक्षी मिश्रा को राज्य नागरिक परिषद का उपाध्यक्ष बनाने के जुगाड़ में हैं। यहां आपको बता दें कि आरएलएम के ही नेता माधव आनंद पहले इसके उपाध्यक्ष थे। लेकिन मधुबनी से माधव आनंद के विधायक बनने के बाद यह पद खाली है। कई मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा था कि उपेंद्र कुशवाहा ने खाली हुए इस पद के लिए अपनी बहू के नाम का प्रस्ताव भेजा है।

पहलगाम आतंकी हमले के समर्थक को छुड़ा ले गए 'बांग्लादेशी'

असम पुलिस पर हमला; 10 अरेस्ट

लखीमपुर, एजेंसी। असम के लखीमपुर जिले में पुलिस पर हमले और आतंकी समर्थक कंटेंट पोस्ट करने के आरोपी को जबरन छुड़ाने का मामला सामने आया है। इस मामले में बांग्लादेशी मूल के 10 लोगों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार यह हमला पूरी तरह से योजनाबद्ध था। घटना 27 दिसंबर को लखीमपुर के बोंगालमोरा इलाके में हुई। पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि बहारुल इस्लाम सोनापुर क्षेत्र में छिपा हुआ है। बहारुल इस्लाम पर पहलगाम आतंकी हमले के समर्थन में पोस्ट करने का आरोप है। उसने फर्जी अकाउंट से पोस्ट की थीं, जिसमें आतंकी हमले की तारीफ की गई थी। वह लंबे समय से फरार था।

खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने उसे सोनापुर इलाके में ट्रेस कर हिरासत में लिया। लेकिन जैसे ही पुलिस उसे ले जाने लगी, 10 से अधिक लोगों की भीड़ ने टीम पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से लैस भीड़ ने पुलिस को पीटा और आरोपी को जबरन छुड़ा लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, लखीमपुर के एसएसपी गुनेन्द्र डेका ने बताया- आतंकी हमले के बाद कई लोगों ने सोशल मीडिया पर समर्थन किया था। बहारुल इस्लाम उनमें से एक था।

उसे पकड़ने पर अताबुर रहमान के नेतृत्व में एक समूह ने पुलिस टीम पर हमला कर उसे छुड़ा लिया। यह एक सुनियोजित हमला था।

इस हमले में सब-इंस्पेक्टर गोकुल जॉयश्री और वाहन चालक को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अफाजुद्दीन, इकरामुल हुसैन, फखरुद्दीन अहमद, नूर हुसैन, गुलजार हुसैन, नजरुल हक, काजिमुद्दीन, एमडी अब्दुल हमीद, बिलाल हुसैन और अताबुर रहमान के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक इनमें से कई का आपराधिक रिकॉर्ड पहले से है। पुलिस ने बताया कि बहारुल इस्लाम को पहले फर्जी सोने के एक मामले में भी पकड़ा गया था। वह भीड़ द्वारा छुड़ाए जाने के बाद फिर से अंडरग्राउंड हो गया है। एसएसपी डेका ने कहा- उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस मामले में और भी गिरफ्तारियां संभव हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

हिमाचल में बदलने वाला है मौसम

पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव, जल्द गिरेगी बर्फ

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी का इंतजार अब खत्म होने वाला है, लेकिन इससे पहले मौसम ने एक हैरान करने वाला मोड़ ले लिया है। बर्फ के लिए तरस रहे हिल स्टेशन शिमला की रातें मैदानी इलाकों से भी अधिक गर्म हो गई हैं। यहां न्यूनतम तापमान बढ़कर 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, आज से प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसके चलते आने वाले दिनों में मौसम पूरी तरह बदलने वाला है। विभाग का कहना है कि 3 2 जनवरी तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी के आसार हैं, जबकि 31 दिसंबर और 1 जनवरी को पूरे प्रदेश में मौसम खराब रह सकता है। खासतौर पर ऊंचे और मध्य पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी के प्रबल संकेत हैं। वहीं मैदानी और निचले क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। 3 और 4 जनवरी को मौसम साफ रहने की संभावना है, जबकि 5 जनवरी से फिर कुछ स्थानों पर बादल बरस सकते हैं। इस पूर्वानुमान से नए साल में बर्फबारी की उम्मीद जगी है। दिसंबर महीने में अब तक पर्यटन स्थलों शिमला में बर्फ का एक भी फाहा नहीं गिरा और यह लगातार चौथा साल है जब शिमला में दिसंबर में बर्फबारी नहीं हुई है। इससे सैलानी सीजन की पहली बर्फबारी के दीदार के लिए तरसते रहे हैं। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक प्रदेश में शीतलहर का येलो अलर्ट रहेगा और बर्फबारी के बाद ठंड और तेज हो सकती है। इस बीच प्रदेश के निचले इलाकों में कोहरे की समस्या भी बनी हुई है और मंगलवार को बिलासपुर में दृश्यता घटकर 50 मीटर तथा मंडी में 70 मीटर दर्ज की गई। राज्य में आज सुबह ज्यादातर इलाकों में बादल छाए रहे, मैदानी क्षेत्रों में कोहरा और जनजातीय जिलों लाहौल-स्पीति व किन्नौर में मौसम खराब रहा, जबकि शिमला में बादलों के बीच हल्की धूप खिली। तापमान के आंकड़े बताते हैं कि ठंड का असर तो पूरे प्रदेश में है, लेकिन शिमला में रात के तापमान में अप्रत्याशित बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शिमला का न्यूनतम तापमान 10.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से करीब एक डिग्री अधिक है और पिछले 24 घंटों में इसमें 1.4 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। इसके उलट जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 5.0 और ताबो में माइनस 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

निर्माणाधीन बिल्डिंग के बेसमेंट की दीवार गिरी; कुछ मजदूर दबे, एक की मौत

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में सुशांत लोक फेज-2 में देर शाम एक निर्माणाधीन बिल्डिंग के बेसमेंट की दीवार गिरने से कुछ मजदूर मलबे में दब गए। हादसे की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य चलाकर मजदूरों को बाहर निकाला जा रहा है। सिविल डिफेंस अधिकारी मोहित शर्मा ने बताया कि अभी तक एक मजदूर की लाश निकाली गई है। अधिकारी ने बताया कि दो मजदूरों को जिंदा निकाला गया है। दोनों अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। ये तीनों मजदूर बिहार के रहने वाले हैं। सर्च अभियान अभी भी जारी है। पता लगाया जा रहा है कि इस साइट पर कुल कितने मजदूर काम कर रहे थे। गुरुग्राम में इस साल बेसमेंट की दीवार गिरने या मिट्टी ?खिसकने के कई जानलेवा हादसे हुए हैं। ऐसे हादसे निमार्ण में नियमों की अनदेखी की तरफ इशारा करते हैं। निर्माण कार्यों के दौरान बरती गई लापरवाही और नियमों के उल्लंघन से कई मजदूरों की जान जा चुकी है। इसी साल 8 मई को गुरुग्राम में सेक्टर-27 में एक निर्माणाधीन मकान के बेसमेंट की मिट्टी खिसकने से दीवार ढह गई थी। इसमें वहां काम कर रहे चार मजदूर और मिस्त्री नीचे दब गए, जबकि आठ लोग बाल-बाल बच गए। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हुई थी। इसके बाद 1 जून को सेक्टर-57 में एक निर्माण स्थल पर बेसमेंट में मिट्टी की दीवार गिरने से बिहार के दो मजदूरों की मौत हुई थी। दोनों बिहार के अररिया जिले के रहने वाले थे। यह घटना उस वक्त हुई जब सेक्टर-57 के प्लाट पर छह मजदूर काम कर रहे थे। जून में ही सोहना में नंगली गांव के रोड पर एक सोसायटी में काम करते समय दीवार ढह गई थी। इस हादसे में मिस्त्री और लेबर का काम करने वाले पति-पत्नी की मलबे में दबने से मौत हो गई थी। वे मध्यप्रदेश के रहने वाले थे। वहीं, 14 अगस्त को गुरुग्राम के बादशाहपुर इलाके में बेसमेंट की खुदाई के दौरान दीवार गिरने से आसपास के मकानों में दरारें आ गई थी, जिसको देखते हुए प्रशासन ने 10 बिल्डिंग को खाली कर दिया था ।

नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान ट्रंप ने दोहराया भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष समाप्त कराने का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच युद्ध रुकवाया, दोनों देशों को शुल्क लगाने की धमकी दी, साथ ही अन्य संघर्षों को भी समाप्त किया, लेकिन इसका श्रेय उन्हें नहीं दिया जाता। इसके बाद ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने के दावे को भी दोहराया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान भारत-पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त कराने के अपने दावे को फिर दोहराया। सोमवार को फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित मार-ए-लागो में नेतन्याहू और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक शुरू करते हुए ट्रंप ने कहा कि 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में उन्होंने अब तक आठ युद्ध रुकवाए हैं।

ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच युद्ध रुकवाया, दोनों देशों को शुल्क लगाने की धमकी दी, साथ ही अन्य

संघर्षों को भी समाप्त किया, लेकिन इसका श्रेय उन्हें नहीं दिया जाता। इसके बाद ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने के दावे को भी दोहराया। ट्रंप ने कहा, 'आठ युद्धों का निपटारा किया... अजरबैजान को लेकर (रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन ने मुझसे कहा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि आपने वह युद्ध सुलझा दिया क्योंकि मैं 10 साल से कोशिश कर रहा था।' और मैंने सचमुच इसे एक ही दिन में सुलझा दिया।'' अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, ''वे व्यापार करते हैं। मैंने कहा हम आपको व्यापार से अलग कर देंगे। अब कोई व्यापार नहीं। दोनों से... फिर मैंने 200 प्रतिशत शुल्क लगा दिया... अगले दिन उन्होंने फोन किया और 35 साल की लड़ाई रोक दी।'' ट्रंप के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, अमेरिकी राष्ट्रपति के दामाद जेरेड कुशनर और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। ट्रंप ने नेतन्याहू के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक से पहले कहा, ''क्या इसका श्रेय मुझे मिलता है नहीं। मैंने आठ युद्ध रुकवाए। भारत और पाकिस्तान के बारे में क्या ख्याल है... तो मैंने उनमें से आठ (युद्ध) रुकवाए और मैं आपको बाकी के बारे में फिर कभी बताऊंगा।'' ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में रातभर बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम'' पर सहमत हो गएहैं। उसके बाद से ट्रंप 70 से अधिक बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष समाप्त कराया है। हालांकि भारत ने किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है।

फरवरी में चुनाव के लिए बांग्लादेश तैयार : यूनुस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने स्पष्ट किया है कि देश फरवरी में होने वाले संसदीय चुनावों और जनमत संग्रह के लिए पूरी तरह तैयार है। सोमवार को अमेरिकी चार्ज डी अफेयर्स ट्रेसी एन जैकबसन ने अपनी विदाई मुलाकात के दौरान प्रोफेसर यूनुस से भेंट की। दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और चुनावी तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रोफेसर यूनुस ने आश्वासन दिया कि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि मतदान में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जैकबसन ने अंतरिम सरकार की ओर से किए गए श्रम सुधारों की सराहना करते हुए उन्हें असाधारण बताया और कहा कि इससे विदेशी निवेश बढ़ेगा। बैठक में रोहिंग्या शरणार्थियों की सहायता और व्यापार पर भी चर्चा हुई। यूनुस ने जैकबसन को उनके कार्यकाल के लिए बांग्लादेश का मित्र बताते हुए धन्यवाद दिया। हालांकि, यह चुनावी घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब बांग्लादेश आंतरिक अशांति और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है।

यूएन को अमेरिका से 2 अरब डॉलर की मदद

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन द्वारा अमेरिकी विदेशी सहायता में लगातार कटौती किए जाने के बीच सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता कार्यक्रमों के लिए दो अरब डॉलर देने की घोषणा की। यह घोषणा नए आर्थिक हालात में यूएन निकायों को परिस्थितियों के अनुसार ढलने, खुद को सीमित करने या समाप्त होने की चेतावनी देने के बाद की गई है। आलोचकों का कहना है कि पश्चिमी देशों की सहायता में कटौती से लाखों लोग भूख, विस्थापन या बीमारी की ओर धकेल दिए गए हैं। यह धनराशि अमेरिका की ओर से अतीत में दिए गए योगदान की तुलना में बेहद कम है लेकिन प्रशासन यह मानता है कि यह धनराशि उतनी कम नहीं है और अमेरिका को मानवीय कार्यों के लिए दुनिया के सबसे बड़े दानदाता के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने में सक्षम बनाएगी। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, यह दो अरब डॉलर संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रमों के लिए पारंपरिक मानवीय सहायता का एक छोटा सा हिस्सा है, जो हाल के वर्षों में वार्षिक रूप से 17 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इनमें से 8-10 अरब डॉलर स्वैच्छिक योगदान के रूप में है।

यूक्रेन के दावे पर डोनाल्ड ट्रंप का कड़ा ऐतराज !

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें बताया कि यूक्रेन ने उत्तरी रूस में उनके घर पर हमला करने की कोशिश की थी, इस दावे को कीव ने नकार दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह आरोप शांति समझौता कराने की उनकी कोशिशों पर असर डाल सकता है, तो ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, 'मुझे यह पसंद नहीं है। यह अच्छा नहीं है। मुझे इसके बारे में आज राष्ट्रपति पुतिन से पता चला। मुझे इस पर बहुत गुस्सा आया। '

ट्रंप ने कहा 'यह बहुत नाजुक समय है। यह सही समय नहीं है। हमलावर होना एक बात है, क्योंकि वे हमलावर हैं। उनके घर पर हमला करना दूसरी बात है। यह सब करने का सही समय नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या ऐसे हमले का कोई सबूत है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'हम पता लगाएंगे। '

फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा

कि रूसी नेता ने दिन में पहले एक कॉल के दौरान यह मुद्दा उठाया था। ट्रंप ने सोमवार को पुतिन के साथ अपनी फोन कॉल को 'बहुत अच्छी बातचीत' बताया, और कहा कि युद्ध खत्म करने की कोशिशों में 'कुछ बहुत मुश्किल मुद्दे' शामिल हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने, सुबह-सुबह, उन्होंने कहा कि उन पर हमला हुआ था। यह अच्छा नहीं है। मुझे बहुत गुस्सा आया,' ट्रंप ने कथित ड्रोन हमले के बारे में कहा। उन्होंने यह भी माना कि यह दावा गलत भी हो सकता है, यह स्वीकार करते हुए कि 'संभव है' कि हमला हुआ ही न हो। ट्रम्प ने तब कमेंट किया जब रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन पर 28 और 29 दिसंबर की देर रात मॉस्को के पश्चिम में नोवगोरोड क्षेत्र में पुतिन के घर पर लंबी दूरी के ड्रोन के झुंड से हमला करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कथित हमले में 91 ड्रोन लॉन्च किए गए थे, लेकिन रूसी हवाई सुरक्षा ने उन सभी को रोक दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ज़ेलेंस्की के साथ बातचीत करने के एक दिन बाद, 24 घंटे के भीतर दूसरी बार पुतिन से बात की। विवाद के बावजूद, ट्रम्प ने कहा कि पुतिन के साथ उनकी बातचीत रचनात्मक थी। ट्रम्प ने कहा, 'यह बहुत ही उपयोगी बातचीत थी।' 'मेरा मतलब है, जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, हमारे पास कुछ बहुत ही मुश्किल मुद्दे हैं। ' उन्होंने कहा कि अगर उन चुनौतियों को हल किया जा सके तो प्रगति संभव है। ट्रम्प ने कहा, 'हमारे पास कुछ मुद्दे हैं जिन्हें हम उम्मीद है कि हल कर लेंगे, और अगर हम उन्हें हल कर लेते हैं, तो शांति हो सकती है। '

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129